श्रीमती गीता मूंदड़ा (इन्दौर) को वनबंधु परिषद
महिला समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर

हार्दिक बधाई

श्रीमती गीता मूंदड़ा

: सौजन्य :

मूंदड़ा एवं बेली परिवार की ओर से

श्यामसुन्दर मूंदड़ा
विकल्प–वन्दना मूंदड़ा
अनुराग–सरिता मूंदड़ा
प्रवज्ञा, प्रत्युष, आयुष
इन्दौर (म.प्र.)

लालचन्द–कंचन बेली
देवेन्द्र–शान्ता बेली
यशवन्त–आभा बेली
शाहपुरा, जिला भीलवाड़ा (राज.)

पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505 दिनांक 29/04/2002 पोस्ट पंजीयन क्र. 536

पोस्ट दिनांक 5 मार्च 2017

प्रेषक :
माहेश्वरी महिला
माहेश्वरी सदन, जयेन्द्रगंज
ग्वालियर (म.प्र.)

प्रति,

माहेश्वरी महिला समिति की ओर से चन्द्रा स्टेशनरी एण्ड प्रिंटिंग वर्क्स से मुद्रित, श्रीमती मनोरमा लड्ढा द्वारा ग्वालियर से प्रकाशित एवं संपादित

मार्च 2017 मूल्य : दस रूपए

माहेश्वरी महिला

वर्ष : 17 अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी संगठन का मासिक मुखपत्र अंक : 12

हमारे बढ़ते कदम

सौहार्द्र है जहाँ,
सेवा के लिए सहस्त्र हाथ हैं वहाँ

होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

माहेश्वरी महिला

अखिल भारतीवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का मुखपत्र

श्रेष्ठ जीवन का आधार
शिक्षा–सुरक्षा–संस्कार

प्रकाशक
माहेश्वरी महिला समिति
263, जीवाजी नगर, थाटीपुर, ग्वालियर
फोन : 2340068, मो.: 9329732928
फैक्स : 0751-2232402
ई-मेल : maheshwarimahilagwl@gmail.com

अध्यक्ष
श्रीमती मनोरमा लड्ढा

उपाध्यक्ष
श्रीमती विमला देवी साबू

सचिव
श्रीमती लता लाहोटी

कोषाध्यक्ष
श्रीमती अनीता माहेश्वरी

संयुक्त सचिव
श्रीमती शोभा सादानी

सदस्य्
श्रीमती पद्मा देवी मूंदड़ा
श्रीमती गीता देवी मूंदड़ा
श्रीमती रतनी देवी काबरा

संपादक मंडल
संपादक
श्रीमती मनोरमा लड्ढा

श्रीमती सुशीला काबरा

श्रीमती रेखा माहेश्वरी

सम्पादकीय

मनोरमा लड्ढा
सम्पादक

नेतृत्व के कर्तव्य

परिवर्तन प्रकृति की नियति है। परिवर्तन से ही मानव जीवन में उत्साह व उमंग बना रहता है। बीज, पेड़, फल, फूल और फिर बीज का बनना परिवर्तन की दिशा को ही परिभाषित करता है।

इसी तरह परिवर्तन ही समाज को, संस्थाओं को जीवंतता प्रदान करता है। आज महिला संगठन भी नव–वर्ष (2016 से 2017) में प्रवेश के साथ ही नव–सत्र के लिए कदमताल कर रहा है। जाने वाली टीम को कुछ कर गुजर जाने की संतुष्टि का भाव उभर रहा है तो नई टीम नई उमंग, नए उत्साह, नई ऊर्जा से नव–इतिहास रचने को आतुर। जैसा कि हम जानते हैं कि सामाजिक संस्थाओं में पद–प्रतिष्ठा के प्रतीक नहीं बल्कि समाज के सर्वांगीण विकास की जिम्मेदारी के आधार होते हैं। एक बार की बात है –

''बुद्ध जंगल से गुजर रहे थे। उन्हें प्यास लगी, इधर–उधर घूमकर देखा–पानी का सरोवर दिखा, उसमें कुछ व्यक्ति पानी पी रहे थे व नहा रहे थे, जिससे पानी गंदा हो गया। बुद्ध थोड़ी देर रुके, जब पानी स्थिर हो गया तो चुल्लू भर कर पानी पीने लगे। जैसे ही पानी पीने को हुए – आवाज आई – ठहरो.....। बुद्ध रुक गये – आवाज आई, तुम चोरी कर रहे हो – सरोवर के मालिक से बिना पूछे ही जल ले रहे हो। बुद्ध बोले, वत्स अभी–अभी मेरे सामने कुछ व्यक्ति जल में घुसे, जल पीया, नहाये, जल को गंदा किया, अपव्यय किया, चले गये, उनको किसी ने नहीं रोका, मैं तो मात्र दो चुल्लू पानी पी रहा हूं। यक्ष बोला, आप ठीक कह रहे हो परन्तु वे पृथ्वी पर जीने वाले साधारण व्यक्ति थे, उनकी गलती नजर अन्दाज हो सकती है किन्तु आपने स्वयं स्वेच्छा से समाज को सही मार्गदर्शन देने का दायित्व अपने ऊपर लिया है, आपके द्वारा किया गया कोई भी गलत कार्य सम्पूर्ण समाज को दिशा भ्रमित कर सकता है अत: आपका प्रत्येक आचरण समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत होता है, मार्गदर्शक होता है। हमें भी इस प्रसंग से शिक्षा लेकेर आत्मनिरीक्षण करते हुए, अपने मिष्ठ भाषण व शिष्ट व्यवहार से समाज के उत्थान के लिए सतत् कार्य करना है।

सामाजिक कार्यों में महिला संगठन ने कदम दर कदम प्रत्येक सत्र में सफलता की नई सीढ़ी को छुआ है अब एकादश सत्र अर्थात 1+ 1=11 में एक+एक अनेक नए कार्य करते हुए सब के साथ, सब का विकास करते हुए मंजिल को शिखर की ऊँचाइयों तक पहुंचाना है इन्हीं भावनाओं के साथ, नव–सत्र की नई टीम को हार्दिक शुभकामनाएं।

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ

अध्यक्षा
श्रीमती उमा जाजू
सूरत

निवर्तमान अध्यक्षा व प्रभारी - राष्ट्रीय संचारिका समिति
श्रीमती उर्मिला कलंत्री
अहमदाबाद

सचिव
श्रीमती उमा काबरा
बड़ौदा

कोषाध्यक्षा
श्रीमती मंजूश्री काबरा
वापी

संगठन मंत्री
श्रीमती तारा दम्मानी
अहमदाबाद

राष्ट्रीय कार्यसमिति
श्रीमती उषा सोमानी
अहमदाबाद

उपाध्यक्षा
श्रीमती वंदना तापड़िया
अहमदाबाद

उपाध्यक्षा
श्रीमती कौशल्या लड्ढा
बड़ौदा

उपाध्यक्षा
श्रीमती निर्मला हुरकट
जामनगर

उपाध्यक्षा
श्रीमती रमा पेड़ीवाल
सूरत

सह-सचिव व संयोजिका : राष्ट्रीय संचारिका समिति :
श्रीमती सुशीला माहेश्वरी
अहमदाबाद.

सह-सचिव
श्रीमती रिद्धि मनियार
जामनगर

सह-सचिव
श्रीमती चंद्रप्रभा मूंदडा
वापी

सह-सचिव
श्रीमती चंदा सोनी
सूरत

प्रचार प्रसार मंत्री
श्रीमती वन्दना भंडारी
सूरत

सांस्कृतिक मंत्री
श्रीमती कांता मोदानी
सूरत

सलाहकार समिति एवं भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा
श्रीमती बिमला देवी साबू, सूरत

सलाहकार समिति
श्रीमती पुष्पलता बांगड,
अहमदाबाद.

सलाहकार समिति एवं राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री - मध्यांचल :
श्रीमती मंगल मर्दा, वापी

दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ

श्रीमती ममता बागरी

श्रीमती रीता सोनी

श्रीमती वन्दना समदानी

श्रीमती आशा रांदड़

श्रीमती किरण लड्ढा

श्रीमती श्यामा भांगड़िया

श्रीमती नीता माहेश्वरी

श्रीमती शर्मिला राठी

श्रीमती उमा झँवर

श्रीमती विनीता बियाणी

श्रीमती मंजू मन्धाना

श्रीमती पूनम तोष्नीवाल

श्रीमती राधा चांडक

श्रीमती सुनीता मूंदड़ा

श्रीमती मधु मूंदड़ा

श्रीमती वीणा काबरा

नया यह सत्र है, रहे सभी खुशहाल,
सभी योजनाएं पूर्ण हों सब की,
मन्तव्य से नहीं भटके कोई,
रहे उन्नत सभी के मन।
निरामय रहे सभी के तन,
तनमन की शुद्धता रहे सदा बनी,
समाज को करे, सभी उन्नत।
।।जय महेश।।

नेतृत्व के गुण

दूसरों की अच्छाई देखें।
अपनी कमी को देखें।
आत्म-प्रशंसक नहीं बनें।
सदैव मैं-मैं-मैं नहीं करें।
दूसरों पर संदेह नहीं करें।
लम्बे भाषण न दें।
झिझक नहीं रखें।
झूठे आश्वासन नहीं दें।

कार्य में विलम्ब न करें।
हीन भावना न रखें।
विवादास्पद न बनें।
सुस्त व आलसी न रहें।
तुरन्त निर्णय लेने की क्षमता रखें।
संस्था के प्रति समर्पण भाव रखें।
प्लाण्ड-वे में कार्य करने वाला हों।
सहयोगात्म रुप से कार्य करने की शैली हो।

व्यक्तिनिष्ठ नही संस्थानिष्ठ बनें।
लक्ष्य को लेकर कार्य करें।
समयबद्धता का ध्यान रखें।
शालीन बनकर रहें।
सद्व्यवहारी बनें।
आत्मविश्वासी बनें।
सम-दृष्टि रखें।

"नेतृत्व करने वालों के शब्दकोश में, असम्भव शब्द नहीं होता। कितनी भी बड़ी चिंताएं क्यों न हों, मजबूत इरादे और संकल्प से, उन्हें सुलझाया जा सकता है।"

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

अध्यक्ष
श्रीमती कल्पना गगरानी
मुम्बई
*
महामंत्री
श्रीमती आशा माहेश्वरी
कोटा
*
अर्थमंत्री
श्रीमती कौशल्या गट्टानी
उदयपुर
*
संगठन मंत्री
श्रीमती मंजू बांगड़
कानपुर
*
निवर्त्तमान अध्यक्ष
श्रीमती सुशीला काबरा, इन्दौर
उपाध्यक्ष
श्रीमती सरला काबरा, गोवाहाटी
श्रीमती ममता मोदानी, भीलवाड़ा
श्रीमती ज्योति राठी, रायपुर
श्रीमती कान्ता गगरानी, आगरा
श्रीमती शैला कलंत्री, येवला
*
सहसचिव
श्रीमती मंजू कोठारी, कोलकाता
श्रीमती फूलकुंवर मूंदड़ा, जोधपुर
श्रीमती मंगल मर्दा, वापी
श्रीमती शमिला राठी, दिल्ली
श्रीमती प्रकाश मूंदड़ा, बैंगलौर
*
कार्यालयीन सचिव
श्रीमती सुषमा मूंदड़ा, ठाणे
संचालक मंडल
अध्यक्ष
श्रीमती आशा लड्ढा, फरीदाबाद
उपाध्यक्ष
श्रीमती पुष्पलता परतानी, अमरावती
सदस्य
श्रीमती राजकुमारी कोठारी, औरंगाबाद
श्रीमती विनीता लाहोटी, कोटा
श्रीमती वीणा राठी, ग्वालियर

अध्यक्षीय

हरिद्वार, हरि का द्वार, ईश्वर का द्वार, ईश्वर का द्वार मिलता है, सेवा के मार्ग पर चलकर। मैं कृतज्ञ हूं अखिल भारतीय महिला संगठन की जिसने मुझे इस राह से हरिद्वार तक पहुंचने का अवसर प्रदान किया।

सदियों तक रिसता है बूंद-बूंद पानी चट्टानों के गर्भ में। असीम शक्ति लगती है चट्टान फोड़ जलधारा के रुप में प्रवाहित होने में। महिला संवेदनाओं को प्रवाहित करने का भगीरथी प्रयास किया हमारी संस्थापक अध्यक्ष ने। अलकनंदा के इस प्रवाह में अनेकों प्रयाग आये। धारा में धारा मिलती गई, विस्तारित होती रही। पहाड़ों की पथरीली जमीन पर अपना मार्ग बनाती रही। समाज, संस्कृति, अध्यात्म, राष्ट्र, शिक्षा, सुरक्षा, संस्कार की धाराओं के संगम से महिला संगठन सघन, सबल, सफल होता रहे।

हरिद्वार में गंगा की विशालता मिली, गहनता मिली, परिभाषा मिली और उसने इस अवसर को अति फलीभूत कर दिया। बंजर जमीन को गंगा का उपजाऊ कछार बना दिया। अपनी कर्मठता, देयता एवं समग्रता के कारण वह पूजनीय मां गंगा बन गई।

दसवें सत्र तक आते-आते महिला संगठन ने अपने आप को विशदता से स्थापित किया है। इस एकादश सत्र में भारतीय संस्कृति के 'एकादश' शब्द को सार्थक करते हुए, हरिद्वार से गंगा के महाप्रयाण की तरह संपूर्ण भारतवर्ष की सामाजिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय भावना को उदारता से संभालते, संवारते, सजाते हमें विशदता, विशालता एवं वैचारिक महत्ता को प्राप्त करना होगा। श्रृंखलाबद्ध संगठन का सत्ताइसी संगम समाज हित में गंगा की तरह उपजाऊ और फलदायी सिद्ध हो, यही ईश्वर से वंदना-अर्चना-प्रार्थना है। किसी चमत्कार से नहीं, आप सबके सहयोग से बस यही आस है।

हो गई है पीर, पर्वत सी पिघलनी चाहिए।
इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए।।

कल्पना गगरानी

अध्यक्ष

निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती सुशीला काबरा द्वारा आभार

जैसा मिलता है सुकूँ, घनघोर बियाबान के बाद,
शीतल लगे है छाया गहन तपन के बाद।
वैसा ही मिलता है संतोष कार्यक्रम की सफलता के बाद।

आज मुझे बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि सन् 2013 जुलाई में अ.भा.माहे. महिला संगठन के दसम् सत्र के अध्यक्ष का पदभार मुझे जिस आशा और विश्वास क साथ सौंपा गया था वह मैंने अपनी पूर्ण शक्ति, लगन और मेहनत से करने का प्रयास किया है व आप सब के सहयोग से, स्नेह से समाज की बहनों को, आशा के अनुरूप ऊँचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास किया है। दसों दिशाओं में, दस समितियों के माध्यम से दसों आंचलिक पदाधिकारियों के सहयोग से समाज एवं महिलाओं के उत्थान व विकास के लिए, हर पीढ़ी के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। ''अभ्युदम'' – महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए, 'ओजस' – किशोरियों के व्यक्तित्व विकास के लिए एवं समाज की ओर आकर्षित करने के लिए, ''आचमनम्'' – बहनों को स्वास्थ्य व स्वाध्याय के प्रति जागरुक करने हेतु ''आव्हानम्'' – महिलाओं के कर्तव्य एवं अधिकार के प्रति सचेत करने हेतु सम्पन्न किये गये। इस सत्र के घोष वाक्य ''शिक्षा–सुरक्षा और संस्कार'' के माध्यम से गाँवों में तकनीकि शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किये गये साथ ही इन कार्यों में सहयोग करने वाली बहनों को सम्मानित भी किया गया ताकि दूसरों को प्रेरणा व प्रोत्साहन मिल सके। राष्ट्रीय चेतना जगाने हेतु स्वच्छता, पर्यावरण, प्रदूषण, वाह्य आडम्बर, फिजूलखर्ची आदि पर पोस्टर–स्लोगन के माध्यम से बहनों को आकर्षित कर जागरुक किया गया एवं प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया गया।

वर्तमान युग तकनीकी शिक्षा व युवा पीढ़ी का युग है, अत: प्रोफेशनल एवं कैरियर वाली युवा पीढ़ी को समाज–

धारा से जोड़ने की कोशिश ''सृजन–सेतु'' महाधिवेशन के माध्यम से की गई। बुजुर्ग व वरिष्ठ पीढ़ी का अनुभव एवं युवा पीढ़ी की ऊर्जा, जोश, जुनून व ज्ञान का समन्वय प्रोफेशनल सेमिनार के माध्यम से समाज–सेतु बनकर किया गया, जिससे समाज का उत्थाान हो व समाज में उनकी पहचान बने। साथ ही समाज के जरुरतमंद सदस्यों को ट्रस्टों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार हेतु सहयोग दिलाया गया एवं राष्ट्रीय महिला संगठन द्वारा संचालित ''जाजू छात्रावास'', महिला सेवा ट्रस्ट, जनकल्याण ट्रस्ट एवं वन बंधु परिषद् आदि में आर्थिक योगदान भी आप सभी के सहयोग से सम्भव हो पाया। इन सब कार्यो में हम सफल हो पाये आप सभी के सहयोग से, विश्वास से, आस्था से, प्रेम से व परिश्रम से।

- राष्ट्रीय महिला संगठन की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करती हूं – हमारे परामर्शदाता व मार्गदर्शक एवं संरक्षक मंडल के समस्त पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष – आदरणीय पद्मा जी मूंदड़ा, माँ रतनी देवी काबरा, सम्मानीय लता जी लाहोटी, सौ. मनोरमा जी लड्ढा, सौ. बिमला जी साबू, सौ. शोभा जी सादनी का एवं विशेष रूप से सौ. गीता जी मूंदड़ा का, जिनका मार्गदर्शन, सहयोग व संबल मुझे पूरे सत्र प्राप्त हुआ, सब को वंदन।
- आभारी हूं – महामंत्री कल्पना जी गगरानी की, जिन्होंने मेरा बायां हाथ बनकर कार्यक्रमों की कल्पनाओं को मूर्त रूप में संजोने में पूर्ण सहयोग दिया।
- कोषाध्यक्ष सौ. आशा जी लड्ढा ने संस्था के कोष को उत्तरोत्तर बढ़ाया एवं उत्तरांचल का भ्रमण भी सबसे पहले कराया, उन्हें बधाई।
- संगठन मंत्री सौ. राज झंवर ने संगठन को ऊँचाइयों पर पहुंचाने का प्रयास किया, आर्थिक सहयोग भी किया एवं पूर्वांचल का भ्रमण भी किया व राष्ट्रीय पदाधिकारियों को भी करवाया, उन्हें बहुत–बहुत धन्यवाद।
- आभार व्यक्त करती हूं – समस्त आंचलिक

उपाध्यक्षों – सौ. मंजू बांगड़, सौ. सरला काबरा, सौ. शैला कलंत्री, सौ. आशा माहेश्वरी एवं सौ. ज्योति राठी की, जिन्होंने आंचलिक कार्यक्रमों में बड़ी जिम्मेदारीसे सब प्रदेशों में तालमेल व समन्वय कर कार्यक्रम संचालित करवाये एवं आंचलिक सम्मेलन भी आयोजित करवाये।

- शुक्रगुजार हूं – समस्त आंचलिक संयुक्त मंत्री सौ. कांता गगरानी, सौ. जमुना हेड़ा, सौ. विमला समदानी, सौ. कौशल्या गट्टानी एवं सौ. पुष्पलता परतानी की, महाधिवेशन में आप सभी के सहयोग से सब कार्यक्रम सुचारू रूप से सम्पन्न हुए।
- कृतज्ञता ज्ञापित करती हूं – सभी प्रदेश अध्यक्ष व सचिव की जो राष्ट्रीय संस्था की मुख्य कड़ी हैं, जिन्होंने राष्ट्र द्वारा निर्देशित समितियों के अन्तर्गत सभी कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराये व प्रादेशिक सम्मेलन भी लिये, जिससे छोटे–छोटे गाँवों की बहनें भी समाज से जुड़ीं व बहनों का समाज में कार्य करने का उत्साह बढ़ा। राष्ट्रीय पदाधिकारियों को भ्रमण कराया एवं स्वयं ने भी किया, जिससे समाज में जागरूकता आई।
- आभार व्यक्त करती हूं – दसों समिति संयोजकों का, जिनके माध्यम से सभी योजनाएं व प्रतियोगिताएं क्रियान्वित हो पाई। सभी ने अथक प्रयास किया, उन्हें धन्यवाद व बधाई।
- तहे दिल से आभारी हूं – समस्त राष्ट्रीय कार्यसमिति एवं कार्यकारी मंडल की बहनों की, जिनके उत्साह, सहयोग, सहभागिता व अथक प्रयासों से ही इस सत्र की योजनाएं फलीभूत हो पाई।
- दसम् सत्र में तन, मन, धन, समय व श्रम के साथ प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष.रूप से सहयोग प्रदान करने वाले समस्त महासभा के बंधुओं, युवा संगठन के साथियों एवं विशिष्ट अतिथियों, दानदाताओं का बहुत–बहुत आभार एवं धन्यवाद।
- दसम् सत्र अब अस्ताचल की ओर है एवं एकादश का आगाज होने वाला है। एकादश सत्र हेतु चयनित राष्ट्रीय अध्यक्ष सौ. कल्पना जी गगरानी, महामंत्री सौ. आशा जी माहेश्वरी एवं उनकी पूरी टीम को बहुत–बहुत बधाई एवं आगामी सत्र की सफलता हेतु हार्दिक शुभकामनाएं।

सुशीला काबरा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा

परिभाषा जीवन की (संकलित)

जीवन क्या है–प्रभु का सर्वश्रेष्ठ वरदान।
जीवन का नजरिया–स्वार्थ तथा परमार्थ में सन्तुलन।
जीवन का धर्म–परहित सरिस धरम नहिं भाई। पर पीड़ा सम नाहिं अधमाई।
जीवन में प्रार्थना–अहं का त्याग एवं अराध्य से अनन्यता।
जीवन में देने योग्य–अन्यों के लिए खुशियां एवं मुस्कान।
जीवन में पूजनीय–श्रेष्ठों का मान सम्मान ।
जीवन में निष्ठा–सद्गुरू के चरणों में शरणागति।
जीवन की निधि–आस्था, श्रद्धा एवं विश्वास
जीवन में सुन्दरता–प्रामाणिक आत्मीयता
जीवन की बुराई–क्रोध एवं स्वार्थ जो हमें अंधा बना देते हैं।
जीवन में लेने योग्य–दूसरों की अच्छाइयाँ।
जीवन में त्यागने योग्य–परनिंदा, ईर्ष्या एवं द्वेषभाव।
जीवन की प्रतिभा–अन्यों का मार्गदर्शन।
जीवन का सौन्दर्य–सत्य का साथ।
जीवन का सच्चा साथी–धीरज।
जीवन की परिणति–प्रभु की दुनिया को और सुन्दर बनाने में सहयोग।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कल्पनाजी गगरानी के द्वारा एकादश सत्र वर्ष 2017-2019 के लिए, एकादश समितियां गठित की गई हैं, जिनके सहयोग से सम्पूर्ण भारतवर्ष में महिला संगठन सुचारु रुप से कार्य करते हुए राष्ट्र में समाज के नाम को शिखर तक पहुंचा सके। सभी समिति प्रभारी बहनों ने अपनी कार्यशैली व अपने मन्तव्य को प्रकट करते हुए अपने विचार, भेजे हैं, जिन्हें हम समाज की बहनों तक पहुंचाने के लिए **माहेश्वरी महिला** में प्रकाशित कर रहे हैं। सभी पाठकों से निवेदन है कि यथासम्भव इससे संबंधित कार्य अपने-अपने क्षेत्र में करें।

सम्पादक

राष्ट्रीय संचारिका समिति

प्रभारी : श्रीमती उर्मिला दिनेशकुमारजी कलंत्री

संचारिका समिति की कार्य योजना

1- बी स्मार्ट विथ अ स्मार्ट फोन इस कथन को सार्थक करना।

2- जीरो पेपर वर्क।

3- राष्ट्र की सभी माहेश्वरी महिलाओं को नेट-वर्किंग के जरिए एक कड़ी में जोड़ना।

4- सभी समितियों को साथ लेकर कार्यरत रहना।

5- हमारी बहनों को नई तकनीकी से रूबरू करवाना।

राष्ट्रीय संचारिका समिति की कार्य-प्रणाली

- बी स्मार्ट विथ अ स्मार्ट फोन इस कथन को सार्थक करने हेतु प्रदेश में मोबाइल एक्सपर्ट्स द्वारा मोबाइल की उपयोगिता के विषय में सेमिनारों का आयोजन करवाना।
- ड्रॉप बॉक्स का उपयोग कर सारी रिपोर्ट्स, फोटो व वीडियो शीघ्र ही अपलोड की जा सकेगी और आसानी से हर कोई इसे देख भी सकेगा। इसे हम अपने मोबाइल से लिंक कर सकेंगे। इसमें ज्यादा जगह मिलने की वजह से बड़ी से बड़ी फाइल आसानी से अटैच हो जाती है। पेपरलेस वर्क की ओर यह हमारा पहला कदम होगा।
- नेटवर्किंग प्लान के अन्तर्गत -

1. वेबसाइट, 2. यू-ट्यूब, 3. ड्रोप-बॉक्स, 4. ई-मेल, 5. फेस बुक, 6. वाट्स एप, 7. एस.एम.एस., 8. ट्वीटर।

- इन सभी माध्यमों के जरिए हम अपनी सारी गतिविधियां अपडेट करते रहेंगे। साथ ही हम राष्ट्रीय स्तर से लेकर प्रादेशिक जिला व स्थानीय स्तर तक हर एक सदस्य के साथ अपना संपर्क बनायेंगे, जिससे हमारा हर संदेश सभी तक पहुंच सके।
- अपनी वेबसाइट को अपडेट कर फेस बुक तथा यू-ट्यूब के साथ लिंक कर उसे मोबाइल फ्रेण्डली बनायेंगे।
- यू-ट्यूब पर अपने विशेष कार्यक्रमों के वीडियो अपलोड करेंगे, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग हमारे कार्यक्रमों को देख सकेंगे।
- फेस बुक एक बहुचर्चित ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा हम ज्यादा से ज्यादा लोगों तक आसानी से अपनी बात पहुंचा सकते हैं। हमारे कार्य सिर्फ हमारे समाज तक ही सीमित न रहकर पूरे विश्व में जाने जायें, ये हमारा प्रयास रहेगा।
- वाट्स एप द्वारा विभिन्न-विभिन्न ग्रुप बनाकर अपने राष्ट्रीय प्रादेशिक तथा समितियों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सूचना प्रसारित की जायेगी।
- हमारे स्थानीय स्तर तक के सभी सदस्यों का पूरा डेटा एकत्रित कर समाज के विशेष त्यौहारों जैसे कि हिन्दू नव-वर्ष, महेश नवमी, तीज तथा दिवाली आदि पर राष्ट्र की ओर से शुभकामना संदेश एस.एम.एस. के जरिए भेजे जायेंगे।
- ई-मेल के जरिए हम अपने राष्ट्रीय कार्यक्रमों की जानकारी सभी सदस्यों को भेजते रहेंगे।

- हमारी उद्यमी बहनें अमेजन, फ्लिपकार्ट एवं स्नैपडील के माध्यमों द्वारा किस तरह ऑनलाइन क्रय-विक्रय कर सकती हैं, इसकी जानकारी प्राप्त करने के लिए एक्सपर्ट्स द्वारा हर प्रदेश में समय-समय पर सेमिनारों का आयोजन कर उन बहनों को लाभान्वित कर सकते हैं।
- आज जबकि सरकार भी कैशलेस ट्रांजेक्शन की ओर अपने कदम बढ़ा रही है तो हम भी अपने प्रदेश व जिला तथा स्थानीय स्तर द्वारा यू.पी.आई. पेमेन्ट सिस्टम आदि की जानकारी अपनी बहनों तक पहुंचाकर उन्हें जागरूक करेंगे।

।। जय महेश ।।

संयोजिकाएं :

श्रीमती उषा मोहन्ता, श्रीमती अरुणा लाहोटी

श्रीमती अनीता सोनी, श्रीमती सुनीता पलोड़

श्रीमती सुशीला माहेश्वरी

प्रतिभा विकास समिति-सुकीर्ति

प्रभारी : श्रीमती सोनाली मूंदड़ा

एक परिचय

सुकीर्ति - यानि जिसकी कीर्ति सकारात्मक हो। यही सकारात्मकता इस समिति की नींव है। सकरात्मकता सोच में, नियोजन में एवं निष्पादन में।

सुकीर्ति समिति का मुख्य उद्देश्य है - प्रतिभा विकास। प्रतिभा की न तो कोई सीमा है और न ही कोई विशिष्ट रूप। नारी में प्रतिभा उसके घर के चूल्हे से शुरू होती है और उस विशाल अंतरिक्ष तक पहुंचती है जिसे हम आज तक नाप नहीं पाए हैं। और इसीलिए इस प्रतिभा के विकास को न ही बांधा जा सकता है और न ही रोका जा सकता है।

कला एक ऐसी विद्या है जो न सिर्फ हमारी प्रतिभा को दर्शाती है वरन् हमारे आत्मबल को और अधिक सशक्त करती है, हमारी पहचान का जरिया बनती है। नारी के इसी कलात्मक पक्ष को उभारने की दृष्टि से इस समिति का गठन किया गया है। समिति कला की तीन शाखाओं पर विशिष्ट कार्य करेगी - प्रदर्शन कला, ललित कला एवं खेल-कूद।

समिति का सबसे पहला और मूलभूत उद्देश्य होगा युवा वर्ग को संगठन के साथ जोड़ना, उनमें संगठन के प्रति, समाज के प्रति संबद्धता की भावना को उजागर करना ताकि हमारा समाज प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सके। साथ ही महिलाओं को उनकी प्रतिभा को विकसित कर लोगों के सामने लाने का अवसर प्रदान करना एवं उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण उत्थान करके उन्हें बौद्धिक विकास की ओर उन्मुख करना भी समिति का लक्ष्य होगा। इन सभी बातों को नजर में रखते हुए इस समिति के कार्यक्रमों को 3 वर्गों में बांटा गया है -

शैशव वर्ग -8 से 14 वर्ष तक, युवा वर्ग - 15 से 35 वर्ष तक, महिला वर्ग - 36 वर्ष से ऊपर

हर वर्ग के लिए एक विशिष्ट योजना तैयार की गई है जो उनकी उम्र, उनकी दिलचस्पी, उनकी आवश्यकताओं एवं उनकी क्षमताओं के अनुसार है।

सभी कार्यक्रम अगले तीन वर्षों में राष्ट्रीय, आंचलिक एवं प्रादेशिक स्तर पर आयोजित किये जायेंगे। पिछले सत्रों में कई प्रतियोगिताएं कई विषयों पर सम्पन्न हुई हैं। इस सत्र में हमारा प्रयास रहेगा कि हम प्रतियोगिताओं के प्रारूप को भिन्नता प्रदान कर सकें।

राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम

शैशव वर्ग - समिति के अंतर्गत तीन दिन का शिशु अधिवेशन आयोजित किया जाएगा जिसमें समाज के बच्चों (लड़कों एवं लड़कियों) के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। साथ ही शिक्षात्मक पर्यटन, कार्यशालाएं, मनोरंजन जैसे आकर्षण भी इस अधिवेशन का हिस्सा होंगे।

प्रतियोगिताओं में – प्रश्नोत्तरी, कविता आवृत्ति, नृत्य, गायन।

युवा वर्ग – इस वर्ग के लिए 2 क्षेत्रों में कार्यक्रमों को सजाया गया है–खेलकूद एवं कला

खेलकूद – खेल हमारे जीवनचर्या का एक अत्यंत ही आवश्यक अंग है। यह सिर्फ शारीरिक तौर पर ही नहीं बल्कि मानसिक तौर पर भी हमें सबल बनाता है। आज के कम्प्यूटर के युग में खेलों की महत्ता कहीं लुप्त होती जा रही है। समाज में खेलों के प्रति जागरूकता एवं रूझान बढ़ाने के उद्देश्य से तीन दिन का युवा खेल अधिवेशन आयोजित किया जायेगा। इन तीन दिनों में 4 प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी –

एकल प्रतियोगिता में–बैडमिन्टन, शतरंज

सामूहिक प्रतियोगिता में–बॉलीबॉल, इनडोर क्रिकेट

तीन दिन के इस अधिवेशन में प्रतियोगिताओं के साथ–साथ खेल संबंधित कार्यशालाएं खेल जगत की मशहूर शख्सियत के साथ इन्टरेक्टिव सैशन एवं अन्य कार्यक्रम भी होंगे।

कला –इस क्षेत्र में तीन दिन का युवा अधिवेशन आयोजित किया जायेगा जिसमें निम्नलिखित प्रतियोगिताएं होंगी –

एक्रेलिक कैनवास पेन्टिंग, फोटोग्राफी एवं डॉक्युमेन्टरी, पावर पॉइंट प्रेजेन्टेशन, क्विज, सेल्फी, कॉर्नर डेकोरेशन, विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं।

प्रतियोगिता के साथ कार्यशालाएं, इत्यादि भी आयोजित किये जायेंगे। साथ ही पेन्टिंग कॉम्पटीशन में विजयी प्रतियोगी के पेन्टिंग की प्रदर्शनी महाधिवेशन में लगाई जायेगी।

महिला वर्ग – इस वर्ग की प्रतियोगिताओं में जिन विषयों का हमने चयन किया है, उनसे यूं तो हमारा रोजमर्रे की जिन्दगी में साक्षात्कार होता है पर प्रतियोगिता के स्तर पर उन्हें एक नए प्रारूप के साथ प्रस्तुत करने का निश्चय किया है। प्रतियोगिता में –

कुकिंग कॉम्पटीशन मांडना प्रतियोगिता, व्यंगात्मक कविता लेखन प्रतियोगिता, राजस्थानी वैवाहिक गीतों की गायन प्रतियोगिता, नृत्य नाटिका प्रतियोगिता, विज्ञापन निर्माण प्रतियोगिता

सभी प्रतियोगिताएं राष्ट्रीय महाधिवेशन के दौरान ली जायेंगी। इन प्रतियोगिताओं के अलावा सभी अंचलों की सहभागिता से एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

इन प्रतियोगिताओं के अलावा ग्रामीण विकास समिति के सहयोग से हस्त शिल्प कला की प्रदर्शनी भी आयोजित की जायेगी। साथ ही ग्रामीण विकास समिति की ओर से जिन ग्रामों में विकास कार्य लिये जायेंगे वहां बच्चों एवं महिलाओं की प्रतिभा विकास के लिए समय–समय पर योजनाएं प्रेषित की जायेंगी।

विशेष –

- उपर्युक्त विषयों के अलावा यदि कार्यक्रम हेतु अन्य सुझाव आयें तो उन पर भी विचार किया जायेगा।
- उपर्युक्त प्रतियोगिताओं का विस्तृत विवरण, उनकी रूपरेखा एवं नियम इत्यादि समय–समय पर प्रेषित किये जायेंगे।
- सभी प्रतियोगिताओं को राष्ट्रीय स्तर पर सम्पन्न कराने हेतु, पूर्व में ही आंचलिक, प्रादेशिक एवं जिला स्तर पर हमारे द्वारा निर्धारित समय पर प्रतियोगिताएं संपन्न करवाई जायेंगी।

समिति के इन सभी कार्यक्रमों को समाज के आकार एवं ढांचे को ध्यान में रखकर संजोया गया है। साथ ही हमारा यह प्रयास भी है कि कुछ परिवर्तन हों जिससे हमारा समाज नए आयामों की ओर अपने कदम बढ़ा सके। हम पूरी कोशिश करेंगे कि अनुकूल परिस्थितियों के माध्यम से हम इन सभी कार्यक्रमों को सफलता से निष्पादित करें। हम इसी उम्मीद पर आगे बढ़ रहे हैं कि समाज का हर वर्ग अधिक से अधिक संख्या में हमारे साथ जुड़े ताकि हम एक अनुकरणीय समाज की संरचना कर सकें।

संयोजिकाएं :

श्रीमती अरुणा लड्ढा, श्रीमती विभा राठी

श्रीमती मोनिका माहेश्वरी, श्रीमती अर्चना मूंदड़ा

श्रीमती अनु बाहेती, श्रीमती अनीता धूत

सवर्णा समिति

प्रभारी : श्रीमती निर्मला बाहेती

सुखी दाम्पत्य और रिश्तों में प्यार, आदर्श परिवार का है आधार

अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन संवर्णा के 11वें सत्र की ग्यारह समितियों में से एक महत्वपूर्ण समिति है 'संवर्णा।' यह समिति समाज के राष्ट्र के चरित्रवान भावी पीढ़ी के निर्माण एवं सफल गृहस्थाश्रम के सभी बिंदुओं पर काम करेगी। इस समिति के केन्द्र बिंदु में है परिवार और परिवार का केन्द्र बिंदु है एक कुशल दम्पति।

भारतीय संस्कृति में विवाह एक समझौता नहीं बल्कि एक पवित्र संस्कार है। विवाह को सर्वाधिक प्राचीन संस्था कहना भी अतिश्योक्ति नहीं होगा। अर्थपूर्ण व स्थिर वैवाहिक जीवन न केवल परिवार बल्कि देश और समाज की भी रीढ़ होता है। स्थिर संबंधों वाले परिवारों के बच्चे संस्कारीएवं जीवन के प्रति उच्च नजरिया रखते हैं। अत: स्पष्ट है कि आदर्श परिवार की परिकल्पना के साथ इस समिति के कार्य होंगे।

उद्देश्य:

01–परिवारिक व्यवस्था की सफलता व स्थिरता के लिए वैचारिक व रचनात्मक कार्य करना।

02–भावी पीढ़ी के बौद्धिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति हेतु कार्य करना।

03–वर्तमान में विवाह संबंधी आ रही समस्याओं के लिए समाधान हेतु कार्य करना।

04–परंपरा व परिवर्तन में सामंजस्य हेतु कार्य करना।

05–जीवन संध्या (वृद्धावस्था) को सुखमय बनाने हेतु कार्य करना।

उद्देश्य पूर्ति के लिए कार्यक्रम की रूपरेखा:

1. सभी छोटे–बड़े शहरों में सामाजिक कोर्ट एवं काउंसिलिंग सेंटर बनाना।
2. विभिन्न वर्गों के लिए चर्चा, परिचर्चा, टॉक–शो, नुक्कड़ नाटक आदि जीवंत कार्यक्रम करना।
3. विवाह संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु बायोडाटा सम्मेलन, परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह को प्रोत्साहन देना।
4. सामाजिक कार्य करना जैसे – परंपरागत राजस्थानी गीत, अर्थपूर्ण कहावतें, संदेशदायक मुक्तक, वैवाहिक रस्मों के औचित्य पर संवाद तथा त्यौहारों पर आचारिक प्रतियोगिता करवाना।
5. विभिन्न विषयों पर विचार गोष्ठी, तककनीकी शिक्षा व ज्ञानवर्धक, आध्यात्मिक कार्यक्रम करना।

संवर्णा समिति की त्रै–वार्षिक योजना:

1. संबंधित विषयों के माध्यम से ग्राम, जिला व प्रदेश स्तर तक परिचर्चा, निबंध व भाषण प्रतियोगिता करवाना।
2. सादगीपूर्ण विवाह को प्रोत्साहन देना।
3. सभी शहरों व ग्राम स्तर पर काउंसिलिंग सेंटर खोलने हेतु अपील करना एवं अनुभवी व गंभीर प्रवृति व चिंतनों की टीम बनाकर उनसे सहयोग लेना।
4. किशोर–किशोरी शिविर लगाकर विवाह पूर्व मार्गदर्शन।
5. पारिवारिक समस्याओं को सुनना व समाधान खोजना।
6. संबंध विच्छेद की प्रारंभिक अवस्था में उचित मार्गदर्शन व समझाइश से विच्छेद रोकना।
7. पैरेन्टिंग मीटिंग का आयोजन करना।

8. अच्छा इंसान बनने की कला व जीवन मूल्यों का ज्ञान कराना।
9. बायोडाटा कलेक्शन करना एवं मीटिंग में फाइलें रखना।
10. प्रादेशिक स्तर पर बायोडाटा सम्मेलन आयोजित करवाना।
11. सामाजिक पत्र–पत्रिकाओं में विशेषज्ञों के विचार मंगवाकर प्रकाशित करवाना।
12. परिवार में रहने की कला के टिप्स संकलित कर छोटी पुस्तिका प्रकाशित करवाना।
13. मंच पर प्रदर्शित होने वाले कार्यक्रमों में से श्रेष्ठ कार्यक्रमों की प्रस्तुति राष्ट्रीय मंच पर करवाना।

मंच पर प्रदर्शन योग्य कार्यक्रम: (अ). नुक्कड़ नाटक – (अलग विषयों पर) (ब). नृत्य नाटिका (स). लघु नाटक (द). छोटी–छोटी सारगर्भित कविताओं व मुक्तकों की प्रस्तुति (घ). पारिवारिक संबंधों को दर्शाते लोकगीतों की प्रस्तुति (ड). सांस्कृतिक प्रश्न मंच – भारतीय त्यौहार, कहावतें, संबंधों पर आधारित लोकगीत, फिल्मी गीत आदि आदि।

14. विवाह एक संस्कार है समझौता नहीं, इस भावना का प्रचार व प्रसार करना।
15. सकारात्मक परिणाम देने वाली योजना को स्थायित्व देने का प्रयास करना।
16. पूरे देश में हुए विभिन्न कार्यक्रमों का डाटा एकत्रित कर श्रेष्ठ कार्यकर्ता व कार्यक्रम को प्रोत्साहन।
17. काउंसिलिंग सेंटर्स की उपयोगिता की समीक्षा सामाजिक स्तर पर न्यास प्रणाली विकसित कर समाज के प्रति विश्वास की भावना बढ़ाने का प्रयास।

संयोजिकाएं :

श्रीमती कमला मूंदड़ा, श्रीमती सुमित्रा काबरा

श्रीमती ज्योति बाहेती, श्रीमती सुशीला गांधी

श्रीमती रजनी हरकुट, श्रीमती प्रीति तोषनीवाल

सुचिता समिति

प्रभारी : श्रीमती कलावती जाजू

अध्यात्म और जीवन (संकलित)

अधिकतर लोग स्थूल पूजा–अर्चना करने, भजन गाने और कर्मकांड करने को प्रभु की अराधना समझ लेते हैं और भक्ति या ईश्वर विषयक चर्चा को अध्यात्म कहने लगते हैं। सामान्य लोगों के बीच यह भ्रम भी फैला हुआ है कि अध्यात्मवाद का लौकिक जीवन से कोई संबंध नहीं है, वह तो केवल योगी–तपस्वियों का क्षेत्र है, जो जीवन में दैवी वरदान प्राप्त करना चाहते हैं। कई लोग अपना जीवन ही इस तरह की साधना में व्यतीत करते हैं – धर्म संबंधी प्रवचन देते हैं और लोग उन्हें 'आध्यात्मिक' मानने लगते हैं। पर यह सत्य नहीं। न तो अध्यात्म ''पारलौकिक विश्लेषण'' या ''ईश्वरीय चर्चा'' है और न ही दर्शन शास्त्र का कोई विषय है। गीता के आठवें अध्याय में अपने स्वरूप अर्थात जीवात्मा को अध्यात्म कहा गया है।

''परमस्वभावोऽध्यात्ममुच्यते।'' अध्यात्म का शाब्दिक अर्थ है – 'स्वयं का अध्ययन' अर्थात अपने भीतर के चेतन तत्व को जानना या आत्मप्रज्ञ होना।

इस संसार में मानव–जीवन से अधिक श्रेष्ठ जीव का कोई स्वरूप नहीं है। एकमात्र मानव–जीवन ही वह अवसर है, जिसमें मनुष्य जो भी चाहे प्राप्त कर सकता है और इसका सदुपयोग ही हर मनुष्य का अंतिम ध्येय रहता है। सभी प्रकार की सुख–सुविधाओं तथा संसाधनों के वाबजूद जीवन में जो खालीपन और रिक्तता पैदा हो रही है, उससे सामाजिक और वैयक्तिक जीवन में बिखराव बढ़ता जा रहा है। जीवन यापन की वह विधि ही जीवन जीने की कला है,

जिसके द्वारा हम स्वयं अधिकाधिक सुखी, शांत और संतुष्ट रह सकें, साथ ही दूसरों को भी उसी प्रकार रहने में सहयोगी बना सकें और यही वह प्रारम्भिक अध्यात्म है, जिसके द्वारा जीवन निर्माण होता है।

अध्यात्म का अर्थ है अपने स्वयं के अंदर देवत्व की खोज और दूसरे को देवता मान कर उसकी सेवा और अर्चना। ज्ञान को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक बांटना ही श्रेष्ठ है। अध्यात्म की गहनता तभी प्राप्त होती है, जब उसे व्यावहारिक जीवन में सद्भावना और भले कार्यों से दूसरों के लिए प्रयोग किया जाए। कोई व्यक्ति चाहे विद्वान न हो, वेदों और शास्त्रों से परिचित न हो, लेकिन यदि वह अपने जीवन में ईमानदारी और मेहनत से काम करते हुए सभी की हर संभव मदद करता है, अध्यात्म को व्यवहार में लाता है तो वह साामान्य होते हुए भी आध्यात्मिक योगी है।

मानव जीवन में आध्यात्मिक दृष्टिबोध की आवश्यकता को आज बड़ी ही गहनता से अनुभव किया जा रहा है। भारत की जीवन पद्धति के मूल में अध्यात्म है। आध्यात्मिकता मानवीय मूल्यों का जीवन में समावेश है। सद्गुण और सद्विचार के मानवीय मूल्यों का जीवन में समावेश है। सद्गुण और सद्विचार के मानवीय मूल्यों के बिना जीवन व्यर्थ है। मानवीय मूल्यों के साथ रहना ही मनुष्यता है। करूणा, दया, त्याग की भावना जागृत से प्रेरित होकर जब मनुष्य कोई कार्य करता है, तो उससे प्राप्त आनंद या प्रसन्नता मिलती ही आध्यात्मिक सुख है।

अपने नाम के अनुरुप ''सुचिता'' समिति जीवन के अध्यात्मिक विकस को जीवन में दयालुता, सद्भावना और ईमानदारी के सकारात्मक गुणों की वृद्धि करने के प्रयासों से जोड़ना चाहती है। समिति युवा और बाल वर्ग पर विशेष ध्यान देना चाहती है ताकि उनके जीवन में सही समय पर आध्यात्मिकता का सही बोध जागृत हो सके। उनके जीवन की दिशा ठीक कर देने और उसे परिष्कृत दृष्टिकोण से जिन्दगी जीने की प्रेरणा देकर उनको तेजस्वी, मनस्वी, और यशस्वी बना सकेंगे। इसके लिए गोष्ठियों का आयोजन करना होगा जिसमें वक्ताओं के रुप में मुख्य भूमिका उनकी होगी जिनका जीवन सादगीपूर्ण और चरित्रवान है। ऐसे कार्यक्रम मनाने होंगे जिससे सेवा भावना जागृत हो और सच्चे अर्थों में जीवन आध्यात्मिक कहलाये।

संयोजिकाएं :

श्रीमती पुष्पा राठी, श्रीमती श्यामा हेड़ा

श्रीमती शोभा गांधी, श्रीमती मंगल मन्धानी

श्रीमती रंजना भट्टड

सुलेखा समिति

प्रभारी : श्रीमती मंजू मंधाना

'सुलेखा' सुंदर लेख, सुंदर विचारों से सजी संवरी, साहित्य के माध्यम से वैचारिक चिंतन करने वाली समिति। हम अपने घर, परिवार, आसपास के परिवेश में जो भी देखते हैं, महसूस करते हैं, उसकी छाप कई बार हमारे मन–मस्तिष्क पर इतनी गहरी पड़ती है कि उस पर चिंतन–मनन करने की इच्छा जागृत हो जाती है। ये विषय समसामयिक या किसी समस्या से जुड़े हुए भी हो सकते हैं। ऐसे ही विचारों को कलमबद्ध करके उन्हें लेख, निबंध, कविता, कहानी, नाटक आदि किसी भी रूप में निबद्ध कर समाज के छोटे से छोटे वर्ग समूह तक पहुंचाना इस समिति का उद्देश्य है। आज हमारा जीवन रूपी जहाज समस्याओं की उत्ताल तरंगों के बीच डगमगा सा गया है। उसे सही राह पर लाने के लिए दिशाबोध का होना बहुत महत्वपूर्ण है। यह बोध वैचारिक मंथन से ही संभव है। साथ ही सु–साहित्य के माध्यम से खास–ओ–आम तक अपनी बात पहुंचाना भी बहुत जरूरी है। इसके लिए 'माहेश्वरी महिला' व अन्य सामाजिक पत्रकों में इन लेख, निबंध, कविता आदि का छपना बहुत आवश्यक है। अखिल भारतीय माहेश्वरी

महिला संगठन ने सुलेखा समिति के माध्यम से इस प्रयास को मूर्त रूप देने की परिकल्पना की है।

जीवन को सुचारू रूप से चलाने के लिए व अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए मजबूत आधार होना चाहिए, यानि विचारों में सुंदरता व दृढ़ता होगी, नीर छीर का विवेक होगा, किसी भी समस्या से जूझने की आत्मिक शक्ति होगी तो जीवन की राहें स्वत: ही आसान होती जायेंगी। मजबूत नींव पर ही तो शानदार इमारतें टिकती हैं। समाज को सुंदर से सुंदरतम बनाने के लिए साहित्य का विशेष योगदान होता है। सही कहा जाए तो साहित्य समाज का दर्पण होता है। व्यक्ति के लेखन पर उसके व्यक्तित्व और विचारों की छाप अवश्य आती है। इसीलिए लेखन के माध्यम से समाज की नब्ज पहचान कर जागृति लाने के प्रयास करने होंगे।

साामाजिक कुरीतियों, समस्याओं एवं अन्यान्य जीवनोपयोगी विषयों पर जिला स्तर, प्रदेश स्तर, राष्ट्रीय स्तर तक प्रत्येक पायदान पर प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की जायेंगी। युगों–युगों से इतिहास साक्षी है कि साहित्य के माध्यम से समाज में चेतना और परिवर्तन आया है। समाज में जागरूकता लाने में ये साहित्यिक विधाएं अत्यधिक उपयोगी साबित होगी और माहेश्वरी समाज उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर गतिमान होगा। एक स्वस्थ, सुंदर, संस्कारयुक्त आधुनिक समाज की संरचना होगी, जहां कुरीतियों और विसंगतियों के लिए कोई स्थान नहीं होगा। गर्व से हम कह सकेंगे कि –

'माहेश्वरी हैं हम'

साथ ही साथ अन्य समाजों व संस्थाओं के लिए भी हम अपनी साहित्यिक गतिविधियों से एक आदर्श प्रस्तुत करेंगे। इस समिति के माध्यम से सामाजिक बदलाव, नवचेतना और उत्थान माहेश्वरी महिला संगठन की बड़ी उपलब्धि होगी।

संयोजिकाएं :

श्रीमती अनुराधा जाजू, श्रीमती अर्चना लाहोटी

श्रीमती प्रभा जाजू, श्रीमती सविता काबरा

श्रीमती मधु बाहेती, श्रीमती सीमा झंवर

'सोष्ठा' – स्वास्थ्य समिति

प्रभारी : श्रीमती शोभा भदादा

जिस समाज में महिला स्वस्थ, सुशिक्षित और स्वावलम्बी है वही समाज प्रगति पथ पर गतिशील होता है। हम बहनें स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें ताकि परिवार, समाज व राष्ट्र की उन्नति में अपना सार्थक योगदान दे सकें। 'हम स्वस्थ रहें निरोग रहें' हमें सौष्ठा समिति द्वारा पूरे भारत में, विशेष रुप से गांवों में जिला स्तर पर महिलाओं को जागरूक बनाना है।

हमारा आहार, विहार, आचार, विचार, व्यवहार, स्वस्थ जीवन में अपना योगदान देता है। बाल्यावस्था, किशोरावस्था, युवावस्था, प्रौढ़ावस्था एवं वृद्धावस्था सब में अलग–अलग समस्याएं एवं बीमारियां होती हैं, इसके लिए हमें समय–समय पर जागरूकता शिविर, जांच शिविर लगाने होंगे जिससे प्रारम्भिक स्तर पर ही होने वाली बीमारियों से बच सकते हैं। अच्छे आहार, स्वच्छता एवं तनाव रहित जीवन से बीमारियों से बचा जा सकता है।

योग – योग का हमारे जीवन में बहुत महत्व है, समय–समय पर योगा कैम्प लगाकर प्रतिरोधक शक्ति बढ़ा सकते हैं। अनेक बीमारियां एक्सरसाइज एवं लाइफ स्टाइल बदलकर ठीक की जा सकती हैं।

स्वास्थ्य समिति के माध्यम से हम बीमारी का उचित इलाज, सही जगह के बारे में परामर्श देंगे। हमारे समाज में किसी को सहयोग की जरूरत होगी तो मेडिकल ट्रस्ट से सहायता भी दिलवायेंगे। खेलकूद भी अच्छे स्वास्थ्य का पूरक है। समय–समय पर प्रतियोगिताएं करवाकर महिलाओं को स्वस्थ एवं सजग बनाकर 'पहला सुख निरोगी काया' को सार्थक करना है।

बीमारी आने से पहले रोकथाम कैसे की जाय यही सौष्ठा का उद्देश्य है।

संरक्षिका

श्रीमती तारा जी माहेश्वरी

संयोजिकाएं :

डॉ. (श्रीमती) सुधा राठी, डॉ. (श्रीमती) इंदिरा मूंदड़ा

डॉ. (श्रीमती) रजनी लखोटिया

डॉ. (श्रीमती) सूर्यमाला मालानी, श्रीमती अल्पना लड्ढा

सुश्रीता समिति

प्रभारी : श्रीमती गिरिजा सारड़ा

सुश्रीता नारी – परिवार और समाज की आन, देश का स्वाभिमान

महिला शिक्षा

(क) एजुकेशनल एम्पावरमेंट

महिला शिक्षा के बारे में हमारा समाज काफी जागरूक हो चुका है, ग्रामीण क्षेत्रों में थोड़ी जागरूकता बढ़ाई जा सकती है. अब हमें महिलाओ को सिर्फ किताबी पढाई से उठ कर, व्यवहारिक ज्ञान और अलग अलग कैरियर विकल्पों के बारे में काउन्सिलिंग शिविर लगा कर नए ज़माने के नए कामो के बारे में जानकारी देना होगा ।

तकनीक का पूरा फायदा उठाते हुए हम व्हाट्सएप एवं वेबसाइट पर ऑनलाइन क्लासेज चालू कर सकते है.

(ख) स्किल डेवलपमेंट

अगर शिक्षा में कुछ अंश जोड़ें जायें जो आपको किताबी ज्ञान के साथ व्यवहारिक ज्ञान भी दे। आपके कौशल को उपयुक्त बनाये। आपको इस लायक बनाये की आप अपना खर्च तो वहन कर ही सकें, तभी शिक्षा के मायने सार्थक होंगे। अब ज़रुरत है हस्त कौशल बढाने के लिए महिलाओं के लिए विशेष कैंप लगाए जाएं.

आर्थिक आत्मनिर्भरता

महिलाओं को बचपन से सिखाया जाता है की खाना बनाना जरुरी है। जरुरत है की सिखाया जाये की कमाना भी उतना ही जरुरी है। आर्थिक रूप से सक्षम होना भी जरुरी है – सिर्फ परिवार के लिये नहीं वरन अपने लिए। पैसे से खुशियाँ नहीं आती, पर बहुत कुछ आता है जो साथ खुशियाँ लाता है।

ये कहने से हमारा ये मकसद कतई नहीं की आप घर छोड़ कर काम के लिए निकल जाओ, परन्तु घर को संभालते हुए अपने हुनर को बढाएं एवं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हों ।

महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने के लिए प्रेरित करना इसलिए भी ज़रूरी है, क्योंकि आज के युग में घर और बाहरी संसार में एक बैलेंस स्ट्राइक करना बेहद ज़रूरी है, जरुरी नहीं कि हर कमाने वाली लड़की डाक्टर या शिक्षिका हो। वे खाना बना सकती है। पार्लर चला सकती है। कपड़े सी सकती है। ऐसे बहुत से काम हैं जो हम घर के साथ साथ भी कर सकते हैं ।

हमारा माहेश्वरी समाज ज्यादातर समृद्ध समाज की संख्या में आता है, तो हमें ध्यान देकर दोनों तरह के कामों के बारे में जागरूकता फैलानी होगी.

(क) समृद्ध और शिक्षित वर्ग के लिए–

पढ़े लिखे लोगों को भी यह जागरूकता लाने की ज़रुरत है कि सिर्फ जॉब करना हमारा एक मात्र उद्देश्य नहीं होना चाहिए, बल्कि परिवार भी एक महत्वपूर्ण प्राथिमिकता है जिसे कैरियर के साथ निभाना है. इसके लिए हम शिक्षित वर्ग को और शिक्षित करते हुए सेमिनार लगा सकते हैं जिसमें औरोप्लास्टी, कैरियर काउन्सिलिंग, इमेज कंसल्टेंसी, न्युमेरोलोजी, वास्तु कंसल्टेंसी, ट्रेवल एजेंसी, एजुकेशन कंसल्टेंसी, ब्यूटिशियन, स्पा आदि तरह के कैरियर के बारे में जानकारी दी जाए जिससे वो घर के साथ पार्ट टाइम रूप से ये सब भी कर सकें.

(ख) मध्यम वर्गीय और अल्प शिक्षित वर्ग के लिए वोकेशनल ट्रेनिंग

सिलाई–बुनाई से आगे बढ़ते हुए हम महिलाओं को अन्य सीप मूलक कार्यो की तालीम भी दे सकते हैं जैसे टी.वी., घड़ी, मोबाइल फ़ोन, लैपटॉप आदि रिपेयर करना सिखाना. टैली जैसे एकाउंटिंग सॉफ्टवेयर सीख कर अकाउंटेंट का काम, उन्हें हस्तकला, मेहंदी लगाना, थेरपी देना, कढाई इत्यादि कार्यो के लिए प्रशिक्षित करना.

(अ) फाइनेंसियल ऐड

बैंकों तथा विभिन्न वित्तीय संस्थाओं द्वारा दिए जाने वाले लोन इत्यादि की जानकारी

(ब) प्रादेशिक स्वावलंबन

Practice what you Preach, जब महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए प्रेरित करना है, तो हमें प्रादेशिक रूप से खुद भी स्वावलंबी होने का प्रयास करना चाहिए– इसमें कई फायदे होंगे, हम सभी प्रदेशों से उनके प्रदेश की विशेष चीज़ की जानकारी ले कर उनके साथ वहां कैंप लगायें, तो प्रदेश संगठन को आर्थिक उपार्जन के साथ महिलाओं की उस वस्तु विशेष के व्यापार की पूरी ट्रेनिंग हो जायेगी.

जैसे इलायची या स्पाइसेज़ किसी प्रदेश में प्रचुर मात्र में हो तो हम एक वर्कशॉप वहां लगायें जिसमे सहभागी महिलाओं को इलायची तथा उसकी बाई–प्रोडक्ट्स क्या क्या बन सकती है और कैसे बन सकती है की जानकारी भी हो जायेगी और जब तैयार माल को संस्था बेचेगी तो संस्था को फण्ड भी मिलेगा और इस पूरी प्रक्रिया में सहभागी महिलाओं को संभावित बाज़ार तथा बेचने के तरीकों की जानकारी भी हो जायेगी.

को–ऑपरेटिव समूह के फॉर्मेट में महिलाओं को काम करने के लिए प्रेरित करना. लिज्जत महिला गृह उद्योग की तरह हम उन्हें समूह में काम करने के लिए भी प्रेरित कर सकते है.

उद्योग व्यवसाय सिखाना एवं जमवाना

(क) महिला व्यवसायी को सरकार और वित्तीय संस्थाओं द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में शिक्षित करना है.

(ख) उद्योग सिखाने के क्रम में हम विभिन्न प्रकार के महिल लघु उद्योगों के बारे में जानकारी देना और प्रादेशिक संगठनो के साथ काम करते हुए उन्हें बड़े माहेश्वरी घरानों के लिए जॉब वर्क के लिए प्रेरित करना, और विभिन्न व्हाट्स एप्प ग्रुप के माध्यम से उनकी एडवरटाइजिंग करवाना इत्यादि तरीकों से काम जमाने में उनकी मदद करना.

ई मार्केटिंग

(क) एक एंड्राइड एप्प बनायी जा सकती है जिसमे विभिन्न प्रोफेशनल, सर्विस क्षेत्र , निर्माण क्षेत्र में महिला उधमी अपने आप को रजिस्टर कर सकती हैं, जो डायरेक्टरी की तरह इस्तेमाल हो.

(ख) फेसबुक पेज बनाए जा सकते है जिनमे विभिन्न क्षेत्रो की महिलाये अपने आप को जोड़ कर एक प्लेटफार्म का निर्माण हो सके जिस पर वो अपनी चीज़े बेच सके.

(ग) प्रदेश अनुसार व्हाट्स एप्प ग्रुप्स का निर्माण किया जाए जिनमें क्रय विक्रय किया जा सके ।

(घ) हमें अपनी वेबसाइट में एक पेमेंट गेटवे जोड़ कर माहेश्वरी महिलाओं के लिए एक ऐसा माध्यम बनाना होगा जिसके ज़रिये हम विश्वासपूर्वक एक इ मार्केट का निर्माण कर सके, ताकि हमारी बहनों को बगैर कोई कमीशन दिए अपना माल बेचने या खरीदने के लिए एक प्लेटफार्म मिले ।

वृद्ध महिलाओं के लिए आनंद योजना

आज के एकल परिवारों की संस्कृति में जिस प्रकार अवसाद या डिप्रेशन वृद्ध और मध्य उम्र की जनसँख्या को घेर रहा है, सबसे महत्वपूर्ण कार्य है की वृद्ध या बिचली उम्र की महिलाओं को उनकी उपियोगिता दिखाते हुए उन्हें आनंदित करना.

उसी क्रम में हम उन्हें प्रेरित करे की वो उन्हें जा आता है वो और जो उन्होंने सदा सीखना चाहा वो सीखे व सीखाये . हम ऐसे वर्कशॉप लोकल लेवल पर करवा सकते हैं जिनमे वो कुछ सीखा सकें. जैसे सिलाई, बुनाई, कुकिंग, अचार, पापड़ इत्यादि.

समूह में काम करने वाली महिलाओं के ग्रुप में काम सिखाने व निरिक्षण इत्यादि का काम कर के वो अपनी उपयोगिता महसूस करेंगी.

बड़ी उम्र की महिलाओं के लिए सरकार की तरफ से आयी योजनाओं के बारे में उन्हें जानकारी देना. सबसे महत्वपूर्ण यह होगा की आपाधापी और एकल परिवारों के इस युग में महिलाओं को ही नहीं पुरुषो को भी यह प्रेरणा दी जाए की वो घर की महिलाओं को घर से जुड़े अहम् फैसलों में हिस्सेदार बनाए ताकि अगर कभी कोई दुर्घटना हो जाए तो वो घर संभाल सके.

खोल दे पंख मेरे, कहता है परिंदा,
अभी और उड़ान बाकी है ,
ज़मीं नहीं है मंजिल मेरी,
अभी पूरा आसमान बाकी है,
लहरों की खामोशी को
समंदर की बेबसी मत समझ ऐ नादाँ,
जितनी गहराई अन्दर है,
बाहर उतना तूफ़ान बाकी है...

संयोजिकाएं :

श्रीमती नम्रता बियाणी, श्रीमती नीलिमा मंत्री
श्रीमती स्वाति काबरा, श्रीमती शोभा लाहोटी
श्रीमती उर्वशी साबू

सुरभि समिति

प्रभारी : श्रीमती प्रेमा झंवर

दिलों को जोड़ती भारतीय संस्कृति विविधता में एकताप का अहसास कराती अपनत्व से मंत्रमुग्ध करती देश की मिट्टी से कला व संस्कृति सोंधी–सोंधी खुशबू आती है यहां के हर कोने से। संस्कृति हमारी सांस में ऐसी खुशबू बिखेरती है कि जीवन सार्थकता से भर उठता है।

भारतीय संस्कृति विश्व की सर्वाधिक प्राचीन एवं समृद्ध संस्कृति है। जीने की कला हो या विज्ञान और राजनीति का क्षेत्र भारतीय संस्कृति का सदैव विशेष स्थान रहा है।

विश्व के सभी क्षेत्रों और धर्मो की अपने रीति रिवाजों, परम्पराओं और परिष्कृत गुणों के साथ अपनी संस्कृति लें

जिस दिन भगवान महेश की कृपा से महेश्वरियों की उत्पत्ति हुई, वह ज्येष्ठ शुक्ल नवमी का दिन था। अत: यह सबसे बड़ा पर्व है, इस दिन मेलों का एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन इसकी विशिष्टता को परिभाषित करेगा। हम प्रत्येक महेश्वरी को इस दिन अपने घर पर प्रकाश करने के लिए उत्साहित करेंगे, जैसे – अन्य समाज के लोग अपने स्थापना दिवस या किसी एक विशिष्ट दिवस पर करते हैं। इस दिन हमें शहरों की भांति गांवों में से उभरती हुई प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, और उनके आत्मविश्वास को जागरूक करना चाहिए जिससे वे हमारे समाज का भी नाम रोशन कर सकें।

माहेश्वरी समाज के जीवन मूल्य उनके पारिवारिक एवं सामाजिक मूल्य के संरक्षण में है। इस बिंदु पर जोर देने के लिए मैं विभिन्न प्रकार की कार्यशाला व सेमिनार करना चाहूंगी, जहां हम सब मिलकर बैठकर अपने जीवन मूल्यों में आ रही निरन्तर गिरावट का मूल्यांकन कर उन्हें कैसे सुदृढ़ बनायें, इस पर चर्चा कर सकें।

एक कदम संस्कृति की ओर से जयगान/नारे के साथ शुरूआत करते हैं।

हमारे भारतीय तीज–त्यौहार हर रिश्ते–नाते को मजबूत करने वाले हैं और सभी पर्यावरण के रक्षक हैं तथा प्रत्येक त्यौहार के लिए एक वैज्ञानिक सच भी छिपा हुआ है।

जैसे –

रक्षाबंधन – भाई–बहन के प्रेम के लिए
करवाचौथ – वटपूर्णिमा – अपने सौभाग्य के प्रति
गुड़ी पड़वा – नव वर्ष की शुरूआत
दशहरा – बुरे पर अच्छे की विजय
दिवाली – लक्ष्मीजी का आदर सम्मान

कोजागरी पूर्णिमा–कृष्ण भगवान का रासलीला द्वारा संदेश
पोंसा–बजबारस, गोपाष्टमी – गौशाला की पूजा/बैलों की पूजा, जानवरों के प्रति आदर और उनका रक्षण
मकर संक्रांति–आपस में स्नेह का लेनदेन आदि अभी बहुत त्यौहार हैं और उनका महत्व भी बहुत ही विस्तारीन है।

हमारी संस्कृति को हमें बहुत सुचारू रुप से पुनर्जीवित करना होगा क्योंकि अभी भी संस्कृति संवर्धन में कार्यक्रमों का आयोजन तो हो रहा है परन्तु जिस हर्षोल्लास से उसमें हमें सम्मिलित होना है वो हम नहीं कर पा रहे हैं।

युवा वर्ग के लिए प्रतियोगिताएं:

युवा वर्ग और बच्चों के लिए तीज–त्यौहार तथा धार्मिक ग्रंथवाचन, क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हो, नृत्य नाटिका, नुक्कड़ नाटक का आयोजन हो उसमें सामाजिक संदेश प्रसारित हो। इन सभी कार्यक्रमों में देश का युवा बढ़चढ़ कर हिस्सा ले, ऐसी योजना हो।

लिखने को तो बहुत कुछ है परन्तु अब लिखने से ज्यादा प्रत्यक्ष रुप से कार्य करने की बारी है और जन–जन में जागरूकता लाना है। मेरा विषय मैं यहीं समाप्त करती हूं। कोशिश की है अपनी भारतीय संस्कृति के प्रति भावनाओं को मन से कागज पर उतारने की... सब के साथ प्रयास, सब का विकास... चलो चलें एक कदम संस्कृति की ओर...

संयोजिकाएं :

श्रीमती प्रमिला चोला, श्रीमती कान्ता राठी
श्रीमती पुष्पा सोमानी, श्रीमती संगीता बियाणी
श्रीमती पूनम मालपानी, श्रीमती राखी बजाज

पर्यटन समिति–सुरम्या

प्रभारी : श्रीमती निशा लड्ढा

भारत की संस्कृति के लिए.....भाषा की उन्नति के लिए..... साहित्य के प्रचार के लिए जरूरी है पर्यटन

हमारी पर्यटन समिति का मूल उद्देश्य आज की किशोर और युवा पीढ़ी को घर की चारदीवारी से निकाल कर उसे देश–दुनिया से परिचित कराना है। वस्तुत: हमारी शिक्षा प्रणाली दिन–ब–दिन ऐसी होती जा रही है, जिसमें छात्र–छात्राओं का शैक्षिक विकास तो होता जा रहा है पर इस शैक्षिक विकास के साथ उनका मानसिक विकास नहीं हो पा रहा है। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' (सम्पूर्ण विश्व हमारा परिवार है) का नारा देने वाला हमारा देश न जाने कितनी जाति–उपजातियों, धर्म–सम्प्रदायों, भाषा–बोलियों आदि विभिन्नताओं में बंटा है। अत: इन विविधताओं या विभिन्नताओं को समझने के लिए, उसे आत्मसात करने के लिए जिस प्रकार के आत्मिक विकास की आवश्यकता है, वह एकमात्र पर्यटन से ही सम्भव है और हमारी समिति का मूल उद्देश्य इसी लक्ष्य को प्राप्त करना है। हमारी समिति का लक्ष्य है कि हम विविध समाज की किशोरियों एवं युवतियों को उनके देश की सम्पन्न सांस्कृतिक विरासत से अवगत करायें। हमारा प्रयास है कि हम आज की युवा पीढ़ी को अलग–अलग स्थानों के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, भौगोलिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक महत्व से अवगत करायें। हम पर्यटन द्वारा आज की युवा पीढ़ी के मानसिक और आत्मिक विकास को उस ऊँचाई तक ले जायें जहां से वे दुनिया की किसी भी संस्कृति, सभ्यता से जुड़ें या आये लोगों के प्रति अजनबियत की भावना न हो, वे सब का सहर्ष स्वागत करें। हमारी समिति यह मानकर चलती है कि हमारा पर्यटन महज मनोरंजन के लिए नहीं है बल्कि इसकी उपादेयता ज्ञान की परिधि का विस्तार करने से है। वस्तुत: पश्चिमी देशों में पर्यटन के बिना शिक्षा अधूरी मानी जाती है। भले हमारे यहां शिक्षण संस्थानों में पर्यटन की ऐसी कोई बाध्यता नहीं है फिर भी हमारी समिति पर्यटन को एक शैक्षणिक क्रिया–कलाप मानती है और उसे ज्ञान की किसी भी शाखा से कमतर न मानते हुए पर्यटन पर जोर देती है।

पर्यटन के उद्देश्य से बहुत से लोग एक–दूसरे के सम्पर्क में आ जाते हैं और इस प्रकार उनकी आपसी झिझक भी दूर हो जाती है। हमारी समिति यही चाहती है कि आज की युवा पीढ़ी अन्तर्मुखी न होकर बहिर्मुखी बने और यह पर्यटन के द्वारा ही सम्भव है। पर्यटन के उद्देश्य से हम

ऐसे युवाओं को एक जमीन पर लाकर खड़े करते हैं जो अपने माता–पिता, सगे–सम्बन्धियों तक ही सामाजिकता को स्वीकारते हैं अथवा उन तक ही सीमित रहते हैं। बाहर वालों से किसी भी प्रकार का संबंध बनाने में जिन्हें काफी हिचकिचाहट होती है। हमारा उद्देश्य ऐसे युवाओं का सामाजिक, मानसिक विकास कर उनके अन्दर वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना भरना है। बिना पर्यटन के किताबी शिक्षा अधूरी है क्योंकि शब्द के सही अर्थों में विश्वविद्यालयी शिक्षा इस विश्व के परिभ्रमण से ही मिल सकती है। पंचतंत्र में भी कहा गया है 'विद्यात्तिम शिल्प तावन्नाप्यनोती मानव: सम्यक यावद ब्रजति न भुमो देशा–देशान्तर:।' पर्यटन का महत्व प्रत्येक देश में स्वीकृत है। मनोरंजन, अध्ययन, सांस्कृतिक आदान–प्रदान, स्वास्थ्य लाभ अथवा अन्य व्यक्तिगत कारण पर्यटन के प्रेरक स्त्रोत हैं। इतिहास गवाह है कि ह्वेनसांग और फाह्यान जैसे चीनी यात्रियों से लेकर मगास्थनीज, अलबरूनी जैसे ऐतिहासिक पर्यटकों से हमें हमारे देश की ही समृद्ध परम्परा की जानकारी मिलती है। वस्तुत: पर्यटन अपने आप में बेहद महत्वपूर्ण चीज है और इसे सर्वांगीण रूप में देखते हुए हमारी समिति इसका लाभ आज की युवा पीढ़ी के सर्वांगीण विकास में करना चाहती है।

संयोजिकाएं :

श्रीमती रंजना बाहेती, श्रीमती सीमा मोदानी
श्रीमती तारा दम्माणी, श्रीमती शोभा लखोटिया
श्रीमती मनीषा लड्ढा, श्रीमती लता गुप्ता

सुषमा समिति

प्रभारी : श्रीमती कमला मोहता

राष्ट्रीय चेतना समिति 'सुषमा' के माध्यम से हम सम्पूर्ण भारत में देश के प्रति प्रेम, सद्भाव, अपनापन, एकता की मिशाल खड़ी कर आपस में शत्रुता, मनमुटाव को खत्म कर चेतना को जगाना चाहते हैं। ऐसे देश प्रेम की कड़ी जहां सबके दिलों में प्रेम का भाव हो, सब एक दूसरे की मदद करने के लिए तत्पर हों। आज इस प्रतियोगिता वाले युग में ऐसे रास्ते अपना लेते हैं जिससे कई परेशानियां घेर लेती हैं। आज हम राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रभक्ति, दर्शाने के माध्यम से सभी के ह्रदय में शांति दूत की भावना जागृत करने का भरसक प्रयत्न करना चाहते हैं। हमारे समाज की हर महिला को अपनो, अपने परिवार व समाज को प्रगतिशील व कर्मठ बनाना होगा। महिलाओं के लिए सरकार द्वारा प्राप्त योजनाओं की जानकारी सभी महिलाओं तक पहुंचाकर प्रत्येक महिला को लाभ दिलाने की कोशिश करना है ताकि राष्ट्र की सभी महिलाएं स्वावलम्बन, आत्मबल के साथ जी सकें, महिलाओं को राष्ट्र चेतना समिति द्वारा उनकी कानून की जानकारी से अवगत करा कर उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग कर हर विपदा में संकट के समय अपना मुकाबला खुद कर सकें, उन्हें निर्बल होने से हम रोक सकें ताकि आत्मबल के साथ वो सही निर्णय कर हर कठिनाइयों का सामना कर सकें। आज 70 प्रतिशत महिलाएं अपने अधिकार एवं कानून की जानकारी से अनभिज्ञ हैं, राष्ट्रीय चेतना समिति 'सुषमा' द्वारा उन्हें सम्पूर्ण जानकारी देकर उनकी किसी भी अनहोनी से उन्हें बचा सकते हैं। आज लड़कियां एवं महिलाएं घर और बाहर दोनों क्षेत्र में असुरक्षित हो रही हैं अत: उन्हें सुरक्षा के गुणों जैसे कराटे सेल्फ डिफेन्स आदि से सुरक्षित कर उनका आत्मविश्वास बढ़ाकर उन्हें सक्षम बनाने का भरपूर प्रयास करेंगे। महिलाओं के लिए कानून के तहत 'वसीयत' बनाना आवश्यक है। राष्ट्रीय चेतना समिति हर महिला को अपनी सम्पत्ति का अधिकार मिले, अपना हक मिले इसके तहत राष्ट्र में 'परिवार शौर्य पुरस्कार' द्वारा सम्मानित कर उनमें जागृति लाने की कोशिश करेंगी जिससे सभी प्रदेश स्तर पर (जिला व स्थानीय पर भी) सम्पत्ति की वसीयत बना दी गई है, उन्हें परिवार शौर्य पुरस्कार से सम्मानित करेंगे और फिर राष्ट्रीय कार्यक्रमों में प्रदेश को उनके द्वारा जागृति लाने पर राष्ट्रीय स्तर पर 'परिवार – शौर्य जागृति पुरस्कार' प्रदान कर सम्मानित करेगी ताकि हर महिला अपनी

सम्पत्ति की रक्षा हेतु कोर्ट कचहरी के धक्के खाने से बच सके और कानूनी आपदाओ की जानकारी से अनभिज्ञ महिला अपने आप को बचा सके।

संयोजिकाएं :

श्रीमती निर्मला सोमनी, श्रीमती मंजू भूतड़ा,
श्रीमती वर्षा डागा, श्रीमती अरुणा मोदी
श्रीमती सुनीता तापड़िया

सुगंधा–ग्राम विकास समिति

प्रभारी : श्रीमती पुष्पा तोषनीवाल

ग्राम विकास से ही सही मायने में राष्ट्र विकास है क्योंकि भारत में बहुसंख्य जनता गांवों में बसती है, वहां माहेश्वरी समाज पाया जाता है। इन सभी को समाज एवं राष्ट्र की विकसित धारा में जोड़ने हेतु वहां सरकारी योजनाओं के बावजूद ऐसे प्रयासों की जरूरत है जो भ्रष्टाचार मुक्त हो, सिर्फ व सिर्फ सच्ची समाज सेवा के भाव से ओतप्रोत हो। सुगंधा ग्राम विकास समिति के अंतर्गत इसी उद्देश्य को मद्देनजर रखते हुए समयदान के साथ अथक प्रयास एवं बढ़िया टीमवर्क से ऐसे कार्य होंगे जिसकी भारत सरकार भी जिम्मेवारी ले।

हमें गांवों में बसे माहेश्वरी समाज का उचित परिवर्तन के साथ सामाजिक व आर्थिक स्तर ऊँचा करना ही है, इसके साथ–साथ अन्य समाज एवं ग्राम विकास में भी ठोस कार्य करना है जो हमारे बैनर के अंतर्गत होंगे। प्रथमतः राष्ट्र से लेकर छोटे गांव तक सुगंधा ग्रामीण विकास की स्थापना जिससे सशक्त टीमवर्क हो। गांवों की जरूरतें जानें, अभावग्रस्त गांव अडॉप्ट करें। हमारे समाज के और अन्य नगरसेवकों का सहयोग, सहभाग व मार्गदर्शन का लाभ, समाज के दानदाताओं का आर्थिक योगदान, भ्रमण, सतत् संपर्क ये मूलभूत कार्य होंगे। खास करके सुगंधा की संयोजिकाओं में कार्य आवंटन होगा और कठिन परिश्रम के साथ हम कार्यरत रहेंगे। इसमें राष्ट्रीय सुषमा, सौष्ठा, सुमिता, सुरभि, सुचिता, इन समितियों के साथ भी योजनाएं व कार्यक्रम अपेक्षित हैं।

अगर किसी गांव में समाज के स्कूल हैं तो उनको विस्तारित करने का प्रयास, धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजनों से संस्कार संवर्धन, नशाबंदी, अंधत्वता निर्मूलन, नव विचारों एवं नव तकनीकी में क्रांति जैसे कार्य भी संकल्पित हैं।

कार्य रूपरेखा: स्वास्थ्य – गांवों में स्वास्थ्य जागृति हेतु डॉक्टर्स की टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण बच्चों व महिलाओं एवं अवेयरनैस कैम्प का आयोजन, बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान केंद्रित एवं महिलाओं का शारीरिक परीक्षण कराना, फ्री मेडिसीन उपलब्ध कराना, जरूरत पड़ने पर इलाज के लिए आर्थिक सहयोग का ट्रस्ट द्वारा या दानदाताओं की मदद से प्रबंध करना, किशोरियों के लिए रूबेला टीकाकरण, खेलकूद तथा संबंधित स्पर्धाओं को बढ़ावा, गांव–गांव में योगा का महत्व बढ़ाना।

स्वच्छता – उत्तम स्वास्थ्य हेतु स्वच्छता का महत्व समझाना, घर व परिसर, नदी किनारे या तालाब साफ सुथरे रखने हेतु प्रात्याक्षिक द्वारा मार्गदर्शन, गांवों में कूड़ेदान की जरूरत हो तो सरकार से प्रबंध करवाना, गीले कचरे से खाद बनाने का प्रशिक्षण, स्वच्छता गृह निर्माण में बढ़ावा।

पर्यावरण संतुलन हेतु ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण व सब्जियों का उत्पादन, गौ पालन बढ़ाने में प्रवृत्त करना। उसके लिए आयात–निर्यात सुलभ व्यवस्थापन करना, अच्छी सड़कें, मेडिकल सुविधाएं, बिजली–पानी, स्कूलों का दर्जेदार होना जैसे अभाव हों तो सरकार से यह मांगें पूरी कराने का भरसक प्रयास करना, गांव में पाणपोई लगवाना, स्कूलों में दिये जाने वाले खान–पान की क्वालिटी चेक करना। वहां फल–फूल तथा पढ़ाई हेतु जरूरी सामान प्रदान करना। नव तकनीकी प्रशिक्षण हेतु कम्प्यूटर्स एवं टीचर उपलब्ध कराना।

स्वावलम्बन – वहां की माहेश्वरी व अन्य महिलाओं की अंदरूनी खूबियों को भांपकर कलात्मक, खाद्य पदार्थ, घरेलू व्यापार, सिलाई कार्य, कैटरिंग, कढ़ाई–बुनाई, ब्यूटी पार्लर जैसे क्षेत्र के प्रशिक्षित को बुलाकर प्रशिक्षण देना। व्यावहारिक ज्ञान – बैंकिंग, डेबिट–क्रेडिट कार्ड व्यवहार, ए.टी.एम., डिजीटल, कैशलेस व्यवहार पद्धति, कम्प्यूटर, इंटरनेट संचालन के शिविर लगाकर महिलाओं को संज्ञान देना व प्रशिक्षित बनाना। उनके उत्पादन को मार्केट उपलब्ध कराना, बचतगत बनाना। इसलिए माहेश्वरी ट्रस्ट एवं सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना। वाचन संस्कृति बढ़ाने का प्रयास जिससे महिलाएं सुज्ञ बनें इसलिए वाचनालय का निर्माण।

महिला अधिकार – वहां की महिलाओं को उनके अधिकार एवं मिलने वाली सहूलियत, हक, कानून तथा सरकार द्वारा मिलने वाली उपलब्धियां, माहेश्वरी ट्रस्ट की जानकारियां प्रबुद्ध जानकार द्वारा प्रेषित करना। कभी–कभी साामाजिक समस्याओं पर आधारित टॉकशो, पथनाट्य, नाट्यछटा, एकांकिका काव्य रचनाओं द्वारा जन–जागृति का प्रयास, व्यक्तित्व विकास वर्कशॉप का आयोजन। इस तरह महिलाओं को सिर्फ प्रोत्साहन ही नहीं उनके स्वावलंबन एवं आत्मविश्वास बढ़ाना।

संयोजिकाएं :

श्रीमती नीना भण्डारी, श्रीमती मनोरमा काल्या
श्रीमती रत्ना जाजू, श्रीमती नीलम सारड़ा
श्रीमती प्रेमा बल्दुआ

राष्ट्रीय समिति संयोजिकाओं का हार्दिक शुभकामनाएँ

''मानव एवं समाज सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है''

डॉ. (श्रीमती) फूलकौर मून्दड़ा (जोधपुर)
संयुक्त सचिव, पश्चिमांचल

अ.भा. महिला सेवा ट्रस्ट की वार्षिक सभा सम्पन्न

अ.भा. महिला सेवा ट्रस्ट की वार्षिक साधारण सभा 16 अक्टूबर 2016 को हरिद्वार में सम्पन्न हुई। उपस्थिति 100 से अधिक ट्रस्ट सदस्यों के अलावा कार्यकारी मण्डल की बहनो की थी।

अध्यक्ष गीता मूंदड़ा सहित सभी पदाधिकारियों व संस्थापक न्यासियों ने भगवान महेश को माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन किया। ट्रस्ट की संस्थापक मंत्री स्व. सरला जी लोहिया के असामयिक निधन पर श्रद्धांजलि दी गई। श्रीमती गीता मूंदड़ा ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए ट्रस्ट की प्रगति की जानकारी दी तथा सभी ट्रस्ट सदस्यों व अन्य बहनों से अपने-अपने क्षेत्र में जरूरतमंद बहनों को रेखांकित कर ट्रस्ट से सहयोग दिलाने की अपील की। यह ट्रस्ट बहनों की शक्ति का एक छोटा सा रूप है, और योग्य पात्र को कम समय में सहयोग दिला सकती है। सहयोग राशि की सीमा भी बढ़ाई गई।

गत गुवाहाटी मीटिंग की कार्यवाही एवं ऑडिटेड रिपोर्ट की पुष्टि की गई। सन् 2013 के बाद बने नए सदस्यों का परिचय व स्वागत किया तथा सर्वाधिक कॉरपस फण्ड बढ़ाने में सहयोग करने हेतु श्रीमती सुशीला काबरा, इन्दौर एवं 15 से अधिक लोगों को सहयोग दिलाने, पूरा रिकार्ड रखने व बराबर फॉलोअप करने हेतु ''सेवाव्रती'' के रूप में सौ. लता जी मून्दड़ा, बीकानेर का मोमेण्टो देकर सम्मान किया गया।

कोषाध्यक्ष श्रीमती ललिता जी मालपानी ने आय-व्यय का विवरण दिया, माार्च सन् 2016 में समाप्त वित्तीय वर्ष में 14,14,000 रू. कॉरपस फण्ड में वृद्धि होकर कुल कॉरपस फण्ड 1,26,70,176 (एक करोड छब्बीस लाख सत्तर हजार एक सौ छियत्तर रूपये) हो गया।

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के महाधिवेशन ''सृजन सेतु'' के अवसर पर आदित्य बिड़ला ग्रुप के सहयोग से प्रोफेशनल सेमिनार का आयोजन प्रथम बार किया गया। लगभग 250 बहनों ने सी.ए., सी.एस., महिला उद्यमी एवं फैशन डिजाइनर्स ने इसका लाभ लिया। इस अवसर पर समन्वय-2 का प्रकाशन किया, जिसका विमोचन बालक स्वामी के शुभ हस्ते हुआ। इस प्रकार आगे भी वोकेशनल ट्रेनिंग व कमजोर वर्ग के लिए कम्प्यूटर प्रशिक्षण में ट्रस्ट सहयोग करेगा।

आगामी सत्र के लिए पदाधिकारियों का चयन किया गया। अध्यक्ष श्रीमती रतनी देवी काबरा मुम्बई, कार्याध्यक्ष श्रीमती गीता मून्दड़ा इन्दौर, उपाध्यक्ष सौ. राज झंवर कोलकाता, मंत्री सौ. ललिता मालपानी इन्दौर, कोषाध्यक्ष सौ. सरस्वती रांदड़ चित्तौड़गढ़ तथा सहमंत्री सौ. मंगल मानधनी जालना को बनाया।

इसके कार्य को विस्तार देने के लिए प्रत्येक प्रदेश में एक ट्रस्ट सदस्य को मनोनीत किया जायेगा। ट्रस्ट के सुचारू संचालन पर सदस्यों ने पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष का सम्मान समारोह

अकोला जिला समाज द्वारा स्थानीय माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्षा श्रीमती कल्पनाजी गगरानी एवं अ.भा.मा. महासभा अध्यक्ष श्री श्यामसुन्दरजी सोनी का सत्कार-सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें श्रीमती कल्पनाजी गगरानी ने आगामी सत्र की योजनाएं बतलाते हुए कहा कि किसी भी कार्य को करते

अकोला सम्मान समारोह में महासभा के अध्यक्ष श्याम जी सोनी द्वारा उद्बोधन

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कल्पना जी गगरानी द्वारा उद्बोधन

समय सही सोच और दूरदृष्टि हो तो प्रगति सम्भव है। बेटियों को शालेय शिक्षा के साथ-साथ पारिवारिक एवं समाजपयोगी शिक्षा देना आवश्यक है। उन्होंने अपने कार्यकाल में नव-विवातिहत युगल एवं उनकी माताओं के लिए वर्कशॉप आयोजन करना, जिससे वर्तमान परिवारों में वैवाहिक जीवन समायोजन संबंधी मार्गदर्शन होगा, पर्यटन को बढ़ावा देना, जिससे संस्कृति-संस्कार की जानकारी हो सके, महिला रोजगार की संभावना बढ़ाने हेतु ई-मार्केट का निर्माण करना आदि कार्य योजनाओं की जानकारी दी।

महासभा के अध्यक्ष श्री श्यामसुन्दरजी सोनी ने माहेश्वरी ई-संपर्क-अप का लोकार्पण भी किया। उन्होंने 'नई सोच-नई उम्मीद' इस विषय पर उद्बोधन देते हुए कहा कि समाज में उच्च पदों पर स्थापितों द्वारा अपनी कथनी और करनी में समानता रखना, साथ चलें साथ बढ़ें इस सोच को अपनाना, समयानुसार व्यवसाय में परिवर्तन करना आदि बातों पर बल दिया।

सम्मान समारोह कार्यक्रम का प्रारंभ मान्यवरों द्वारा महेश पूजन एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। मंच पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्यामजी सोनी, श्रीमती कल्पनाजी गगरानी के साथ-साथ विदर्भ प्रदेश अध्यक्ष श्री मदनजी मालपाणी, प्रदेश संगठन अध्यक्ष सौ. ज्योतिजी बाहेती, बैंगलुरू के उद्योगपति श्री आनंदजी साबू, माहेश्वरी समाज ट्रस्ट अकोला के अध्यक्ष श्री रमेशजी चांडक, अकोला जिला माहेश्वरी संगठन अध्यक्ष श्री राजेशजी राठी, आ. डॉ. देवकिशनजी बाहेती थे।

राष्ट्रीय द्वय अध्यक्षों का स्वागत अकोला माहेश्वरी समाज ट्रस्ट अध्यक्ष श्री राजेश राठी, सचिव श्री कांतिलाल काबरा, विदर्भ प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष सौ. ज्योति बाहेती व कोषाध्यक्ष सौ. ज्योत्सना तापड़िया, अकोला माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष सौ. अन्नपूर्णा राठी, सचिव सौ. वंदना हेडा, वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्री मोहनलाल नत्थानी, वरिष्ठ महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष सौ. लीला जाजू, प्रगति मंडल अध्यक्ष डॉ. हेमसिंह मोहता, नवयुवती मंडल अध्यक्ष सौ. नंदा पनपालिया, जिला महिला संगठन अध्यक्ष सौ. निशा टावरी, अकोला तहसील संगठन पूर्व अध्यक्ष श्री सुरेश मूंदड़ा एवं पश्चिम विभाग अध्यक्ष डॉ. अनिल तोषणीवाल, तेल्हारा तहसील के श्री प्रकाश भूतड़ा, अकोट तहसील के श्री आनंद राठी, मूर्तिजापुर तहसील अध्यक्ष श्री देवीदास बांगड़ तथा श्री गजानंद चांडक, श्री रविन्द्र भाला एवं श्री आनंदजी साबू व श्री मदनजी मालपाणी व अन्य का स्वागत श्री पुरूषोत्तम खटोड़, श्री कुंजबिहारी जाजू, श्री विनोद लोहिया, श्री धर्मेन्द्र चितलांगे, डॉ. सरोज राठी, श्री पुरूषोत्तम पनपालिया ने किया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री राजेश राठी ने अकोला जिले में संचालित विभिन्न सामाजिक गतिविधियों की जानकारी तथा आ. डॉ. देवकिशन बाहेती ने 'माहेश्वरी-ई-सम्पर्क' निर्माण के बारे में जानकारी दी। श्री आनंदजी साबू , श्री रमेशजी चांडक एवं श्री मदनजी मालपाणी ने भी समायोचित मनोगत व्यक्त किया।

कार्यक्रम का उत्कृष्ट संचालन डॉ. श्रीकांतजी मालपाणी एवं आभार प्रदर्शन श्री राजेश मानधणे ने किया। इस अवसर पर संपूर्ण अकोला जिला से परिजनों की बड़े पैमाने पर उपस्थिति थी।

सौ. ज्योति बाहेती, अकोला
अध्यक्ष, विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा सत्र का भव्य शुभारम्भ 13 जनवरी 2017 को प्रथम कार्यकारिणी बैठक, कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर व नव-निर्देशिका के लोकार्पण द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कल्पनाजी गगरानी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शोभाजी सादानी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीमती मंजूजी बांगड़, उत्तरांचल अध्यक्ष श्रीमती कान्ताजी गगरानी व उत्तरांच सह-मंत्री श्रीमती शर्मिलाजी राठी के आतिथ्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

महासभा के सभापति श्रीमान श्यामजी सोनी का स्वागत करने के साथ उनका आशीर्वाद भी सभी को मिला। श्रीमती विनीताजी बियाणी, श्रीमती आशाजी जैथलिया व स्वागताध्यक्ष श्रीमती कृष्णाजी काबरा ने अपना सहयोग प्रदान किया।

आदरणीय कल्पनाजी व आदरणीय शोभाजी ने मनोरंजक खेलों के माध्यम से कार्यकर्ता बहनों को प्रशिक्षण दिया। अन्य राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने भी अपने वक्तव्यों द्वारा कार्यकर्ता बहनों को संगठन के प्रति निष्ठा व सक्षमता से कार्य करने का मार्गदर्शन दिया।

सभी एकादश सत्र की समिति प्रभारियों ने भी अपनी-अपनी कार्य योजनाओं के बारे में अवगत कराया।

अध्यक्ष श्रीमती किरण लड्ढा ने सभी का स्वागत करते हुए आगामी सत्र के लक्ष्य व योजनाओं के बारे में बताया। सचिव श्रीमती श्यामा भांगड़िया ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। डायरेक्ट्री की सम्पादिका श्रीमती अंजू सोमानी व श्रीमती रितु कोठारी ने नव-निर्देशिका का लोकार्पण करवाया तथा श्रीमती राधा चांडक ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धाओं में सभी क्षेत्रीय संगठनों ने हिस्सा लेकर शानदार प्रस्तुति दी। साथ ही साथ सभी ने मिलकर लोहड़ी का आनन्द उठाया, ढोल पर नृत्य किया व प्रसाद लिया। इस पूरे आयोजन द्वारा बहुत बड़ी संख्या में दिल्ली प्रदेश की बहनों का भरपूर मनोरंजन के साथ ज्ञानवर्धन हुआ। सभी ने नव-सत्र के लिए प्रखर ऊर्जा का संचरण हुआ। दिल्ली प्रदेश की कार्यसमिति, कार्यकारिणी समिति प्रभारी व सभी क्षेत्रीय पदाधिकारियों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ।

इस तरह यह आयोजन सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

अध्यक्ष-श्रीमती किरण लड्ढा

सचिव-श्रीमती श्यामा भांगड़िया

हरियाणा-पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन का सफरनामा

हरियाणा-पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की नवीन कार्यकारिणी का गठन 2 सितम्बर 2016 को फरीदाबाद में श्रीमती मनोरमा जी लड्ढा के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

नवीन पदाधिकारी व कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह 10 दिसम्बर 2016 को सोमानी कॉलेज, रेवाड़ी में श्रीमती आशाजी लड्ढा एवं पूनमजी राठी की उपस्थिति में प्रदेश अध्यक्षा मंजूजी सोमानी ने करवाया।

26 दिसंबर 2016 को सुगंधा ग्राम विकास समिति बहादुरगढ़ को दी गई, उसकी संयोजिका नीता जाजू को बनाया गया।

1 जनवरी 2017 को नए साल के उपलक्ष्य में ग्राम विकास समिति एवं बहादुरगढ़ संगठन ने प्रदेश सचिव सुमन जाजू की देखरेख में गोवर्धन गांव में जाकर छात्र-छात्राओं व गरीबों में खाने एवं अन्य जरूरत का सामान वितरित किया गया।

हरियाणा-पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन में हमारी राष्ट्रीय अध्यक्षा कल्पनाजी गगरानी के प्रेषित वीडियो से प्रेरणा लेकर कई संगठनो द्वारा निम्न कार्य करवाये गये।

रेवाड़ी -श्रीमती मंजू सोमानी व मंजू भूराड़िया एवं रेवाड़ी संगठन की बहनों ने मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में गांव में जाकर गरीब बच्चों को खाने पीने का सामान एवं वस्त्र वितरित किये। श्रीमती नलिनी झीमानी चण्डीगढ़ में सुरम्या पर्यटन समिति के अन्तर्गत ट्राईसिटी माहेश्वरी सभा महिला मण्डल तथा युवा मंच ने मिलकर पिकनिक का आयोजन किया। महिलाएं एवं बुजुर्ग सभी ने इसका आनंद लिया।

बहादुरगढ़ -मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में 13 जनवरी 2017 को सुगंधा ग्राम विकास समिति ने निकट के ग्राम, ग्रामीण क्षेत्र का दौरा किया, झुग्गी झोपड़ियों में खाने पीने का सामान, कपड़े आदि वितरित किये गये एवं विभिन्न योजनाओं की जानकारी से महिलाओं, बच्चो व स्थानीय निवासियों को अवगत कराया गया। गऊशाला में गायों को चारा-गुड़ खिलाया व अनाथालय में संजना जी खटोड़ ने 5100 रू. की राशि भेंट की। प्रदेश सचिव सुमन जाजू, सरोज सारडा, संजना खटोड़, पुष्पा नांगलिया आदि बहनों की उपस्थिति रही।

भटिण्डा - माहेश्वरी महिला मण्डल ने नए साल के आगमन पर कार्यक्रम का आयोजन किया। बच्चों व बड़ों ने मिलकर खूब धूम मचाई। 13 जनवरी 2017 को लोहड़ी पर्व पर निम्न कार्य आयोजित किये गये:- गेम्स तम्बोला, बच्चों को पिकनिक पर ले जाना आदि कार्यक्रम करवाये गये।

सुन्दरकाण्ड का पाठ एवं योगा कैम्प भी लगवाया गया। फाजिल्का में भी रंगारंग कार्यक्रम कराये गये।

फरीदाबाद में सुचिता अध्यात्म भक्ति समिति के अन्तर्गत सुन्दरकाण्ड का पाठ करवाकर भण्डारा भी किया।

बहादुरगढ़ - बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में सुगंधा ग्राम विकास समिति ने गिरराजी स्कूल में छात्र-छात्राओं व गरीबों में कढ़ी चावल का भण्डारा किया, इसमें पूरा सहयोग प्रदेश सचिव सुमन जाजू ने किया। संगठन की कई बहनों की उपस्थिति रही। बांके बिहारी मंदिर में भगवान को अपने हाथों से हलवा बनाकर भोग लगाया एवं श्रद्धालुओं में वितरित किया।

हरियाणा पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

की प्रथम सामंजस्य कार्यकारिणी बैठक रेवाड़ी में दिनांक 10 दिसम्बर 2016 को सम्पन्न हुई।

- बैठक के प्रारम्भ में प्रादेशिक कार्यकारिणी (सत्र 2016 से 2019) नई टीम की सर्वसम्मति से कार्यक्रम की प्रक्रिया शुरू हुई। बैठक में भूतपूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्षा श्रीमती आशा जी लड्ढा एवं निवर्तमान अध्यक्षा श्रीमती पूनम राठी की उपस्थिति रही।
- श्रीमती आशा लड्ढा ने नई टीम के सभी पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण करवाई एवं उन्होंने अपने उद्बोधन में सामाजिक स्तर पर अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों की विशेष जानकारियों से अवगत करवाया।
- श्रीमती पूनम जी राठी ने समाज संगठन की मजबूती के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना एवं बहनों को अहम् का त्याग करने पर प्रकाश डाला।
- प्रदेशाध्यक्षा श्रीमती मंजू सोमानी ने संगठन को जोड़ने के लिए कई तरह के उपक्रम निभाने का संकल्प व्यक्त किया एवं पर्यावरण की रक्षा के लिए पेड़ लगाने का संदेश दिया।
- उपस्थित सभी बहनों ने सामंजस्य बैठक की सराहना की एवं सभी ने सुस्वादिष्ट भोजन किया। अंत में रेवाड़ी बहनों ने भावभीनी विदाई दी एवं नया सत्र हम सभी के लिए मंगलमय हो, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ।

मंजू सोमानी, अध्यक्षा

सुमन जाजू, सचिव

प्रार्थना

सुकून उतना ही देना प्रभु, कि
जितने से जिन्दगी चल जाए।
औकात बस इतनी देना, कि
औरों का भला हो जाए।
रिश्तों में गहराई इतनी हो, कि
प्यार से निभ जाएं।
आंखों में शर्म इतनी देना, कि
बुजुर्गों का मान रख पाएं।
सांसे पिंजर में इतनी हो, कि
बस नेक काम कर पाएं।
बाकी उम्र ले लेना, कि
औरों पर बोझ न बन पाएं।

इन्सान का अपना क्या ?

इंसान का अपना क्या है
जन्म दूसरों ने दिया
नाम दूसरों ने रखा
शिक्षा दूसरों ने दी
रोजगार दूसरों ने दिया
इज्जत दूसरों ने दी
पहला और दूसरा स्नान
दूसरे करायेंगे
शमशान दूसरे ले जायेंगे
मरने के बाद सम्पत्ति
दूसरे बांट लेंगे
मनुष्य का अपना कुछ भी नहीं
फिर भी मेरा मेरा करके
जिन्दगी बिता दी।

प्रणाम का महत्व

महाभारत का युद्ध चल रहा था –
एक दिन दुर्योधन के व्यंग्य से आहत होकर
''भीष्म पितामह'' घोषणा कर देते हैं कि –
''मैं कल पांडवों का वध कर दूंगा''
उनकी घोषणा का पता चलते ही पांडवों के शिविर में बेचैनी बढ़ गई –
भीष्म की क्षमताओं के बारे में सभी को पता था इसलिए सभी किसी अनिष्ट की आशंका से परेशान हो गये
तब –
श्री कृष्ण ने द्रौपदी से कहा अभी मेरे साथ चलो।
श्री कृष्ण द्रौपदी को लेकर सीधे भीष्म पितामह शिविर में पहुंच गये –
शिविर के बाहर खड़े होकर उन्होंने द्रौपदी से कहा कि – अन्दर जाकर पितामह को प्रणाम करो –
द्रौपदी ने अन्दर जाकर पितामह भीष्म को प्रणाम किया तो उन्होंने –
''अखंड सौभाग्यवती भव'' का आशीर्वाद दे दिया, फिर उन्होंने द्रौपदी से पूछा कि।।
''वत्स, तुम इतनी रात में अकेली यहां कैसे आई हो, क्या तुमको श्री कृष्ण यहां लेकर आये हैं''?
तब द्रौपदी ने कहा कि –
''हां वे कक्ष के बाहर खड़े हैं'' तब भीष्म भी कक्ष के बाहर आ गये और दोनों ने एक दूसरे से प्रणाम किया –
भीष्म ने कहा –
''मेरे एक वचन को मेरे ही दूसरे वचन से काट देने का काम श्री कृष्ण ही कर सकते हैं''
शिविर से वापस लौटते समय श्री कृष्ण ने द्रौपदी से कहा कि –
''तुम्हारे एक बार जाकर पितामह को प्रणाम करने से तुम्हारे पतियों को जीवनदान मिल गया है'' –
''अगर तुम प्रतिदिन भीष्म, धृतराष्ट्र, द्रोणाचार्य, आदि को प्रणाम करती होती और दुर्योधन–दुःश्वासन, आदि की पत्नियां भी पांडवों को प्रणाम करती होती, तो शायद इस युद्ध की नौबत ही न आती'' –

.....तात्पर्य.....

वर्तमान में हमारे घरों में जो इतनी समस्याएं हैं उनका भी मूल कारण यही है कि –
''जाने अनजाने अक्सर घर के बड़ों की उपेक्षा हो जाती है''
''यदि घर के बच्चे और बहुएं प्रतिदिन घर के सभी बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लें तो शायद किसी भी घर में कोई क्लेश न हो''
बड़ों के दिये आशीर्वाद कवच की तरह काम करते हैं उनको कोई अस्त्र–शस्त्र नहीं भेद सकता –
''निवेदन – सभी इस संस्कृति को सुनिश्चित कर नियमबद्ध करें तो घर स्वर्ग बन जाय।''

क्योंकि :–
प्रणाम प्रेम है।
प्रणाम अनुशासन है।
प्रणाम शीतलता है।
प्रणाम आदर सिखाता है।
प्रणाम से सुविचार आते हैं।
प्रणाम झुकना सिखाता है।
प्रणाम क्रोध मिटाता है।
प्रणाम आंसू धो देता है।
प्रणाम अहंकार मिटाता है।
प्रणाम हमारी संस्कृति है।

Effects of Negative Thoughts

The moment negative thought enters in your mind,

1. Your body releases acid.
2. Your aura decreases.
3. Your resistance power decreases.
4. Your system's functions are affected.
5. Your heart beat increases.
6. Your blood pressure increases.
7. Unwanted hormones are released.

With that negative thought you may or may not harm others...but you definitely harm yourself!

Think positive remain healthy.

Seven Amazing Benefits of Clapping

"Clapping" a Simple Striking of Hands but it's much more than you Think.

Normally People clap to Appreciate others for their Good works and achievements or when they are in mood of Joy.

People also Clap while Singing songs, Bhajans, and Prayers at Holy places.

It is Scientifically proved that Clapping is very effective Exercise to cure many Human Diseases.

Clapping activates the Receptors in the Palms and cause activation of the large area of the Brain which leads the improvement in Health.

There are 39 different Acupressure points for almost all Organs on our Palm which are activated by Clapping and this action improves Your Health slowly but effectively.

Daily 10 minutes of Clapping in morning keeps You Fit and Active.

1. Clapping is an effective Medicine for the Person who suffers from Digestive Disorder.
2. Best Cure for Back pain, Neck pain and Joint pain.
3. Gout is a common problem with Old age People and can be easily cured by Clapping.
4. Helpful for Patient of Low Blood Pressure.
5. If someone is suffering from any Heart and Lung related disease then Clapping plays important role in curing these diseases also.
   Clapping removes the obstacles from the Main and Collateral Channels and keeps You Fit and Healthy.
6. Children that practice clapping exercise daily make only few Spelling mistake and are Hard worker than others.
   It improves their Handwriting.
   The whole abstract of above given points is, Clapping sharpen the Brain of the Children.
7. Clapping increase the Immunity of the Person which provides the Strength to the Human body to fight against Diseases.

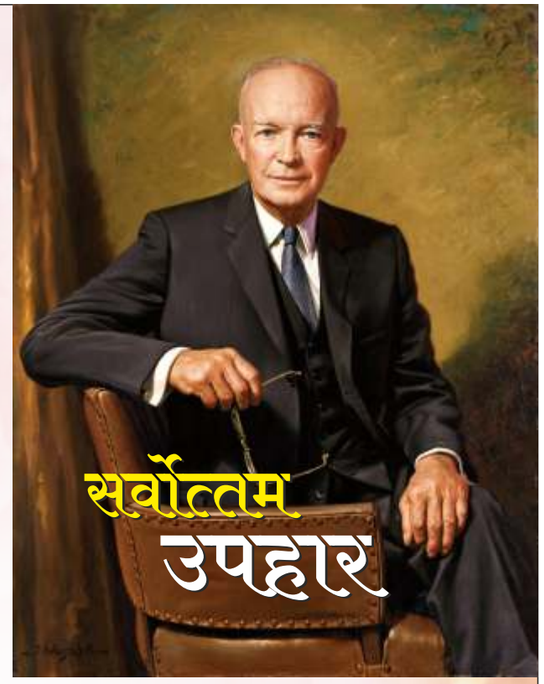

सर्वोत्तम उपहार

आइजनहावर जब अमेरिका में राष्ट्रपति चुने गये तो उन्हें देश भर से अनगिनत उपहार मिले। इन उपहारों में एक से बढ़कर एक बहुमूल्य चीजें थीं, लेकिन उनमें एक मामूली सी झाड़ू भी शामिल थी। इसे भेजने वाले ने साथ में लिखे पत्र में कहा था, 'महोदय, यह उपहार आपको अजीब तो लगेगा, लेकिन आज के दिन मुझे यही सबसे उपयुक्त जान पड़ता है। आपने अपने भाषणों में कहा था कि यदि आप चुन लिए गए तो आपका पहला काम राज्य–व्यवस्था में फैली गंदगी को साफ करना होगा। मुझे विश्वास है कि मेरा यह नाचीज तोहफा आपको सदा अपने उस वचन की याद दिलाता रहेगा।'

बाद में उपहारों की प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए राष्ट्रपति आइजनहावर ने उस झाड़ू को उठाकर कहा, 'यही है मेरे लिए सर्वोत्तम उपहार। इसके जरिए देश की आत्मा ने मुझसे सीधे बातचीत की है।'

लोभ का त्याग जरूरी

एक व्यापारी बहुत लोभी था। गांव के लोग पैसे के मामले में कभी उसका भरोसा नहीं करते थे। व्यापारी को जब इस बात का पता चला तो वह बड़ा दुखी हुआ। उस रात उसके सपने में परमात्मा आए। उसने उनसे पूछा, 'मैं स्वर्ग जाना चाहता हूं, लेकिन कोई मुझ पर भरोसा नहीं करता। ऐसे में मैं स्वर्ग का हकदार नहीं बनता। मुझे क्या करना चाहिए?' प्रभु ने उससे पूछा, 'तुम सचमुच स्वर्ग जाना चाहते हो?' उसने कहा, 'हां!' फिर प्रभु ने पूछा, 'सोचकर बताना।' व्यापारी बोला, 'मैंने सोचकर ही कहा है।' प्रभु ने कहा, 'अच्छा, तो फिर अपनी तिजोरी की चाबियां मुझे दे दो? व्यापारी चौकन्ना होकर बोला, 'लेकिन मेरी तिजोरी की चाबियां लेकर आप क्या करेंगे?' प्रभु ने कहा, 'उससे तुम्हें क्या मतलब?' व्यापारी ने इन्कार करते हुए कहा, 'नहीं मैं चाबियां नहीं दे सकता।' परमात्मा ने कहा, 'तो फिर तुम कभी स्वर्ग नहीं जा सकते, क्योंकि इसके लिए तुम्हें लोभ का त्याग करना होगा और यह करने के लिए तुम तैयार नहीं हो।

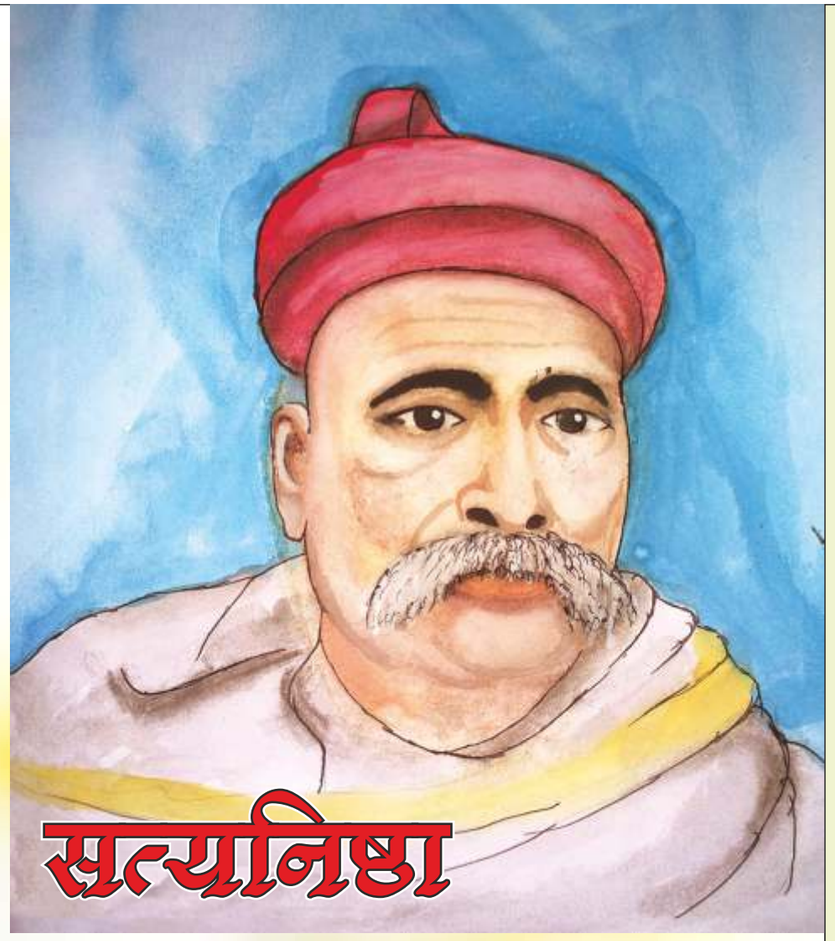

अध्यापक जब कक्षा में आये तो उन्होंने पाया कि वहां मूंगफली के छिलके पड़े हुए हैं। उन्होंने गुस्से से भरकर पूछा– ''किसने की है यह गन्दगी?''

किसी भी छात्र की बोलने की बोलने की हिम्मत नहीं हुई। सभी को पता था कि क्रोधित होने पर वे बेंत से मारते हैं। कुछ पल की चुप्पी के बाद अध्यापक बोले –

''ठीक है, कोई नहीं बोलता तो मैं सभी की बेंत से पिटाई करता हूं।'' और उन्होंने सबसे आगे वाले छात्र को हथेली फैलाने इशारा किया। जैसे ही उन्होंने मारने के लिए बेंत उठाया, कक्षा का एक छात्र बोल पड़ा, 'गुरुजी रुकिये।' उठा हुआ बेंत सहसा रुक गया। सभी की निगाहें उस छात्र पर जम गयी।

छात्र कह रहा था–'गुरुजी! दोषी मैं हूं। मैंने मूंगफली के छिलके डाले हैं। दण्ड मुझे दीजिये।'

'पर तुम तो ऐसा अपराध करते नहीं' आश्चर्यचकित होकर कक्षा के उस मेधावी छात्र से गुरु ने पूछा।

'जैसे ही मैं इन छिलकों को फेंक रहा था कि घण्टी बज गयी और आप आ गये।' छात्र ने अपराध का कारण स्पष्ट किया। 'तो जाओ अब इन छिलकों को बाहर फेंक आओ।' अध्यापक ने कहा।

कक्षा के सभी छात्रों ने मन–ही–मन इस सत्यवादिता के लिए धन्यवाद दिया क्योंकि इसी के कारण वे सभी बेंत खाने से बच गये थे।

गुरुजी भी कह रहे थे – 'तुमने मार का भी भय छोड़कर सत्य बोला है। इसलिए अब तुम्हें किसी प्रकार का दण्ड नहीं मिलेगा।

यह बाल गंगाधर तिलक थे जिनकी यह सत्यनिष्ठा उन्हें आज भी जन श्रद्धा का पात्र बनाये हुए है।

पश्चिमी म.प्र. माहेश्वरी महिला संगठन नव–निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ समारोह

उज्जैन जिला महिला संगठन एवं उज्जैन नगर महिला संगठन द्वय के तत्वाधान में पश्चिमी म.प्र. माहेश्वरी महिला संगठन के सप्तम सत्र शपथ विधि एवं सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ।

सुबह की पहली किरण के साथ भगवान चिन्तामण गणेश के पूजन अभिषेक के पश्चात् कार्यक्रम की शुरूआत हुई। सम्माननीय अतिथियों का स्वागत कर भगवान महेश की पूजा अर्चना, माल्यार्पण के साथ अतिथियों को क्रम से मंचासीन करवाया गया। प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती निर्मलाजी बाहेती ने अपने कार्यकाल का विवरण व उपलब्धियां बताई। सचिवी प्रतिवेदन में अरूणा बाहेती ने पूरे सत्र में हुए सभी समितियों एवं प्रदेश संगठन के अंतर्गत विशेष तौर पर ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य शिविर, प्रदेश अधिवेशन, राष्ट्रीय अधिवेशन, सभी अंचलों में मीटिंग व दौरे हुए, कार्यो का व्योरा प्रस्तुंत किया। आय–व्यय का व्योरा कोषाध्यक्ष श्रीमती शान्ताजी मण्डोवरा द्वारा दिया गया।

प्रधान अतिथि श्रीमती गीताजी मूंदड़ा ने अपने वक्तव्य में बहनों की सामाजिक एकता पर बल दिया एवं अपने साथ बैठक में आते वक्त डायरी, पेन, चश्मा, दवाई, छोटी सी पानी की बोतल हमेशा साथ रखने की समझाईश दी एवं कहा कि ध्यान से अतिथियों की बात सुनकर उपयोगी चीजों को नोट करें तथा उस पर अमल करें। मुख्य अतिथि श्रीमती सुशीलाजी काबरा ने सृष्टि में आकाश का, सूर्य के प्रकाश का उसी तरह महिला संगठन में समाज के उत्थान का क्या महत्व होता है की समझाईश दी। शपथ यानि साथ चलना, यह संकल्प लेना, हम सुधरेंगे तभी जग सुधरेगा। राष्ट्रीय महिला संगठन की महामंत्री श्रीमती आशाजी माहेश्वरी कोटा ने सभी नव–निर्वाचित पदाधिकारियों को उनके पद का समाज व संगठन में महत्व समझाते हुए संगीतमय तरीके से शपथ दिलाई एवं सभी से इसकी पालना की स्वीकृति ली, जिससे पूरा माहौल खुशनुमा हो गया। आपने अपने उद्बोधन में जीवन जीने का उद्देश्य क्वालिटी यानि मूल्य आधारित होना चाहिए न कि क्वान्टिटी आधारित। ड्यूटी के एक–एक अक्षर की व्याख्या करते हुए उसका समाज में महिलाओं के कर्तव्य बोध का महत्व समझाया एवं जीने की कला के ऊपर उसे आत्मसात करने का वचन भी लिया। तत्पश्चात् नव–निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अरूणा बाहेती ने अपने स्वीकृति उद्बोधन में आंचलिक सम्मेलन सब तक पहुंचाने की एवं राष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर, जिलों के दौरे कर समाज की बहनों में जागरूकता लायेंगे, उनके पास पहुंचने की कोशिश करेंगे, इसका दृढ़ निश्चय का संकल्प लिया। नव–निर्वाचित सचिव श्रीमती वीणा सोमानी ने सभी आये हुए अतिथियों एवं बाहर से आई हुई बहनों का साथ ही उज्जैन जिला सभा एवं दोनों संगठनों सहित सभी बहनों का आभार माना।

वीणा सोमानी, सचिव

छत्तीसगढ़ माहेश्वरी महिला संगठन

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की प्रथम कार्यसमिति बैठक अभनपुर महिला मंडल के आतिथ्य में 12 फरवरी को संम्पन हुई। भगवान शिव के आशीर्वाद व सामूहिक महेश वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई । दिवंगतों को श्रृद्धांजलि अर्पित की गई, श्रीमती ज्योति जी राठी श्रीमती शीतल जी राठी ने स्वागत गीत व स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती सुनीता जी राठी ने अध्यक्षीय उदबोधन में सबका शब्दों से सुंदर स्वागत किया। अध्यक्षा श्रीमती आशा जी डोडिया ने महिलाओं को आत्मनिर्भर होने के लिए कार्य करने व अर्थ जमा करने के लिए कार्य करने की शुरुआत पर विचार रखा । महामंत्राणी श्रीमती शशि जी गट्टानी ने सचिवीय प्रतिवेदन को सुंदर शब्दों के साथ पढ़ा।. निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी राठी ने हर कार्य को सोच समझ कर सामंजस्य के साथ मिलकर करने की समझाइश के साथ अपना आशीर्वाद दिया। कार्य समिति सदस्य श्रीमती उषा जी मोहता ने श्रृंखलाबद्ध कार्य का लाभ उठाकर हम स्थानीय लेवल तक कार्य कर सकते हैं व जब तक जीयें तब तक सीखों के साथ सारगभित उदबोधन दिया । राष्ट्रीय उपाध्यक्षा श्रीमती ज्योति जी राठी ने लेखन, पठन, चिंतन, व मनन से कार्यक्रम को आयोजित करने और कड़ी मेहनत से किये कार्यों का कोई विकल्प नहीं पर महत्वपूर्ण बात कही। राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रभारी का एक नया पद श्रीमती उषा जी मोहंता को दिया गया कोषाध्यक्ष श्रीमती अंजना जी टावरी ने आय व्यय का विवरण रखा। प्रदेश कार्यक्रम संयोंजिका श्रीमती अल्का जी सुरजन को बनाया गया अल्का जी ने इस पद के अनुसार आगे की रूपरेखा बताया । जिसके लिए वह बधाई स्वीकारें। 11 समिति संयोजिकाओ 6 जिला अध्यक्षों 4 उपाध्यक्ष 4 संयुक्तमंत्री ने अपने अपने काम को जिम्मेदारी के साथ कार्य शैली की रूपरेखा बताकर अपनी बात कही ।

द्वितीय सत्र में आने वाले समय में किये जाने जाने वाले कार्यो की रूपरेखा तैयार की गई. । महिला संगठन चाहती हैं कि शादी, ब्याह, सगाई में व्यंजनो की अधिकता को रोका जाये इस पर सामूहिक सहमति मिली । अखिल भारतीय सदस्यों को दोहरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की बात कही गई। श्रीमती लक्ष्मी जी राठी ने देश भक्ति गीत गाकर समा बांधा । स्थानीय सचिव श्रीमती सीमा जी राठी ने आभार व्यक्त किया श्रीमती विद्या भट्टड़ श्रीमती पुष्पा राठी श्रीमती रूपाली भूतड़ा श्रीमती हेमु राठी के सहयोग से मीटिंग सफल रही ।

केवल कुमकुम लगाकर बिना किसी आडम्बर के साथ सादगीपूर्ण वातावरण में हुई इस बैठक में सत्र में होने वाले आगामी कार्यक्रमो की विस्तृत चर्चा की गई। श्रीमती ज्योति जी राठी, श्रीमती पुष्पा जी राठी, श्रीमती उषा जी मोहन्ता, श्रीमती आशा जी डोडिया, श्रीमती शशी जी गट्टानी, श्रीमती सुनीता जी राठी आदि 70- 75 बहनों की उपस्थिति ने बैठक की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाईं । विशेष- नेत्र दान महादान को एक अभियान के रूप में चलाना इस सत्र का विशेष काम रहेगा। यह जानकारी प्रचार प्रचार मंत्री रूपा मुंदड़ा ने दी ।

रुपा मुंदड़ा

मकर संक्राति के अवसर पर छतीसगढ़ माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा जगदलपुर शहर के मेन बाजार संजय मार्किट में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया ।

5 घंटे के इस विशाल भंडारे में जन मानस के लिए पूड़ी, सब्जी, बड़ा, तिल्ली के लड्डू, चाय, पानी आदि का वितरण किया गया । सभी बहनो का अंतिम दौर तक सहयोग मिलता रहा। बिलासपुर महिला मंडल द्वारा ब्लाइंड गर्ल्स स्कूल व आवास में 100 बेडशीट प्रदान की गयी महिला मंडल की सदस्याओं ने उनके सांस्कृतिक प्रोग्राम में अपनी उपस्थिति दी ।

ब्लाइंड गर्ल्स द्वारा बहुत ही आकर्षक एवं रोचक प्रस्तुति दी गयी। मकर संक्रांति के पर्व पर रायपुर जिला में होने वाले कार्यक्रमः-

बाल आश्रम के बच्चों को भोजन करवाया गया, वृद्धा आश्रम मे आंख एंव दांत जांच शिविर का आयोजन डोंगरगढ़ माहेश्वरी महिला द्वारा बाल आश्रम एवं वृद्धाश्रम में भोजन व जरूरत का सामान बांटा गया ।इसके अलावा पूरे प्रदेश में संक्रांति के कई कार्यक्रम उत्साह के साथ मनाये गया।

पूरे प्रदेश को श्रीमती ज्योति जी राठी श्रीमती आशा जी डोडिया श्रीमती शशि गट्टानी श्रीमती उषा जी मोहन्ता ने अपनी बधाई और शुभकामनाएँ दी है। यह जानकारी प्रचार प्रसार मंत्री रूपा मूंधड़ा ने दी है

छत्तीसगढ़ प्रदेश के कार्य-गोपाल मंदिर महिला समिति की ओर से रायपुर मे 21 एवं 22 दिसंबर को नीरजा जैन की दो दिवसीय कुकिंग कलास आयोजित की गई जिसमें 100 लोगों ने कुकिंग प्रशिक्षण प्राप्त किया छत्तीसगढ़ प्रदेश के पदाधिकारी व राष्ट्रीय मध्यांचल उपाध्यक्षा श्रीमती ज्योति जी राठी की उपस्थिति में सफलता के साथ संपन्न हुई शशि जी बागड़ी ने यह जानकारी दी। श्रीमती गीता जी डागा श्रीमती अमीता जी मुंदड़ा श्रीमती शशि जी गट्टानी श्रीमती निधि जी झंवर ने गुंडरदेही परिक्षेत्र का सफलतम भ्रमण किया 19 छोटे छोटे गांव की महिलाओं की उपस्थिति में जोश के साथ नये महिला मंडल का गठन किया गया । माहेश्वरी महिला समिति रायपुर की ओर से 7,8,9 अप्रैल को युवतियों के लिए 3 दिवसीय व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा ।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला मंडल के सप्तम सत्र की प्रथम कार्यकारिणी बैठक ''संकल्प'' का आयोजन बेमेतरा माहेश्वरी मंडल के आतिथ्य में 20 नवंबर 2016 को सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। बैठक में श्रीमती शोभाजी सादानी, श्रीमती ज्योतिजी राठी, श्रीमती पुष्पाजी राठी, श्रीमती उषाजी मोहता, श्रीमती निधिजी झंवर, श्रीमती सुनीताजी चांडक, उपस्थित थीं। शोभाजी ने नए पदाधिकारियों को पद लेने के साथ-साथ पद से जुड़ी जिम्मेदारियों से भी अवगत कराया। श्रीमती ज्योतिजी ने नई टीम को जोश के साथ कार्य को सम्पन्न करने के लिए टिप्स दिये। नई अध्यक्षा श्रीमती आशा जी डोड़िया, सचिव श्रीमती शशीजी गट्टानी एवं अन्य पदाधिकारियों को पद देकर उनका सुंदर सम्मान किया गया।

दूसरे सत्र में ''सतरंगी बयार'' का आयोजन अत्यंत सुंदर तैयारी के साथ श्रीमती प्रतिभाजी एवं श्रीमती उषाजी द्वारा किया गया। निर्णायक के रुप में श्रीमती शोभाजी एवं श्रीमती ज्योतिजी थीं। इसमें प्रथम स्थान बिलासपुर जिला, द्वितीय स्थान रायपुर जिला एवं तृतीय स्थान दुर्ग जिला को प्राप्त हुआ।

''कल आज और कल'' का अत्यंत शानदार कार्यक्रम श्रीमती शोभाजी सादानी द्वारा लिया गया, जिसमें सभी री-अरेंज कैसे करें एवं मां-बच्चों को एक दूसरे के करीब लाने के लिए भी टिप्स दिये गये।

''स्लोगन प्रतियोगिता'' ''बचपन बचाओ'' में प्रथम बेमेतरा, द्वितीय डोंगरगढ़ एवं तृतीय स्थान बेमेतरा को मिला। अंत में पुरस्कार वितरण और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ से 350 महिलाएं एवं युवतियां उपस्थित रहीं। यह जानकारी प्रचार-प्रसार मंत्री सौ. रुपा मूंदड़ा द्वारा दी गई।

गुजरात माहेश्वरी महिला संगठन के कार्य

गुजरात प्रान्तीय माहेश्वरी महिला संगठन के अष्ठम सत्र की प्रथम कार्यकारिणी बैठक एवं कर्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर उदिता–2017 का सफल आयोजन माहेश्वरी महिला मण्डल बड़ौदा के आतिथ्य में संपन्न हुआ.

कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संघटन की संरक्षिका श्रीमती रत्नीदेवीजी काबरा मुंबई, सम्माननीय अतिथि राष्ट्रीय भूतपूर्व अध्यक्षा श्रीमती बिमलादेवीजी साबू सूरत, मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्षा श्रीमती ज्योतीजी राठी रायपुर, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय संयुक्त सचिव श्रीमती मंगलजी मर्दा वापी, गुजरात प्रान्तीय माहेश्वरी सभा के मंत्री श्रीमान सुनीलजी गीगल ने दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का उद्घाटन किया. अतिथियों का सम्मान पुष्पगुच्छ एवं स्मृतिचिन्ह प्रदान करके किया गया.बड़ौदा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती विजया मूंदड़ा ने काव्यात्मक ढंग से अतिथियों का शाब्दिक स्वागत किया.

प्रान्तीय अध्यक्षा श्रीमती उमाजी जाजू ने अपने स्वागत उद्बोधन में कर्यक्रता प्रशिक्षण शिविर के आयोजन का प्रयोजन बताया. साथ ही कहा की महिलाओ में बहुत ही प्रतिभाएँ छुपी हुई है, उसको उजागर करके हर क्षेत्र में वो अग्रसर हो और अपनी एक अलग पहचान बनाये,इसलिए संघटन द्वारा कार्य किये जायेंगे. साथ ही ज्यादा से ज्यादा युवा पीढ़ी को संगठन में जोड़ने का प्रयास करेंगे.

आये हुए सभी अतिथियों ने अपने उद्गार व्यक्त किये. आभारविधि की परम्परा का निर्वाहन बड़ौदा महिला मंडल की सचिव श्रीमती किरणजी माहेश्वरी ने किया।

प्रथम कार्यकारिणी बैठक अपने एजेंडा अनुसार संपन्न हुई. दिवंगत आत्माओ को श्रधांजलि अर्पित की गयी. प्रान्तीय अध्यक्षा श्रीमती उमाजी जाजू ने स्वागत उद्बोधन एवं प्रान्तीय सचिव श्रीमती उमाजी काबरा ने सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया !

सम्मानीय अतिथि श्रीमती बिमलाजी साबू एवं श्रीमती ज्योतिजी राठी ने अष्टम सत्र के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का पदग्रहण करवाया एवं शपथ दिलवाई. गुजरात प्रान्त के अंतर्गत आने वाली सभी स्थानीय संगठन की अध्यक्षा एवं सचिव का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया. राष्ट्रीय संगठन द्वारा निर्देशित ग्यारह समितियों का गठन करके समिति संयोजिकाएँ मनोनीत की गयी.

प्रान्तीय कोषाध्यक्ष श्रीमती मंजूश्री काबरा ने राष्टीय संगठन का मुखपत्र माहेश्वरी महिला पत्रिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी. प्रान्तीय संगठन मंत्री श्रीमती ताराजी दम्मानी ने 'माहेश्वरी ट्रस्ट' के बारे में सभी को अवगत कराया. निवृतमान अध्यक्षा श्रीमती उर्मिलाजी कलंत्री ने ग्यारह समितियों के नाम एवं उसके अंतर्गत होने वाले कार्यो की विस्तृत जानकारी दी.

कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत राष्ट्रीय मध्यांचल उपाध्यक्षा श्रीमती ज्योतिजी राठी ने सशक्त संगठन एवं

सुदृढ़ कार्यकर्ता इस विषय पर बहुत ही रोचक मार्गदर्शन देते हुए कहा की संगठन हमारा परिवार है. मेल मिलाप और सामंजस्य के साथ जुड़कर संगठन के कार्य होने चाहिये. सभी की सकारात्मक सोच और समान दृष्टि होनी चाहिये. साथ ही पदाधिकारियों के दयित्व और प्रोटोकोल के बारे में जानकारी दी.

राष्ट्रीय सयुक्त सचिव श्रीमती मंगलजी मर्दा ने श्रृंखलाबद्ध कड़ी को जानिए। इस विषय पर राष्ट्रीय से लेकर स्थानीय संगठन की कड़ी को बड़ी सरलता से उदाहरण देकर प्रेक्टिकली समझाया.

इसी कड़ी को जोड़ते हुए इस शिविर में 'संगठन में समन्वय– समस्या एवं समाधान इस विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसका संचालन राष्ट्रीय भूतपूर्व अध्यक्षा श्रीमती बिमलाजी साबू ने किया. बहनों को संगठन से जुडी जो भी समस्याएंथी उसका समाधान किया और संगठन के बारे में पूरी जानकारी देकर उनका मार्गदर्शन किया.

इस कार्यक्रम में कोलार्ज प्रतियोगिताआयोजित की गयी. विषय दृस्थानीय संघटन – एक झलक प्रथम पुरस्कारदृसंगिनी संघटन अहमदाबाद, द्वितीय पुरस्कार–वलसाड जिला माहेश्वरी संघटन वापी, तृतीय पुरस्कारदृसखी संघटन दाहोद, सांत्वना पुरस्कार–सखी संघटन जामनगर. सभी विजेताओंको पुरस्कार से सम्मानित किया.

इस कार्यक्रम में पुरे गुजरात से करीब 150 बहनों की उपस्तिथि रही. प्रान्तीय सचिव श्रीमती उमाजी काबरा ने सभी अतिथियों का और पधारी हुई बहनों का तथा आयोजित संस्था की सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया. इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम सयोजिका श्रीमती कौशल्याजी लड्ढा सहित बड़ौद महिला मंडल की सभी कार्यकर्ता बहनों का योगदान रहा.

श्रीमती उमा जाजू, अध्यक्ष

श्रीमती उमा काबरा, सचिव

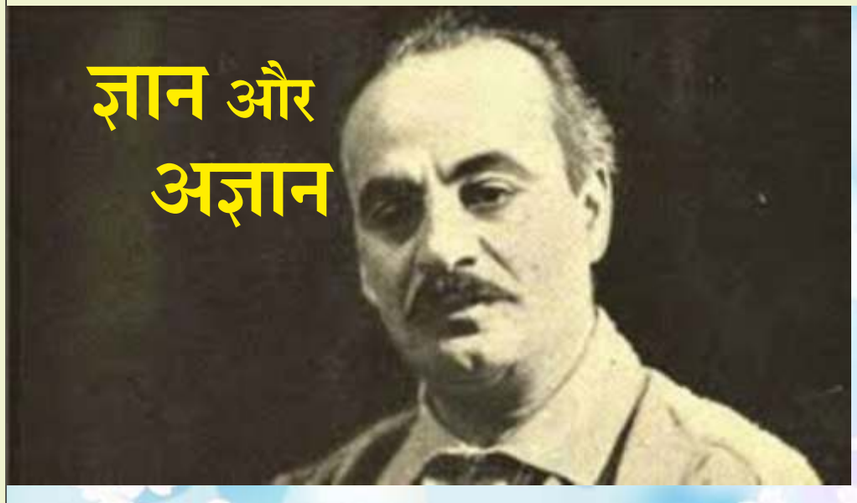

खलील जिब्रान महान विचारक हुए हैं। एक बार उन्होंने अपने एक विद्वान मित्र को विदा किया और वापस आकर बैठे ही थे कि उनके शिष्य ने कहा, जनबा, मैं एक जिज्ञासा का उत्तर चाहता हूं। आपने उस मेहमान से बातचीत में कहा था कि कभी–कभी ज्ञान अज्ञान से भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है। क्या सचमुच ऐसा हो सकता है? खलील जिब्रान ने शिष्य को पास बैठाकर कहा, 'हां, ज्ञान जब इतना घमंडी हो जाए कि रो न सके और इतना गंभीर बन जाए कि हंस भी न सके तथा इतना आत्म केन्द्रित बन जाए कि वह अपने सिवा और किसी की फिक्र न करे तो वह ज्ञान अज्ञान से भी खतरनाक होता है।'

शिष्य को खलील जिब्रान के इस कथन में जीवन का सार मिल गया।

म.प्र. पूर्व क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन

मध्यप्रदेश पूर्वी क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन की सप्तम सत्र की प्रथम कार्यकारिणी एवं शपथग्रहण बैठक गुना जिला एवं स्थानीय महिला संगठन के तत्वावधान में 15 फरवरी 2017 को गुना में सम्पन्न हुई।

इस बैठक में मुख्य अतिथि श्रीमती सुशीलाजी काबरा (निवर्तमान अध्यक्ष), शपथ अधिकारी श्रीमती आशाजी माहेश्वरी कोटा, महामंत्राणी (अ.भा.माहेश्वरी महिला संगठन), विशिष्ट अतिथि श्रीमती ललिताजी मालपानी इन्दौर, सचिव, माहेश्वरी महिलि ट्रस्ट, इन्दौर, प्रांतीय संरक्षक श्रीमती मनोरमाजी लड्ढा, ग्वालियर थीं।

प्रथम सत्र में श्रीमती आशाजी माहेश्वरी द्वारा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा झंवर, सचिव श्रीमती अनीता जांवधिया व अन्य सभी पदाधिकारियों को बहुत ही सुंदर ढंग से शपथ दिलाई गई। श्रीमती सुशीलाजी, ब्यावरा, श्रीमती मनोरमाजी लड्ढा व श्रीमती आशाजी द्वारा उद्बोधन दिया गया। श्रीमती ललिताजी मालपानी ने माहेश्वरी महिला ट्रस्ट के बारे में जानकारी दी।

द्वितीय सत्र में सुशीलाजी, मनोरमाजी द्वारा कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर द्वारा सुंदर तरीके से मार्गदर्शन दिया। सभी कार्यकारिणी सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं के सवालों का जवाब दिया गया।

इसमें मध्यप्रदेश पूर्वी क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत आने वाले जिलों के अध्यक्ष, सचिव तथा अन्य कार्यकारिणी सदस्य मौजूद थे।

शपथग्रहण के बाद श्रीमती प्रतिभा झंवर का उद्बोधन हुआ, इसमें उन्होंने प्रदेश के सभी जिलों के लिए दो योजनाएं (1) नेकी का पेड़, (2) कश्ती प्रस्तुत की।

जिला गुना माहेश्वरी महिला संगठन की संरक्षक श्रीमती नीलिमाजी लाहोटी, जिला अध्यक्ष श्रीमती पूनमजी माहेश्वरी, स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती आशुजी राठी द्वारा सुंदर व्यवस्था की सभी के द्वारा सराहना की गई व बधाइयां दी गई।

अन्त में आभार प्रदेश सचिव व जिला सचिव द्वारा प्रदर्शित किया गया।

प्रतिभा झंवर

- भगवान महेश की पूजा वंदना से सभा का शुभारंभ। इस अवधि में परस्पर बातचीत न करें। महेश वंदना के बाद तालियां नहीं बजावें। सभी को केवल भगवान महेश का जयघोष करना है।
- अतिथि स्वागत कुमकुम अक्षत में हो व एक ही पुष्प द्वारा किया जावे।
- महिला संगठन की जिला, प्रांतों में किसी भी प्रकार की स्मृति चिह्न आदि न दें।
- रजिस्ट्रेशन शुल्क रू. 150/- रखा जावे व 1 फाइल, 1 पेन, लेटर पैड हो, अन्य गिफ्ट न दी जावे।

- बैठक सादगीपूर्ण, शालीनतापूर्ण तथा अपने ही माहेश्वरी भवन में रखी जाये।
- बैठक में अतिथि स्वागत में भोजन सादा, सुपाच्य हो एक ही मिठाई हो।
- प्रात: नाश्ते में एक मीठा, नमकीन, शाम को चाय के साथ एक ही नमकीन हो।
- बैठक स्थल शहर से अधिक दूर न हो।
- महिला संगठन की बैठक जहां हो वहां की स्थानीय बहनों के साथ एक बैठक (खुला अधिवेशन) अवश्य रखा जावे।

- आयोजक संस्था जो भी आवास व्यवस्था करती है वहीं पर सभी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को ठहरना है। रिश्तेदारों में व बाहर ठहरना मीटिंग के समय निषेध है। बैठक को प्रधानता देनी है।
- ये नियम महिला संगठन के पदाधिकारियों, प्रादेशिक संगठनों, जिला संगठन, स्थानीय संगठन, कार्यकर्ताओं पर समान रुप से लागू है। बैठक के समय यह प्रतिलिपि आयोजक संस्था को भेजी जावेगी।

बनखेड़ी के आदरातिथ्य में सप्तम सत्र की प्रथम प्रान्तीय कार्यसमिति की बैठक (बनखेड़ी) में नव-निर्वाचित सचिव श्रीमती अनिता जी जांवधिया के निवास स्थान पर सम्पन्न हुई।

प्रथम महेश भगवान की पूजा-अर्चना कर दीप प्रज्वलित किया एवं जांवधिया परिवार की बहुओं ने महेश वंदना की प्रस्तुति दी। बनखेड़ी महिला मण्डल, युवा मण्डल, सेवा मण्डल के पदाधिकारी उपस्थित थे, उन्होंने सभी प्रादेशिक पदाधिकारियों का स्वागत किया। श्री राजेश जी जांवधिया, घनश्याम जी डांगरा, संगीता जी जांवधिया युवा संगठन के पदाधिकारी, इन्होंने अपने विचार रखे। बैठक में हमारे प्रदेश की पूर्व अध्यक्षा शोभा जी भट्टड़, निर्मला जेठा ने प्रेरणादायी उद्बोधन दिया।

प्रादेशिक नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को अपना दायित्व सौंपा। नव-निर्वाचित श्रीमती प्रतिभा जी झंवर, सचिव अनिता जी जांवधिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती संगीता जी पलोड़, सह-सचिव श्रीमती राजश्री राठी, कोषाध्यक्ष श्रीमती शशि जी काबजा, संगठन मंत्री रेणू जी झंवर, निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती मंजरी जी छापरवाल।

बैठक में अनेक बिंदुओं पर चर्चा की एवं सर्व-सम्मति से अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्यों के नाम की घोषणा हुई। आंचलिक उपाध्यक्ष को प्रादेशिक कार्यकारिणी सदस्य के लिए फॉर्म दिये एवं जल्दी से कार्यकारिणी गठित करने के निर्देश दिये। प्रादेशिक सदस्यों की डायरेक्ट्री छपवाने का निर्णय लिया। प्रादेशिक बैठकें सादगीपूर्ण हो, जिससे स्थानीय स्तर के मंडलों को अतिरिक्त व्यय भार न करना पड़े। आंचलिक उपाअध्यक्ष अपने अंचल के अंतर्गत आने वाले जिले में एक प्रादेशिक प्रोजेक्ट लें एवं कार्यसमिति की बैठकों का आयोजन करें, यह तय किया गया।

सभी अंचल उपाध्यक्ष एवं अंचल सह-सचिव बहनें उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती संगीता पलोड़ ने किया। संगठन मंत्री रेणु झंवर ने आभार व्यक्त किया।

अनिता जांवधिया

प्रदेश सचिव

राष्ट्रीय अध्यक्षा श्री कल्पना जी गगरानी का भ्रमण कार्यक्रम (दिनांक 14.01.2017)

पश्चिमी उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन तदर्थ समिति के तत्वावधान में मोदीनगर माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अध्यक्षा श्रीमती मोनिका जी माहेश्वरी के नेतृत्व में राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती कल्पना जी गगरानी का प्रदेश के नौ शहरों के भ्रमण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का प्रारम्भ भगवान महेश के पूजन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। वाणी माहेश्वरी द्वारा गणेश वंदना पर सुंदर नृत्य प्रस्तुति दी गई। सभी बहनों का कुमकुम लगाकर स्वागत किया गया। संक्रांति का शुभ पर्व होने के उपलक्ष्य में वृद्धजनों को आवश्यक खाद्य सामग्री ऊनी वस्त्र व कम्बल दिये गये। समाज की ही जरूरतमंद महिला को प्रदेश की ओर से स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए फीस प्रदान की गई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण श्रीमती मोनिका माहेश्वरी द्वारा नि:शुल्क प्रशिक्षित झुग्गी-बस्ती के एक स्कूल 'लक्ष्य पाठशाला' के बच्चों द्वारा नृत्य प्रस्तुति रहा, जिसकी सभी ने हार्दिक प्रशंसा की।

सहारनपुर, हापुड़, अलीगढ़, बुलंदशहर, मेरठ, मुजफ्फरनगर, मीरापुर, आगरा एवं गाजियाबाद की बहनों को जैसे ही अध्यक्षा (राष्ट्रीय) जी द्वारा संबोधित करना आरंभ हुआ, मानो समय ही ठहर गया, सभी ने मंत्रमुग्ध होकर सुना। नव-गठित ग्यारह समितियों के उद्देश्य व योजनाओं के बारे में एवं इनके क्रियान्वयन पर भी प्रकाश डाला गया।

समय के साथ चलते हुए हम अपने पारम्परिक जीवन को कैसे परिवर्तित करें एवं उपयोगी भी बनायें, इन सभी बातों पर चर्चा करते हुए प्रत्येक नगर संगठन द्वारा एक गांव को गोद लेने की अपील की गई, जिससे कि नीचले स्तर से ही बहनों का उत्थान संभव हो पाये।

इन ओजस्वी भाषण में प्रेरणा, उत्साह व कार्यक्षमता का सुंदर समावेश था, जिससे सभी बहनें लाभान्वित हुईं।

उत्तरांचल उपाध्यक्ष श्रीमती कांता जी गगरानी एवं सह-सचिव श्रीमती शर्मिला जी राठी द्वारा बहनों को प्रेरित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती विनीता जी राठी द्वारा आगामी कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला गया। प्रदेश सचिव श्रीमती मंजू जी हरकुट द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्षा जी का परिचय दिया गया एवं आई हुई सभी बहनों का धन्यवाद किया गया। मोदीनगर समाज के अध्यक्ष श्री प्रमोद जी माहेश्वरीकी उपस्थिति सराहनीय थी। कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु श्री राजेन्द्र कुमार जी एवं श्री कुलदीप माहेश्वरी जी का योगदान सराहनीय था। मोदीनगर मंडल का उत्साह देखते ही बनता था। अपने भव्य स्वागत एवं विदाई से राष्ट्रीय अध्यक्षा जी भी भाव-विभोर हो गईं।

मंजू हरकुट

इन्दौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के कार्यक्रम सम्पन्न

सचिव श्रीमती सुमन सारडा ने बताया कि इन्दौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन एवं लायंस क्लब के संयुक्त सहयोग से एम.वाय. अस्पताल में कैंसर यूनिट में बाहर से आने वाले मरीजों के परिवार के सदस्यों हेतु नियमित अनवरत चलने वाले अन्नम रक्षाम: भोजनशाला में एक दिन के भोजन में सहयोग दिया गया। साथ ही संस्था सदस्यों ने अपने हाथों से वितरण कार्य भी सम्पन्न करवाया। संस्था

अध्यक्ष श्रीमती प्रमिला भूतड़ा एवं सचिव श्रीमती सुमन सारडा ने बताया कि महिला संगठन के राष्ट्रीय घोष वाक्य सेवा, त्याग, सदाचार को ध्यान में रखते हुए संस्था द्वारा इस तरह के आयोजन नियमित रूप से किये जाते रहेंगे।

नवीन सत्र का यह प्रथम कार्यक्रम संस्था की ही सदस्या श्रीमती नम्रता बियाणी के सहयोग से सम्पन्न हुआ इसके लिए संस्था द्वारा श्रीमती बियाणी का सम्मान पौधा देकर किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व द्वय राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वय श्रीमती गीता मूंदड़ा एवं श्रीमती सुशीला काबरा, अ.भा. महिला सेवा ट्रस्ट की मंत्री श्रीमती ललिता मालपानी, निर्मला बाहेती, मंजू भलिका, मीनाक्षी नवाल, सरला हेडा, नीलम काबरा के साथ ही जिला कार्यकारी मण्डल सदस्य, क्षेत्रीय पदाधिकारी एवं लायंस क्लब के सदस्य उपस्थित थे।

शपथ समारोह सम्पन्न एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

इन्दौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन का शपथ विधि समारोह 3 जनवरी 2017 को संयोगिता माहेश्वरी भवन, जिसकी मुख्य अतिथि समाजसेवी श्रीमती पुष्पाजी राठी थीं एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता अ.भा.माहेश्वरी महिला संगठन की निवर्तमान अध्यक्षा श्रीमती सुशीला काबरा ने की। शपथ अधिकारी अ.भा. माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट की कार्यवाहक अध्यक्षा श्रीमती गीता मूंदड़ा थीं।

विशेष अतिथि के रूप में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. सागर भट्टड, प्रादेशिक अध्यक्षा श्रीमती निर्मला बाहेती एवं नव-निर्वाचित प्रदेश अध्यक्षा श्रीमती अरूणा बोहेती उपस्थित थीं।

श्रीमती वीणा सोमानी के स्वागत उद्बोधन के बाद मुख्य अतिथि श्रीमती पुष्पाजी राठी ने अपने उद्बोधन में सभी को नव-वर्ष की बधाई एवं नई टीम को शुभकामनाएं दी।

श्रीमती सुशीला काबरा ने कहा कि अच्छे कार्यकर्ता को अहंकारी नहीं होना चाहिए व स्वाभिमान कभी छोड़ना नहीं चाहिए, क्योंकि अहंकार आपको उठने नहीं देगा और स्वाभिमान कभी झुकने नहीं देगा।

शपथ अधिकारी श्रीमती गीताजी मूंदड़ा ने सभी पदाधिकारियों और कार्यसमिति को उनके पद के प्रति दायित्व की जानकारी देते हुए सभी को शपथ दिलवाई। जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रमिला भूतड़ा व सचिव श्रीमती सुमन सारडा ने अपने साथी सभी पदाधिकारियों के साथ-साथ ली।

इन्दौर में तृतीय नि:शुल्क सामूहिक विवाह

इन्दौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा श्री बिजासन क्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में माहेश्वरी समाज बंधुओं के लिए सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। जिला संगठन की अध्यक्ष प्रमिला

भूतड़ा व सचिव सुमन सारडा ने बताया कि बसंत पंचमी 1 फरवरी 2017 को इन्दौर में 4 माहेश्वरी जोड़ों का नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम प्रभारी शांता जी मंत्री थीं।

तृतीय नि:शुल्क सामूहिक विवाह श्री युवराज स्वामीजी श्री माधव प्रपन्नाचार्यजी महाराज, उज्जैन के सानिध्य में हुआ।

चारों जोड़ों के विवाह का भव्य चल समारोह बैण्ड-बाजा, घोड़ा-बग्गी के साथ निकला, जिसमें समाज के गणमान्य महिला-पुरूष भी शामिल हुए। बारात का स्वागत फ्रेंड्स ग्रुप द्वारा एवं श्रीमती डिम्पल-कमलेश जी माहेश्वरी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती शांता जी मंत्री ने बताया कि इसमें एक जोड़ी चि. ऋषभ बाहेती, भोपाल संग सौ. पूनम जाजू, इन्दौर, दूसरी जोड़ी चि. आकाश भूतड़ा, जोधपुर संग सौ. पलक दरक, सोनकच्छ, तीसरी जोड़ी चि. अक्षय सोमानी, इन्दौर संग सौ. गीता, मांगलिया, चौथी जोड़ी चि. अमित बजाज, सोनकच्छ संग सौ. ममता, अहमदनगर का परिणय संस्कार सम्पन्न हुआ। प्रत्येक जोड़ों को संगठन की ओर से मुख्यत: गृहस्थी की पूर्ण सामग्री के साथ फ्रीज, कूलर, ड्रेसिंग टेबल, मंगलसूत्र, स्वर्ण व रजत के आभूषण प्रदान किये। साथ ही वर-वधू को कपड़े आदि भी दानदाताओं के सहयोग से प्रदान किये। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमान कल्याणमल जी मंत्री, विशेष अतिथि श्रीमती कमला देवी जी भूतड़ा, अतिथि सुरेश जी राठी थे, उनका भी सराहनीय योगदान रहा।

इस आयोजन में इन्दौर जिले की सभी क्षेत्रीय महिला संगठन की बहनों ने उत्सह व उमंग के साथ आयोजन में भाग लिया व काम भी किया। आयोजन में विभिन्न समितियां बनाई गई थी, जिसमें डिम्पल माहेश्वरी, किरण लाहोटी, अर्चना के. माहेश्वरी, पुष्पा मोलासरिया, जूली साबू, नमिता बाहेती, मीनाक्षी नवाल, नीलू अजमेरा, मंजुला मालपानी, आशा सोनी, शशि झंवर, चन्दा मूंदड़ा, पूनम मालपानी आदि का पूर्ण सहयोग रहा।

संगठन मंत्री दमयंती मनियार ने बताया कि विवाह में चारों वर-वधू ने सात वचन के साथ आठवां वचन भी लिया। आठवां वचन था 'स्वच्छ भारत अभियान' में हर समय उनकी भागीदारी रहेगी। इस विवाह में समाज के सभी गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जिला पदाधिकारियों ने घोषणा की है कि प्रदेश एवं अखिल भारतीय स्तर पर इस सामूहिक विवाह का बीड़ा उठाया गया गत तीन वर्षो की तरह यह कार्य निरंतर प्रतिवर्ष करवाना है। चार ही नहीं 40 व उससे भी ज्यादा जोड़ों का विवाह भविष्य में करवायेंगे। सभी दूल्हा परिवारों को समाज के श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र चेन्नई द्वारा दो लाख रुपये का लोन अत्यन्त न्यूनतम सर्विस चार्ज पर तीन वर्षो के लिए आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने पर दिलवाया जावेगा।

पूज्य स्वामी जी व गीता जी मूंदड़ा ने वर-वधू से कहा कि भविष्य में पति-पत्नी दोनों को भी एक दूसरे से रोज एक अच्छी बात कहनी है और प्रशंसा के साथ सुननी भी है। इसी तरह से आपको अपने दांपत्य जीवन में मिठास घोलकर एक दूसरे का सम्मान करना है।

सुमन सारडा, सचिव

खण्डवा में पारिवारिक मिलन मेला

जिला माहेश्वरी महिला संगठन एवं खण्डवा माहेश्वरी महिला मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 26.01.2017, गुरूवार को गणतंत्र दिवस की थीम पर गांधी भवन, खण्डवा में पारिवारिक मिलन मेले का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में पश्चिमी म.प्र. की महिला संगठन अध्यक्ष आ. श्रीमती अरूणा जी बाहेती, विशेष अतिथि निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष आ. श्रीमती निर्मला जी बाहेती, वर्तमान प्रदेश सचिव श्रीमती वीणा जी

सोमानी द्वारा फीता काटकर शुभारम्भ किया गया, जिनका आतिथ्य खण्डवा जिलाध्यक्ष श्रीमती किरण मंत्री एवं स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती रत्ना राठी द्वारा किया गया। अतिथियों ने स्मृति चिह्न नहीं लेकर कुमकुम चावल से ही स्वागत स्वीकार किया। मेले की संयोजिका श्रीमती उषा परवाल, वीणा भदादा द्वारा मेले की रूपरेखा बताई गई। समाज की सभी बहनों ने भी मेले को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया।

इस मेले में अग्रवाल, जैन, ब्राह्मण, खण्डेलवाल, धाकड़ माहेश्वरी समाज द्वारा मन को लुभाने वाले विभिन्न तरह के व्यंजन, आकर्षित करने वाली रंग-बिरंगी साड़ियां, ज्वेलरी, लेंगिग कुरता और साथ ही ओरीपलेम, टपर वियर जैसी कम्पनियों ने भी अपने स्टॉल लगाये। कई तरह की प्रतियोगिताएं जैसे - बेस्ट गर्ल, बेस्ट कपल आदि व इनामी लक्की ड्रा, जिसका आधार वीरांगनाओं के नाम पर किया गया। सभी समाजों ने इस मेले की भूरि-भूरि प्रशंसा की, भारी मात्रा में लुफ्त उठाया और अनेकता में एकता का परिचय दिया।

अंत में आभार प्रदर्शन जिला सचिव श्रीमती रेखा मंत्री द्वारा किया गया।

पूर्वी मध्यप्रदेश समाचार

भोपाल - सावन में 20 अगस्त 2016 को तीज का सिंजारे का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें 1000 महिलाओं की सहभागिता थी और 220 महिलाओं को 14 घंटे तक 25 बहनों ने मेहंदी मांडी व रिकार्ड तोड़ा। साथ ही मिमडी सजाओ प्रतियोगिता और सैयां सुपर स्टार, एक अति आधुनिक टैलेन्ट शो का आयोजन हुआ। पुरानी परम्पराएं व नई पीढ़ी की भावनाओं का अनूठा संगम था ये सिंजारा।

तत्पश्चात् रेड क्रॉस हॉस्पिटल में 250 माहेश्वरी बंधुओं ने रक्तदान किया। एक ही दिन का रेड क्रॉस का यह अनूठा रिकार्ड था। यह एक बड़ा डोनेशन कैम्प था।

13 नवम्बर 2016 को भव्य कुंडवारे का आयोजन किया गया, जिसमें भोपाल जिले के 150 परिवारों की भागीदारी थी। 1500 लोगों ने महाप्रसादी का आनंद लिया। भौगोलिक स्थिति की वजह से भोपाल तीन अंचलों में बंट गया अत: तीनों अंचलों ने हर दिन अखिल भारतीय द्वारा दी गई समितियों के अंतर्गत कई कार्यक्रम किये, उसकी संक्षिप्त सूची निम्नानुसार है:-

- पारिवारिक समरसता समिति, स्वास्थ्य समिति, राष्ट्रीय समस्या कार्यकर्ता प्रशिक्षण, किशोर-किशोरी विकास, औद्योगिक, ग्रामीण, साहित्य व सांस्कृतिक।
- स्वास्थ्य समिति के अंतर्गत पूर्वांचल क्षेत्र डायबिटीज तथा हार्ट संबंधी समस्याओं का समाज के बंधुओं द्वारा नि:शुल्क कैम्प का आयोजन किया गया।
- परिवारिक समरसता समिति के अन्तर्गत शाहपुरा स्थित एक माहेश्वरी बुजुर्ग महिला की देखरेख का जिम्मा लिया, साथ ही **'कश्ती'** पुरानी पीढ़ी का अनुभव, नई पीढ़ी की सोच (समागम) संस्था का भव्य उद्घाटन किया।
- स्वाध्याय समिति के अन्तर्गत कई धार्मिक आयोजन भी हुए। गोदा उत्सव, झूला उत्सव, जन्माष्टमी महोत्सव, गणेशोत्सव, हल्दी कुमकुम, करवा चौथ आदि धूमधाम से मनाया गया। 200 कन्याओं के भोज का आयोजन नवरात्रि के अवसर पर किया गया।
- साहित्य व सांस्कृतिक समिति के अंतर्गत स्वराधीन काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया।

26 जनवरी 2017 को दो स्कूलों में झंडावंदन किया गया तथा बच्चों के साथ ड्राइंग कम्पटीशन एवं देशभक्ति गीत की प्रतियोगिता रखी गई।

मध्यांचल महिला मंडल द्वारा 26 जनवरी को बसंतोत्सव का प्रोग्राम धूमधाम से मनाया गया, जिसमें 12 माहेश्वरी महिला को 'माहेश्वरी महिला रत्न' की उपाधि देकर सम्मान किया गया। ये सारी महिलाएं प्रोफेशनल एवं उच्च पदों पर आसीन हैं तथा माहेश्वरी समाज के लिए योगदान देती रहती हैं।

1 फरवरी 2017 को पूर्वांचल महिला मंडल द्वारा वृद्धाश्रम में आवश्यक सामग्री वितरण एवं उनके साथ कुछ वक्त बिताना ये महत्वपूर्ण कार्य किया गया। बहनों को डायरेक्टरी के माध्यम से जोड़ने की अटूट कोशिश की जा रही है, अभी तक 350 बहनें सामने आई हैं।

राष्ट्रीय समस्या के अंतर्गत स्वच्छ भारत अभियान का एक मैसेज बनाकर सभी मेम्बर्स को भेजा गया।

गरीब झुग्गी बस्ती में स्वेटर्स और कम्बल वितरित किये गये। बाल अनाथालय एवं मूक बधिर संस्था में साल भर का राशन वितरित किया गया। वहां के बच्चों को टॉफी, चिप्स, बिस्किट के पैकेट बांटे गये तथा उनके साथ गेम्स एवं डांस का आयोजन किया गया।

माहेश्वरी समाज महिला संगठन (पूर्वांचल) भोपाल के तत्वावधान में अपना घर वृद्धाश्रम, कोलार रोड स्थित भोपाल में। बसंत पंचमी के अवसर पर वृद्ध महिला-पुरूष का सम्मान फूल मालाओं से किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में - 21 पैन्ट, 51 शर्ट, 61 साड़ियां, 15 बेडशीट, 11 स्वेटर, बर्तन, बिस्किट के पैकेट, विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री प्रदान की गई।

सीहोर महिला मण्डल द्वारा रक्तदान शिविर का डॉ. गुप्ता ने किया शुभारम्भ

शुभारम्भ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.के. गुप्ता,

विशेष अतिथि अरुणा राय, द्वारकादास अग्रवाल, प्रकाश व्यास काका, डॉ. साधुराम शर्मा, गोवर्धन मोर, डॉ. एस.आर. गट्टानी, माहेश्वरी समाज जिला अध्यक्ष किशोर सोडाणी, माहेश्वरी समाज नगर अध्यक्ष कमल झंवर, जिला माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष गगन सोडाणी, मारवाड़ी महिला मंडल अध्यक्षा प्रतिभा झंवर, अशोक बियाणी, डॉ. सुरेश झंवर, अशोक सोडाणी द्वारा किया गया।

डॉ. गुप्ता द्वारा रक्तदान का म हत्व बताया गया और श्रीमती राय ने उनके उद्बोधन में कहा कि महिला मंडल द्वारा किया गया यह पुनीत कार्य मानवता से जुड़ा है, किसी जरूरतमंद व्यक्ति को खून की कमी होती है।

रंगोली प्रतियोगिता के दिये इनाम

दीपावली के समय मुक्तिधाम में रंगोली प्रतियोगिता में उत्कृष्ट रंगोली बनाने के लिए किरण चौहान एवं कु. परिहार को डॉ. गुप्ता द्वारा पुरस्कृत किया गया। जिला माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष गगन सोडाणी, सचिव अंकित बांगड़ द्वारा युवा संगठन प्रदेश उपाध्यक्ष सुमित झंवर, नगर सभा सचिव नवीन सोनी की उपस्थिति में एक कदम स्वच्छता की ओर संदेश देते हुए डस्टबिन स्मृति चिह्न के रुप में सभी रक्तदाताओं एवं अतिथियों को भेंट किये। रक्तदान शिविर में मारवाड़ी एवं माहेश्वरी महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा। शिविर में पहुंचकर अनेक लोगों ने रक्तदान किया।

योग द्वारा मानसिक तनाव से मिलती है मुक्ति

21 दिसम्बर से पतंजलि योग के तत्वाधान में माहेश्वरी भवन, बनखेड़ी में तहसील प्रभारी श्रीमती शिखा माहेश्वरी द्वारा योग शिविर लगाया गया। इसका समापन रविवार को हुआ। रोजाना लगभग 50 लोगों ने योग सीखा। योग का प्रशिक्षण समिति के श्री अरविन्दजी ने दिया। श्री घनश्यामजी डांगरा, श्री जीवनलालजी मालानी, श्री मधुलालजी सांवल और श्रीमती चंद्रिकाजी सांवल ने अपने-अपने विचार प्रकट किये। श्रीमती शिखा माहेश्वरी ने आभार माना।

शिखा माहेश्वरी

सागर माहेश्वरी महिला मण्डल द्वारा पिकनिक का आयोजन

सचिव श्रीमती ममता चाण्डक ने बताया कि माहेश्वरी महिला मण्डल सागर द्वारा नव–वर्ष के आगमन पर 2 जनवरी को दीपधानी में संगठन द्वारा पिकनिक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न प्रकार के गेम्स, बैलगाड़ी व ऊंट की सवारी का सभी ने लुत्फ उठाया। पिकनिक आयोजन की सभी ने प्रशंसा की एवं महिला मण्डल द्वारा आयोजित पिकनिक का कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

माहेश्वरी महिला समिति पुरूलिया द्वारा पश्चिमी बंगाल प्रादेशिक महिला संगठन के अन्तर्गत अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें पुरूलिया महिला समिति की श्रीमती कुसुम मल्ल को सचिव एवं श्रीमती मीरा मल्ल को उपाध्यक्ष पद के लिए चुना गया। समिति द्वारा पिछले 3 साल से योग क्लास लगाई जा रही है, जिसमें 50 से भी अधिक महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। श्रीमती पिंकी पेड़ीवाल व श्रीमती जयश्री सारडा के सहयोग से योग क्लासेस चलाये जा रहे हैं। श्रीमती प्रियंका मेहता के द्वारा डांडिया क्लासेस का भी आयोजन किया जा रहा है जिससे कई जने लाभान्वित हो रहे हैं।

कल्याण में जिला महोत्सव एवं कल्याण महेशोत्सव का भव्य आयोजन

कल्याण : थाना जिला महेश्वरी समाज की सभी संस्थाओं ने संयुक्त रूप से जिला महोत्सव एवं कल्याण महेशोत्सव का दिनांक–24.12.2016,शनिवार,को सेंचुरी रेयोन क्लब, शहाड, कल्याण मे भव्य आयोजन किया गया।

समारोह अध्यक्ष– 'श्री रामपालजी सोनी', (भूतपूर्व सभापति – अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा) मुख्य अतिथि – 'श्री श्यामसुंदरजी सोनी' सभापति – अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा) 'सौ. कल्पनाजी गगरानी' (अध्यक्ष–अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन) विशेष अतिथि – 'श्री मधुसूदनजी गांधी' (अध्यक्ष – महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा) विशेष अतिथि–'सौ. ज्योत्सनाजी लाहोटी' (नव निर्वाचित अध्यक्ष – महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन) के उपस्थिति ने मंच कि शोभा बढ़ाई।

मंचासीन महानुभावों ने समाज को संबोधित किया व महासभा एवं प्रदेश कि आगामी योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

अखिल भारतीय एवं प्रदेश सभा में चयनित थाना जिला के सदस्यों का तथा अतिथियों का सत्कार किया गया और महेश्वरी समाज,कल्याण क्षेत्र के मेघावी छात्र–छात्राओं का पारितोषिक वितरण समारोह के पश्चात कल्याण क्षेत्र के महिलाओं, युवाओं एवम बालकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया ।

कार्यक्रम में थाना जिला के परिवारों के अलावा, विशेष रूप से आमंत्रित मुंबई प्रदेश से श्री आर.एल.काबराजी महासभा (कोषाध्यक्ष), श्री रामनिवासजी मानधनी, श्री श्यामसुंदरजी काबरा (संयोजक महासभा छात्रावास समिती) एवं रायगढ जिला के सहभाग ने आयोजन की शोभा बढाई।

जिला सभा अध्यक्ष श्री लक्ष्मीकांत राठी, जिला महिला अध्यक्ष सौ. सुनीताजी पलोड़ एवं श्री रामनिवासजी लाहोटी कल्याण क्षेत्रीय अध्यक्ष सभी ने आए हुए अतिथियों का शाब्दिक स्वागत एवं सब के सामने अपना मनोगत प्रस्तुत किए।

जिला महोत्सव को सफल बनाने के लिए पूर्ण लगन, श्रम एवं समर्पण से कल्याण समाज ने कार्य कर संगठन के प्रति निष्ठा, दायित्व बोध, सामाजिक बंधुत्व एवं एकता का उच्च मानक स्थापित कर दिया एवम माननीय ओमप्रकाशजी चितलांगिया, (सीनियर प्रेसिडेंट, सेंचुरी रेयोन) इस सफल आयोजन के नेपथ्य नायक. इनके समाज अनुराग का एक और उदाहरण. 24 तारीख को सेंचुरी रेयान क्लब और गेस्ट हाउस महेश्वरी भवन में रूपांतरित हो गया।

महावीरजी बिहानी (जिला सभा सचिव) ने सभी का आभार प्रदर्शन किया।

खांमगांव माहेश्वरी महिला संगठन

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कमलजी भूतड़ा ने दिनांक 5 जनवरी 2017 को खांमगांव (महाराष्ट्र) में श्री माहेश्वरी मंडल द्वारा 'दिव्यांग सक्षमीकरण' नि:शुल्क कृत्रिम पैर/कैलिपर्स पैर प्रत्यारोपण के त्रिदिवसीय शिविर में मुख्य अतिथि के रुप में सम्मिलित हुए।

5 जनवरी 2017 को प्रात: 6:30 बजे खामगांव पहुंचे। श्री माहेश्वरी भवन, खामगांव में दोपहर 3 बजे से 'दिव्यांग सक्षमीकरण' के उद्घाटन समारोह की शुरूआत हुई। सर्वप्रथम युवा संगठन द्वारा निर्मित 'श्री महेश वंदना' की मधुर धुन पर भगवान महेश की पूजा अर्चना कर सभी उपस्थित लोगों ने साथ–साथ में 'श्री महेश वंदना' गाया। तत्पश्चात् सभी अतिथियों का शब्दों से स्वागत किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में महासभा के सभापति श्री श्यामजी सोनी व युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कमलजी भूतड़ा व अतिथि के रुप में विदर्भ प्रदेश अध्यक्ष श्री मदनजी मालपानी मौजूद थे।

युवा संगठन के अध्यक्ष श्री कमलजी भूतड़ा ने अपने उद्बोधन में श्री माहेश्वरी मंडल द्वारा उठाये गये 'नर सेवा, नारायण सेवा' के इस कदम को सराहते हुए बधाई दी और कहा कि माहेश्वरी समाज भारत के सर्वाधिक समाज सेवा करने वाला समाज है।

श्री श्यामजी सोनी ने महासभा के आगामी योजनाओं की रूपरेखा बताई। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में जुड़े श्री विवेक मोहता, श्री संजय सातल, श्री प्रकाश राठी, श्री दिनेश गांधी व समस्त खामगांव माहेश्वरी समाज को श्री श्यामजी ने बधाई दी।

इस तरह तीन दिवसीय 'दिव्यांग सक्षमीकरण' कार्यक्रम का शानदार उद्घाटन सत्र बहुत ही शानदार तरीके से सम्पन्न हुआ।

माहेश्वरी मुस्कान महिला मंडल सूरत

माहेश्वरी मुस्कान महिला मंडल की और से दिनांक 20,21,22 दिसंबर तक नानी बाई का मायेराका आयोजन श्रीमान रामअवतारजी व विमलाजी साबू के मनभरी फार्म हाउस में किया गया! प–पू– गोवत्स श्री

राधाकृष्णजी महाराज के मुखारविन्द से नानी बाई का मायेराका श्रवणपान किया गया! मायरे का समय शाम 3:30 से 6:30 बजे तक रहा।

नानी बाई के माएरा का आरम्भ तीनो दिन शहर के अलग–अलग महाराज के सानिध्य में प्रभात फेरियो से किया गया

20,21,22 तीनो दिनों की प्रभात फेरी में करीबन 500 भाई–बहनों की उपस्थिथि रही। मंडल के पधाधिकारियो सरलाजी मालू, वंदनाजी भण्डारी, पुष्पाजी सोमानी, संतोषजी जाजू, किरणजी जाजू ने बताया की पर्वतपाटिया से कथास्थल तक लाने के लिए बसों की व्यवस्था रखी गयी। नानी बाई के मायरे का प्रोग्राम अविस्मरनीय रहा। प्रत्येक दिन करीबन 3 से 4 हजार भक्तो ने मायरे का श्रवणपान किया। नानी बाई के मायरे का रसपान कराते हुए व्यासपीठ से गोवत्स राधाकृष्णजी महाराज ने गो महिमा के साथ–साथ भगवान गोपाल के भक्त नर्सिमेहता के बीच भक्ति के रिश्ते के बारे में विस्तार से बताया। महाराज ने मनुष्य मात्र के जीवन में गो सेवा के महत्व के बारे में बताते हुए कहा की जीवन की अधिकांश समस्याओं का अंत गोसेवा में निहित हे।

सत्संग के दोरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मोजूद थे! गोवत्स राधाकृष्णजी महाराज ने गोमहिमा का बखान करते हुए बताया की जीवन में अर्जित सम्पति गोसेवा में लगाकर भगवद प्राप्ति की और बढ़ा जा सकता है।

चुनाव सर्व–सम्मति से सम्पन्न

प्रदेश संगठन मंत्री श्रीमती उर्मिला जी भट्टड़ एवं श्रीमती शशि जी भट्टड़ की उपस्थिति में दिनांक 8 जनवरी 2017 को अध्यक्षा श्रीमती शारदा भट्टड़ के निवास पर नई कार्यकारिणी का चयन हुआ, जिसमें अध्यक्षा – श्रीमती रंजना भट्टड़, उपाध्यक्ष – श्रीमती दीपा भट्टड़, सचिव – श्रीमती वर्षा भट्टड़, कोषाध्यक्ष – श्रीमती ममता भट्टड़, स्थानीय सहसचिव – श्रीमती गीता मालपानी चुनी गईं।

सहयोगी सदस्याएं – रमा भट्टड़, अंशू डागरा, लक्ष्मी राठी, पूनम भट्टड़, रेखा भट्टड़, सीमा भट्टड़, सरिता भट्टड़, राखी चांडक, छोटी ममता भट्टड़ रहीं।

वहीं कुसुम भट्टड़, तरूणा केला सूचना मंत्री चयनित हुईं एवं गीता राठी, मुक्ता भट्टड़ कार्यक्रम संयोजक बनीं।

सचिव

प्रगति माहेश्वरी महिला मण्डल

माहेश्वरी महिला मण्डल की सभी महिलाएं, अनाथ आश्रम में बच्चों से मिलीं और उन्हें उनकी जरूरत का सामान प्रदान किया। उन्होंने वहां चाय की पत्ती, मसाले, दाल, गुड़, रेवड़ी, दूध की बोतल, टॉफी, बिस्किट, पेंसिल, रबर, मूंगफली, नमक आदि दिया।

महिला मण्डल की मधु, प्रगति, मिनाक्षी, अनु, राज, सुनीला, रेनू, आशा, लता, रीमा, कोमल, सुनीता, वंदना, अलका, रचना, शैली, ऋतु, सुषमा, गुंजन, रति, साक्षी, सोनिया, जनक, कृष्णा, मीना, मोना, कविता, आशी, गीता, अंजू, दीपाली, सरिता, अंकिता, एकता, रानू, रेखा, उषा, सर्वेश, आशा, बीना आदि का सहयोग रहा।

पश्चिमी उ.प्र. द्वारा मातृ–पितृ दिवस मनाया

पश्चिमी उत्तर प्रदेश (तदर्थ समिति) के तत्वावधान में 14 फरवरी को विभिन्न शहरों, आगरा, अलीगढ मीरापुर बुलंदशहर व मोदीनगर कें महिला संगठनों द्वारा स्कूली बच्चों

के साथ मातृ – पितृ पूजन दिवस मना कर बच्चों में माता – पिता के प्रति सम्मान भाव के संचार का प्रयास किया गया। जहाँ बच्चों को अपने संस्कारों से जुड़े रहने की प्रेरणा मिली, वहीँ सभी माता – पिता के लिए भी यह अनूठा अनुभव सिद्ध हुआ ।संगठन की बहनों ने स्कूलों में जा कर बच्चों को सामान भी वितरित किया। सभी बच्चों ने थाल सजाकर, कुंकुम लगा कर, माता पिता की पूजा अर्चना की व फूल माला पहनाई। इस दृश्य को देखकर बच्चे व माता पिता सभी भावनाओं में बह गए। सभी के साथ अध्यापकों ने भी इस प्रयास की भूरि भूरि प्रशंसा की।ऐसे प्रयास हमारे बच्चों को अपनी संस्कृति समझने में निश्चित ही सहायक होंगे।

मंजू हरकुट

26 जनवरी गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य मे माहेश्वरी जिला महिला मण्डल हापुड़ ने राजधानी पब्लिक स्कूल एवं अक्षरा वेलफेयर सोसायटी के बच्चों के साथ ध्वजारोहण किया। बच्चों के बीच मिठाई, बिस्किट और टॉफी वितरित की गई। कार्यक्रम में जिलाध्यक्षा श्रीमती कान्ता जी, नगर अध्यक्षा साधना जी एवं सचिव आशा तापड़िया प. उ.प्र. उपाध्यक्षा आशा सोमानी, सीमा तापड़िया, मधु माहेश्वरी, मधु मालू, पूजा महेश, सुमी तापड़िया, अलका खटोड़ और चित्रा राठी जी उपस्थित रहीं। अध्यक्षा साधना जी ने बच्चों को सम्बोधित किया एवं पूजा महेश जी ने भी बच्चों को देश–प्रेम और कर्त्तव्य परायणता का संदेश दिया

आशा तापड़िया

माहेश्वरी महिला गौरव–उदयपुर

दिसम्बर–माहेश्वरी महिला गौरव की संरक्षक श्रीमती कौशल्या गट्टानी के नेतृत्व में महिलाओं के क्रिसमस डे मनाया एवं दो दिवसीय यात्रा में मथुरा–वृन्दावन की यात्रा कराई जिसमें भजन–कीर्तनएवं अन्य आयोजन कर यात्रा को सफल बनाया। इसमें करीबन 40–45 महिलाओं ने भाग लिया।

जनवरी–इस माह में जिला वैश्य महासभा सम्मेलन में अखिल भारतवर्षीय महिला संगठन की कोषाध्यक्ष श्रीमती कौशल्या गट्टानी को राजस्थान माहेश्वरी समाज से समाज सेवा शिक्षा एवं व्यवसायिक सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने पर

श्रीमती कौशल्या गट्टानी को वैश्य नारी गौरव अलंकरण से नवाज़ा गया। मकर संक्रांति एवं बाल दिवस के उपलक्ष्य में रा.उ.मा. विद्यालय यावण्ड तं. सराड़ा (उदयपुर) में विविध प्रतियोगिताएँ आयोजित कराई एवं जरूरतमद छात्र एवं छात्राओं को 400 स्वेटर वितरित किये एवं आगे के लिये भी और प्रोजेक्ट करने का आश्वासन दिया। इसमें माहेश्वरी महिला गौरव एवं जिला संगठन की अनेक पदाधिकारी एवं महिलाओं ने भाग लिया।

फरवरी– इस माह में युवा संगठन, जिला व स्थानीय संगठनों ने मिलकर दो दिवसीय नि:शुल्क शिविर लगाया गया जिसमें महिलाओं का गायनीक व बच्चों के जनरल चैक–अप व बड़ों के शुगर, ब्लडप्रेशर एवं अनेक बीमारियों के बारे में अवगत कराया एवं समाधान किया। इसमें अनुभवी डॉक्टरो की टीम मौजूद थी। उदयपुर के सलुम्बर कस्बे में आई स्पेशलिस्ट डॉक्टरों द्वारा अनेक लेन्स प्रत्यारोपण व कार्नियों का ऑपरेशन कराकर गरीब परिवारों को लाभान्वित किया। करीब 400–500 लोगों ने भाग लेकर शिविर को सम्पन्न कराया।

वनबंधु परिषद महिला समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष चयनित

वनबन्धु परिषद ग्रामीण क्षेत्रों में पंचमुखी शिक्षा के प्रचार प्रसार हेतु कार्य करने वाली राष्ट्रीय संस्था है। इस संस्था द्वारा 54000 एकल विद्यालयों का संचालन वनवासी क्षेत्रों में किया जा रहा है। इसकी महिला शाखा द्वारा देशभर में गठित 33 महिला समितियों को एक सूत्र में पिरोकर विभिन्न योजनाओं की सफलता व शहरी क्षेत्रों में वनबंधु के उद्देश्यों को प्रचारित करने के लिए कार्यक्रम किये जाते हैं।

मुम्बई महानगर में सम्पन्न महिला समिति की राष्ट्रीय मीटिंग में संरक्षक सौ. रत्नीदेवी काबरा एवं अध्यक्ष सौ. पुष्पा मून्दड़ा ने आगामी सत्र 2017–2019 के लिए इन्दौर की श्रीमती गीता मून्दड़ा का नाम प्रस्तावित किया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृति दी गई। ज्ञातव्य है कि आप पिछले छ: वर्षों से राष्ट्रीय सचिव का दायित्व निभा रहीं थीं। सौ. गीता मून्दड़ा अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, अ.भा. महिला सेवा ट्रस्ट व इन्दौर वनबंधु महिला समिति की संस्थापक अध्यक्ष हैं।

आगामी सद्र हेतु अन्य पदाधिकारी निम्नानुसार हैं :–

संरक्षक – सौ. रत्नीदेवी काबरा, मुम्बई एवं सौ. पुष्पा मून्दड़ा, कोलकाता, अध्यक्ष – सौ. गीता मून्दड़ा, इन्दौर, उपाध्यक्ष – सौ. विमला दम्मानी, चैन्नई, सुशीला गुप्ता, गोहाटी, शान्ता साड़ा, कोलकाता, विनीता जाजू, इन्दौर, प्रीति बाहेती, जयपुर, राष्ट्रीय सचिव – सौ. लता मालपानी, चैन्नई, कोषाध्यक्ष – सौ. उमा पचीसिया, मुम्बई, संयुक्त मंत्री – सौ. सूरज बाहेती, चैन्नई, इन्दु देवड़ा, डिब्रूगढ़, राज जैन, राँची, मंजू मित्तल, सूरत एवं लता जैन, आगरा।

सभी का आत्मीय अभिनन्दन

गीता मून्दड़ा, इन्दौर

भीलवाड़ा की पूर्वा समदानी को कराटे में सिल्वर मेडल

शास्त्रीनगर निवासी अमित–दीपाली समदानी की पुत्री 6 वर्षीय पूर्वा समदानी को स्कटो–कराटे स्कूल ऑफ इण्डिया द्वारा 30 सितम्बर को क्राउन होटल नई दिल्ली में आयोजित 7वीं अन्तर्राष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप में सिल्वर मेडल प्रदान किया। पूर्वा समदानी ने 20 किलो वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पूर्वा समदानी को कार्यक्रम अतिथि सेंसी लाल डारडा ऑर्गनाइजर व तकनीकी डायरेक्ट तथा चीन के शिहान मीनोरू कनाजावा द्वारा प्रदान किया गया।

अनुज कुमार दम्माणी का सुयश

62वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल–कूद प्रतियोगिता में इस वर्ष छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में सम्पन्न हुई, जिसमें राष्ट्रीय स्तर के सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय शालाओं के बच्चों ने खेल–कूद में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में डोंगरगढ़ नगर के अनुज दम्माणी कक्षा 12वीं ने योंगमुडो खेल में अखिल भारतीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रथाम स्थान प्राप्त किया, जिसे शासन द्वारा गोल्ड मेडल से सम्मानित कर 3100/– रूपये का पुरस्कार प्रशासन की ओर से दिया गया।

अनुज दम्माणी ने योंगमुडो में कई आकर्षक प्रदर्शन किये। गोवा, कोरबा, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, जम्मू कश्मीर सहित कई जगहों में खेल में भाग लिया तथा सफलता प्राप्त किया। 16 वर्ष की उम्र में शानदार प्रदर्शन करके माहेश्वरी समाज में गौरव प्राप्त किया।

अनुज दम्माणी पुत्र श्री राजेश कुंमार दम्माणी डोंगरगढ़ के प्रतिष्ठित व्यक्ति श्री गणेशदास दम्माणी के पौत्र हैं, वे खालसा पब्लिक स्कूल डोंगरगढ़ के विद्यार्थी हैं।

अनुकरणीय

डॉक्टर परिवार ने सादगीपूर्ण विवाह सम्पन्न कर समाज में मिसाल कायम की

इन्दौर–शहर के ख्यात न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. अजय सोडानी व रेडियोलॉजिस्ट डॉ. अर्पणा सोडानी ने अपने पुत्र अद्वेत का विवाह 23 दिसम्बर को प्राचीन परम्पराओं का निर्वाह करते हुए बिना किसी प्रदर्शन के सादगीपूर्ण पारिवारिक माहौल में सम्पन्न कराया। इस हेतु परिवार का सम्मान इन्दौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा किया गया। डॉक्टर पम्पति आर्थिक, सामाजिक, पारिवारिक रूप से सम्पन्न व सुदृढ़ है साथ ही उन्हीं के पद चिन्हों पर चलने वाला उनका पुत्र अद्वैत सेना में देश के जवानों के लिए अपनी सेवाएं दे रहे हैं। आप तीनों के लिये गये निर्णय एवं दादा–दादी श्रीमती व श्री सूरजमलजी सोडानी के समर्थन से यह कार्य सम्पन्न हुआ। आपने समाज के लिए अनुकरणीय आदर्श प्रस्तुत किया, डॉ. परिवार को हार्दिक बधाई।

S.N.	Name	City	Designation	Samiti	Mobile	Email
1	Smt. Urmila Kalantry	Ahmedabad	Prabhari	Sancharika	09377779007	ukalantry@gmail.com
2	Smt. Sushila Maheshwari	Ahmedabad	Sanyojika	Sancharika	09328247305	sushilamaheshwary@gmail.com
3	Smt. Usha Mohunta	Raipur	Sanyojika	Sancharika	09424202281	ushamohunta@yahoo.com
4	Smt. Anita Soni	Nepal	Sanyojika	Sancharika	09842041884	anitams2001@yahoo.com
5	Smt. Aruna Lahoti	Pune	Sanyojika	Sancharika	09822064736	arunalahoti56@gmail.com
6	Smt. Sunita Palod	Thane	Sanyojika	Sancharika	09819858950	sunita_palod@yahoo.com
7	Smt. Nisha Laddha	Kolkatta	Prabhari	Suramya	09830224300	nishaladdha@gmail.com
8	Smt. Tara Dammani	Ahmedabad	Sanyojika	Suramya	09825041832	taradamani11@gmail.com
9	Smt. Seema Modani	Ahmedabad	Sanyojika	Suramya	09898500755	seemamodani@gmail.com
10	Smt. Ranjana Baheti	Bhopal	Sanyojika	Suramya	08989273434	ranjana.baheti11@gmail.com
11	Smt. Lata Gupta(kakani)	Kasganj	Sanyojika	Suramya	09456660181	ashkmcleo@hotmail.com
12	Smt. Manisha Laddha	Bhopal	Sanyojika	Suramya	09425606829	manishamaheshwari70@gmail.com
13	Smt. Shobha Lakhotiya	Kolkatta	Sanyojika	Suramya	09331215466	lakhotiyashobha@gmail.com
14	Smt. Kalavati Jaju	Hyderabad	Prabhari	Suchita	09392411667	ajaju99@gmail.com
15	Smt. Pushpa Rahi	Nathdwara	Sanyojika	Suchita	09829797646	pushparathi@gmail.com
16	Smt. Shyama Heda	Mumbai	Sanyojika	Suchita	09920326781	hedashyama@gmail.com
17	Smt. Shobha Gandhi	Agra	Sanyojika	Suchita	09358924515	gandhishobha@outlock.com
18	Smt. Mangal Mandhani	Jalna	Sanyojika	Suchita	09422927798	mandhanimangal@gmail.com
19	Smt. Ranjana Bhattar	Urai	Sanyojika	Suchita	08400092158	ranjanabhatter1964@gmail.com
20	Smt. Sonali Mundra	Kolkatta	Prabhari	Sukirti	09830338117	sonali_gandhimundhra@yahoo.co.in
21	Smt. Aruna Laddha	Nasik	Sanyojika	Sukirti	09422259230	Arunaladdha@gmail.com
22	Smt. Vibha Rathi	Thane	Sanyojika	Sukirti	09819012822	Vibhasrathi@gmail.com
23	Smt. Monika Maheshwari	Modinagar	Sanyojika	Sukirti	09897207099	monikamaheshwari99@gmail.com
24	Smt. Archana Mundra	Thane	Sanyojika	Sukirti	09824129449	archanamundra9449@gmail.com
25	Smt. Anu Baheti	Mhow	Sanyojika	Sukirti	09425956044	Gunjan_baheti@rediffmail.com
26	Smt. Anita Dhoot	Nagaon	Sanyojika	Sukirti	09864243005	Anitasboodhoot@gmail.com
27	Smt. Prema Jhawar	Kanpur	Prabhari	Surabhi	09369475952	Prema.jhawar@gmail.com
28	Smt. Pramila Chola	Aligadh	Sanyojika	Surabhi	08979464046	Pramilachola@gmail.com
29	Smt. Kanta Rathi	Nasik	Sanyojika	Surabhi	09822599287	Kantarathi@gmail.com
30	Smt. Pushpa Somani	Kota	Sanyojika	Surabhi	09529969028	Pushpasomani729@gmail.com
31	Smt. Sangita Biyani	Bhusawal	Sanyojika	Surabhi	09822536111	Sangitambiyani@yahoo.com
32	Smt. Poonam Malpani	Golaghat	Sanyojika	Surabhi	09435058313	Kabrapoonam76@gmail.com
33	Smt. Rakhi Bajaj	Mumbai	Sanyojika	Surabhi	09821320925	Rakhibajaj19@gmail.com
34	Smt. Girija Sarda	Nepal	Prabhari	Sushrita	07985202327	girijasunilsarda@yahoo.com
35	Smt. Namrata Biyani	Indore	Sanyojika	Sushrita	09826684084	namratabiyani73@gmail.com
36	Smt. Nilima Mantri	Yewatmal	Sanyojika	Sushrita	09403057763	mantrinilima@gmail.com

37	Smt. Swati Kabra	Mumbai	Sanyojika	Sushrita	09867122621	swatibipinkabra@gmail.com
38	Smt. Shobha Lahoti	Bhopal	Sanyojika	Sushrita	09425303613	shobhaslahoti@gmail.com
39	Smt. Urvashi Sabu	Delhi	Sanyojika	Sushrita	09810648038	urvashisabu@gmail.com
40	Smt. Kamla Mohata	Nagpur	Prabhari	Sushma	09423103585	kamlamohata@gmail.com
41	Smt. Nirmala Somani	Latur	Sanyojika	Sushma	08421291765	nimmahari@gmail.com
42	Smt. Manju Bhutda	Beawar	Sanyojika	Sushma	09462510550	manjubhutra@gmail.com
43	Smt. Varsha Daga	Kolkatta	Sanyojika	Sushma	09903688132	indravarsha@gmail.com
44	Smt. Aruna Modi	Jodhpur	Sanyojika	Sushma	09829280313	modyaruna@gmail.com
45	Smt. Sunita Tapadia	Vardha	Sanyojika	Sushma	09421217701	sunitatapadia16@gmail.com
46	Smt. Nirmala Baheti	Indore	Prabhari	Samvarna	09424010979	npbaheti55@gmail.com
47	Smt. Kamla Mundra	Jodhpur	Sanyojika	Samvarna	09983194195	rkmindustrier@sancharnet.in
48	Smt. Sumitra Kabra	Kolkatta	Sanyojika	Samvarna	09804079059	sumitrakabra2014@gmail.com
49	Smt. Jyoti Baheti	Akola	Sanyojika	Samvarna	09423088950	jdbaheti60@gmail.com
50	Smt. Sushila Gandhi	Amravati	Sanyojika	Samvarna	09890449706	sggandhi54@gmail.com
51	Smt. Rajni Harkut	Aligadh	Sanyojika	Samvarna	09837031679	rajniharkut@gmail.com
52	Smt. Priti Toshniwal	Kanpur	Sanyojika	Samvarna	09336111394	toshniwal850@gmail.com
53	Smt. Shobha Bhadada	Bhilwara	Prabhari	Saushtha	09352406073	lotuswear@gmail.com
54	Smt. Tara Maheshwari	Akola	Sanrakshika	Saushtha	09674036360	dr.taranm@gmail.com
55	Smt. Sudha Rathi	Yewatmal	Sanyojika	Saushtha	09370065052	kedarsudha@yahoo.com
56	Smt. Indira Mundra	Nanded	Sanyojika	Saushtha	09325355066	dr.inmundra@gmail.com
57	Smt. Rajni Lakhotia	Jodhpur	Sanyojika	Saushtha	09413955577	drrajnilakhotia@gmail.com
58	Smt. Alpana Laddha	Thane	Sanyojika	Saushtha	09892517179	alpanaladdha@rediffmail.com
59	Smt. Suryamala Malani	Aurangabad	Sanyojika	Saushtha	02402332087	s.d.malani@gmail.com
60	Smt. Manju Mandhana	Delhi	Prabhari	Sulekha	09910429011	manjumandhana@gmail.com
61	Smt. Anuradha Jaju	Hyderabad	Sanyojika	Sulekha	09014223999	ajaju99@gmail.com
62	Smt. Savita Kabra	Mumbai	Sanyojika	Sulekha	09619064455	savitadilipkabra@gmail.com
63	Smt. Seema Jhavar	Kanpur	Sanyojika	Sulekha	08756118559	seemamaheshwari67@yahoo.com
64	Smt. Madhu Baheti	Kota	Sanyojika	Sulekha	09314037509	madhubaheti14@gmail.com
65	Smt. Archana Lahoti	Raghavgadh	Sanyojika	Sulekha	09993567483	archanalahoti95@gmail.com
66	Smt. Prabha Jaju	Delhi	Sanyojika	Sulekha	09910975400	prabhajaju66@gmail.com
67	Smt. Pushpa Toshniwal	Pune	Prabhari	Sugandha	09327437475	pushpatoshniwal@gmail.com
68	Smt. Neena Bhandari	Pusad	Sanyojika	Sugandha	09422923487	neenasbhandari12@gmail.com
69	Smt. Manorama Kalya	Gulabpura	Sanyojika	Sugandha	09929967331	manoramakalya@yahoo.com
70	Smt. Ratna Jaju	Nanded	Sanyojika	Sugandha	09422185002	ratnajaju@gmail.com
71	Smt. Neelam Sarda	Chennai	Sanyojika	Sugandha	09952978816	tejaswiniwomen@gmail.com
72	Smt. Prema Baldua	Rajsamand	Sanyojika	Sugandha	09414201688	prembaldwa@hotmail.com

SN	Name	City	Designation	Mobile	Email
1	Smt. Padmadeviji Mundra	Amravati	Past President	09922410880	
2	Smt. Manoramaji Laddha	Gwalior	Past President	09926906094	maheshwarimahilagwl@gmail.com
3	Smt. Lataji Lahoti	Pune	Past President	09326840657	Latalahoti14@gmail.com
4	Smt. Geetaji Mundra	Indore	Past President	09302103981	Geetamundra@gmail.com
5	Smt. Vimladeviji Saboo	Surat	Past President	09426812471	Bimladevisaboo@gmail.com
6	Smt. Shobhaji Sadani	Kolkatta	Past President	09163063466	Shobhasadani@gmail.com
7	Smt. Ratnideviji Kabra	Mumbai	Sanrakshak	09324681000	Ratnidevi.kabra@rrglobal.in
1	Smt. Kalpana Gagdani	Mumbai	Adhyaksha	09920023636	K.gagdani@gmail.com
2	Smt. Asha Maheshwari	Kota	Maha Mantrani	09829114437	Ashamaheshwari21@gmail.com
3	Smt. Sushila Kabra	Indore	Nivartman Pres.	09329211011	Kabrasushila@gmail.com
4	Smt. Kaushaliya Gattani	Udaipur	Koshadhyaksha	09352416777	Gattanika@yahoo.com
5	Smt. Manju Bangur	Kanpur	Sang. Mantri	09415133669	Manjubangur19@gmail.com
6	Smt. Sarla Kabra	Aasam	Upadhyaksha- Purvanchal	09435045510	Kabraghy@gmail.com
7	Smt. Mamta Modani	Bhilwara	Upadhyaksha- Paschimanchal	09829245411	Mamtamodani@hotmail.com
8	Smt. Jyoti Rathi	Raipur	Upadhyaksha- Madhyanchal	09425513041	Jyotikrathi@gmail.com
9	Smt. Kanta Gagrani	Agra	Upadhyaksha- Uttaranchal	09837888088	Kantagagrani@gmail.com
10	Smt. Shaila Kalantri	Yewla	Upadhyaksha- Dakshinanchal	09423930065	Shailajkalantri@gmail.com
11	Smt. Manju Kothari	Kolkatta	Sanukt Sachiv-purvanchal	09330534605	Kotharimanju@yahoo.co.in
12	Smt. Phoolkaur Mundra	Jodhpur	Sanukt Sachiv-paschimanchal	09352351757	Phoolkaur.mundra@gmail.com
13	Smt. Mangal Marda	Vapi	Sanukt Sachiv-madhyanchal	09377962324	Mangal.marda@rediffmail.com
14	Smt. Sharmila Rathi	Delhi	Sanukt Sachiv-uttaranchal	09312226107	Sharmilarathi1@gmail.com
15	Smt. Prakash Mundra	Banglore	Sanukt Sachiv-dakshinanchal	09320949061	Mundhralighting@gmail.com
16	Smt. Sushma Mundra	Thane	Karyalay Mantri	09320949061	Sushmamundra@gmail.com

Sn	Anchal	Pradesh	Pre/sec	Name	City	Contact No	Email
1	Purvanchal	Aasam	President	Saraswati Malpani	Jorahat	09435350916	Saraswatimalpani@gmail.com
2	Purvanchal	Aasam	Secretary	Rukmani Kalani	Jorahat	09706090177	Rukmanikalani@gmail.com
3	Purvanchal	Aasam	Karyasamiti	Vandana Somani	Gauhati	09435010406	Seema.sarda89@gmail.com
4	Purvanchal	Bihar/jha	President	Pramila Aagiwal	Jamshedpur	09431962885	Pramila.agiwal@gmail.com
5	Purvanchal	Bihar/jha	Secretary	Usha Bagdi	Jamshedpur	09334619209	Ushabagree0@gmail.com
6	Purvanchal	Bihar/jha	Karyasamiti	Usha Mantri	Ranchi	0930800609	Ushamantri57@gmail.com
7	Purvanchal	Kolkatta	President	Nirmala Mall	Kolkatta	09831009541	Nirmala.mall2014@gmail.com
8	Purvanchal	Kolkatta	Secretary	Seema Bhattar	Kolkatta	09088310006	Sincere_ashok@yahoo.co.in
9	Purvanchal	Kolkatta	Karyasamiti	Varsha Mundra	Kolkatta	09874853991	Varshamundhra62014@gmail.com
10	Purvanchal	Nepal	President	Uma Rathi	Viratnagar	09842377037	Umarathi1967@gmail.com
11	Purvanchal	Nepal	Secretary	Asha Attal	Viratnagar	09842041518	Ashaatal@gmail.com
12	Purvanchal	Nepal	Karyasamiti	Anita Soni	Viratnagar	09842041884	Anitams2001@yahoo.com
13	Purvanchal	P. Bengal	President	Neelam Bhattar	Durgapur	09332867770	Nilambhattad.15@gmail.com
14	Purvanchal	P. Bengal	Secretary	Kusum Mall	Puralia	09434373500	Kusummall123@gmail.com
15	Purvanchal	P. Bengal	Karyasamiti	Rekha Lakhotia	Durgapur	09830679111	Rekha@krlinfra.com
16	Purvanchal	Orissa	President	Chanda Chandak	Sambalpur	09040959857	Chandak.priya1987@gmail.com
17	Purvanchal	Orissa	Secretary	Saroj Sarda	Sambalpur	09437065637	Sarojsarda50@gmail.com
18	Purvanchal	Orissa	Karyasamiti	Indu Mundra	Sambalpur	09938257303	Latamundra12@gmail.com
19	Paschimanchal	Pur. Raj.	President	Santosh Toshniwal	Kota	07425078765	Toshniwalsantosh655@gmail.com
20	Paschimanchal	Pur. Raj.	Secretary	Kunti Mundra	Kota	09352602376	Kunti.mundra@gmail.com
21	Paschimanchal	Pur. Raj.	Karyasamiti	Madhu Baheti	Kota	09314037509	Madhubaheti14@gmail.com
22	Paschimanchal	Pas. Raj.	President	Urmila Tapadia	Jodhpur	09351351000	Urmilataparia@gmail.com
23	Paschimanchal	Pas. Raj.	Secretary	Neelam Mundra	Jodhpur	09782150463	Dr.neelamsunilmundra25@gmail.com
24	Paschimanchal	Pas. Raj.	Karyasamiti	Rameshwari Bhutra	Jodhpur	09829101204	Rbhootra34@gmail.com
25	Paschimanchal	Mad. Raj.	President	Sunita Randed	Kishangadh	09352410355	Yamini74.sm@gmail.com
26	Paschimanchal	Mad. Raj.	Secretary	Shanta Dhoot	Vijaynagar	09460079912	Shantadineshdhoot@gmail.com
27	Paschimanchal	Mad. Raj.	Karyasamiti	Archana Lohia	Beawar	09314128343	Suhanbwr@gmail.com

28	Paschimanchal	Utt. Raj.	President	Lata Munra	Bikaner	09461012624	Mundhrabikaner@gmail.com
29	Paschimanchal	Utt. Raj.	Secretary	Monika Pachisiya	Bikaner	08769900666	Monika.mlp@gmail.com
30	Paschimanchal	Utt. Raj.	Karyasamiti	Shailja Chitlangia	Shgangangr	07728087627	Shailjanidhi12345@gmail.com
31	Paschimanchal	Ut.pu. Raj.	President	Savita Patwari	Jaipur	09214053250	Smtc.dsa@gmail.com
32	Paschimanchal	Ut.pu. Raj.	Secretary	Suman Rathi	Jaipur	09414991732	Gopalrathi38@gmail.com
33	Paschimanchal	Ut.pu. Raj.	Karyasamiti	Vijayshree Tapadia	Jaipur	09414076284	Ravitaparia@gmail.com
34	Paschimanchal	Dak. Raj.	President	Shikha Bhadada	Bhilwara	09829169304	Shikhabhadada2@gmail.com
35	Paschimanchal	Dak. Raj.	Secretary	Kuntal Toshniwal	Chittodgadh	09829184785	Kuntal.toshniwal@gmail.com
36	Paschimanchal	Dak. Raj.	Karyasamiti	Pushpa Rathi	Nathdwara	09829797646	Pushpasrathi@gmail.com
37	Madhyanchal	Chattisg.	President	Asha Dodiya	Jagdalpur	09424281297	President.cgmms@gmail.com
38	Madhyanchal	Chattisg.	Secretary	Shashi Gattani	Durg	09827472977	Secretary.cgmms@gmail.com
39	Madhyanchal	Chattisg.	Karyasamiti	Usha Mohunto	Raipur	09424202281	Ushamohunta@yahoo.com
40	Madhyanchal	Gujarat	President	Uma Jaju	Surat	09328193342	Jaju.uma@gmail.com
41	Madhyanchal	Gujarat	Secretary	Uma Kabra	Baroda	09326243442	Uma.kabra@rrglobal.in
42	Madhyanchal	Gujarat	Karyasamiti	Usha Somani	Ahmedabad	08980037096	Usomani48@gmail.com
43	Madhyanchal	Purvi Mp	President	Pratibha Jhavar	Sihor	09407512980	Jhawaranimesh@gmail.com
44	Madhyanchal	Purvi Mp	Secretary	Anita Jawandhiya	Bankhedi	09424643000	Prag20kasat@gmail.com
45	Madhyanchal	Purvi Mp	Karyasamiti	Manjri Chaparwal	Gwalior	09425115303	Manjarichhaparwal335@gmail.com
46	Madhyanchal	Pas Mp	President	Aruna Baheti	Khandwa	09827222551	Arunabahety@gmail.com
47	Madhyanchal	Pas Mp	Secretary	Veena Somani	Indore	09229293081	Veena.somani@gmail.com
48	Madhyanchal	Pas MP	Karyasamiti	Shobha Maheshwari	Indore	09302116210	Shobhamaheshwari@gmail.com
49	Madhyanchal	Vidarbh	President	Usha Karwa	Amravati	09423123153	Usha.karwa@gmail.com
50	Madhyanchal	Vidarbh	Secretary	Bharti Rathi	Arvi	09423146244	Bharti.rathi@gmail.com
51	Madhyanchal	Vidarbh	Karyasamiti	Jyoti Baheti	Akola	09423088950	Jdbaheti60@gmail.com
52	Uttaranchal	Delhi	President	Kiran Laddha	Delhi	09871605944	Ladhakiran02@gmail.com
53	Uttaranchal	Delhi	Secretary	Shyama Bhagadia	Delhi	09818378455	Bhangriashyamajsk@gmail.com
54	Uttaranchal	Delhi	Karyasamiti	Uma Jhawar	Delhi	09310033037	Uma4ml@gmail.com
55	Uttaranchal	Pun./har.	President	Manju Somani	Rewadi	08395962711	Manju.somany@gmail.com

56	Uttaranchal	Pun./har.	Secretary	Suman Jaju	Bahadurg.	09315035892	Jajoo2008@gmail.com
57	Uttaranchal	Pun./har.	Karyasamiti	Poonam Rathi	Bhatinda	09463140014	Poonammaheshwary@gmail.com
58	Uttaranchal	Mad. UP	President	Sujata Rathi	Kanpur	09838660206	Rathi.sujata1901@gmail.com
59	Uttaranchal	Mad. UP	Secretary	Vinita Khatod	Kanpur	09336728532	Vineetam1709@gmail.com
60	Uttaranchal	Mad. UP	Karyasamiti	Santosh Baheti	Kanpur	09336110469	Bahetisantosh54@gmail.com
61	Uttaranchal	Pas. UP	President	Vinita Rathi	Aligadh	09358209313	Vinita.prem.rathi@gmail.com
62	Uttaranchal	Pas. UP	Secretary	Manju Hurkat	Merrath	09457128555	Harkutmanju@gmail.com
63	Uttaranchal	Pas. UP	Karyasamiti	Sangita Bhattad	Gaziabad	09560241029	Smaheshwari1962@gmail.com
64	Uttaranchal	Pur. UP	President	Shashi Newar	Banaras	09336857109	Sashinewar21@gmail.com
65	Uttaranchal	Pur. UP	Secretary	Usha Jhawar	Lucknow	09415300428	Jhawarusha299@gmail.com
66	Uttaranchal	Pur. UP	Karyasamiti	Radha Jaju	Lucknow	09452296564	Radhabkjaju@gmail.com
67	Dakshinanchal	AP	President	Renu Sarda	Hyderabad	09246335390	Renu.sarda.apmms@gmail.com
68	Dakshinanchal	AP	Secretary	Urmila Saboo	Hyderabad	09290484136	Saboourmila@gmail.com
69	Dakshinanchal	AP	Karyasamiti	Premlata Kakani	Hyderabad	09908064111	Shyamkakani@yahoo.com
70	Dakshinanchal	Karnataka	President	Kamla Toshniwal	Bijapur	09449169051	Kamala.toshniwal12@gmail.com
71	Dakshinanchal	Karnataka	Secretary	Uma Bhattar	Banhati	09449819631	Bhattaduma@gmail.com
72	Dakshinanchal	Karnataka	Karyasamiti	Shobha Bhutda	Hubli	09449834464	Shobhabhutda@yahoo.com
73	Dakshinanchal	Mah.	President	Jyotsana Lahoti	Jalgaon	09325236488	Madhumaheshri@yahoo.com
74	Dakshinanchal	Mah.	Secretary	Ansuya Malu	Jaisingpur	09545470555	Anusayamalu@gmail.com
75	Dakshinanchal	Mah.	Karyasamiti	Aruna Laddha	Nashik	09422259239	Arunaladdha64@gmail.com
76	Dakshinanchal	Mah.	Karyasamiti	Shanti Mundhra	Pune	09326563459	Shantimundhra@gmail.com
77	Dakshinanchal	Mumbai	President	Purnima Sarda	Mumbai	09820622950	Purnima_sarda@rediffmail.com
78	Dakshinanchal	Mumbai	Secretary	Anita Maheshwari	Mumbai	09322120128	Anita.maheshwari11@gmail.com
79	Dakshinanchal	Mumbai	Karyasamiti	Sulochana Baldua	Mumbai	09920151221	Sulochanabaldua@gmail.com
80	Dakshinanchal	Tamilnadu	President	Pushpalata Jhawar	Chennai	09841155522	Latajhavar@gmail.com
81	Dakshinanchal	Tamilnadu	Secretary	Sunita Bisani	Chennai	09840086446	Sunitabisani@gmail.com
82	Dakshinanchal	Tamilnadu	Karyasamiti	Bina Mundra	Chennai	09952090824	Mundra.bina@gmail.com

Sn	Name	City	Designation	Samiti	Mobile	Email
1	Smt. Urmila Kalantry	Ahmedabad	Prabhari	Sancharika	09377779007	ukalantry@gmail.com
2	Smt. Sushila Maheshwari	Ahmedabad	Sanyojika	Sancharika	09328247305	sushilamaheshwary@gmail.com
3	Smt. Usha Mohunta	Raipur	Sanyojika	Sancharika	09424202281	ushamohunta@yahoo.com
4	Smt. Anita Soni	Nepal	Sanyojika	Sancharika	09842041884	anitams2001@yahoo.com
5	Smt. Aruna Lahoti	Pune	Sanyojika	Sancharika	09822064736	arunalahoti56@gmail.com
6	Smt. Sunita Palod	Thane	Sanyojika	Sancharika	09819858950	sunita_palod@yahoo.com
7	Smt. Nisha Laddha	Kolkatta	Prabhari	Suramya	09830224300	nishaladdha@gmail.com
8	Smt. Tara Dammani	Ahmedabad	Sanyojika	Suramya	09825041832	taradamani11@gmail.com
9	Smt. Seema Modani	Ahmedabad	Sanyojika	Suramya	09898500755	seemamodani@gmail.com
10	Smt. Ranjana Baheti	Bhopal	Sanyojika	Suramya	08989273434	ranjana.baheti11@gmail.com
11	Smt. Lata Gupta(kakani)	Kasganj	Sanyojika	Suramya	09456660181	jaju.pharma@yahoo.com
12	Smt. Manisha Laddha	Bhopal	Sanyojika	Suramya	09425606829	manishamaheshwari70@gmail.com
13	Smt. Shobha Lakhotiya	Kolkatta	Sanyojika	Suramya	09331215466	lakhotiyashobha@gmail.com
14	Smt. Kalavati Jaju	Hyderabad	Prabhari	Suchita	09392411667	ajaju99@gmail.com
15	Smt. Pushpa Rahi	Nathdwara	Sanyojika	Suchita	09829797646	pushparathi@gmail.com
16	Smt. Shyama Heda	Mumbai	Sanyojika	Suchita	09920326781	hedashyama@gmail.com
17	Smt. Shobha Gandhi	Agra	Sanyojika	Suchita	09358924515	gandhishobha@outlook.com
18	Smt. Mangal Mandhani	Jalna	Sanyojika	Suchita	09422927798	mandhanimangal@gmail.com
19	Smt. Ranjana Bhattar	Urai	Sanyojika	Suchita	08400092158	ranjanabhatter1964@gmail.com
20	Smt. Sonali Mundra	Kolkatta	Prabhari	Sukirti	09830338117	sonali_gandhimundhra@yahoo.co.in
21	Smt. Aruna Laddha	Nasik	Sanyojika	Sukirti	09422259230	arunaladdha@gmail.com
22	Smt. Vibha Rathi	Thane	Sanyojika	Sukirti	09819012822	vibhasrathi@gmail.com
23	Smt. Monika Maheshwari	Modinagar	Sanyojika	Sukirti	09897207099	monikamaheshwari99@gmail.com
24	Smt. Archana Mundra	Thane	Sanyojika	Sukirti	09324129449	archanamundra9449@gmail.com
25	Smt. Anu Baheti	Mhow	Sanyojika	Sukirti	09425956044	gunjan_baheti@rediffmail.com
26	Smt. Anita Dhoot	Nagaon	Sanyojika	Sukirti	09864243005	anitasboodhoot@gmail.com
27	Smt. Prema Jhawar	Kanpur	Prabhari	Surabhi	09369475952	prema.jhawar@gmail.com
28	Smt. Pramila Chola	Aligadh	Sanyojika	Surabhi	08979464046	pramilachola@gmail.com
29	Smt. Kanta Rathi	Nasik	Sanyojika	Surabhi	09822599287	kantarathi@gmail.com
30	Smt. Pushpa Somani	Kota	Sanyojika	Surabhi	09529969028	pushpasomani729@gmail.com
31	Smt. Sangita Biyani	Bhusawal	Sanyojika	Surabhi	09822536111	sangitambiyani@yahoo.com
32	Smt. Poonam Malpani	Golaghat	Sanyojika	Surabhi	09435058313	kabrapoonam76@gmail.com
33	Smt. Rakhi Bajaj	Mumbai	Sanyojika	Surabhi	09821320925	rakhibajaj19@gmail.com
34	Smt. Girija Sarda	Nepal	Prabhari	Sushrita	+977985202327	girijasunilsarda@yahoo.com
35	Smt. Namrata Biyani	Indore	Sanyojika	Sushrita	09826684084	namratabiyani73@gmail.com
36	Smt. Nilima Mantri	Yewatmal	Sanyojika	Sushrita	09403057763	mantrinilima@gmail.com

37	Smt. Swati Kabra	Mumbai	Sanyojika	Sushrita	09867122621	swatibipinkabra@gmail.com
38	Smt. Shobha Lahoti	Bhopal	Sanyojika	Sushrita	09425303613	shobhaslahoti@gmail.com
39	Smt. Urvashi Sabu	Delhi	Sanyojika	Sushrita	09810648038	urvashisabu@gmail.com
40	Smt. Kamla Mohata	Nagpur	Prabhari	Sushma	09423103585	kamalamohata@gmail.com
41	Smt. Nirmala Somani	Latur	Sanyojika	Sushma	08421291765	nimmahari@gmail.com
42	Smt. Manju Bhutda	Beawar	Sanyojika	Sushma	09462510550	manjubhutra@gmail.com
43	Smt. Varsha Daga	Kolkatta	Sanyojika	Sushma	09903688132	indravarsha@gmail.com
44	Smt. Aruna Modi	Jodhpur	Sanyojika	Sushma	09829280313	modyaruna@gmail.com
45	Smt. Sunita Tapadia	Vardha	Sanyojika	Sushma	09421217701	sunitatapadia16@gmail.com
46	Smt. Nirmala Baheti	Indore	Prabhari	Samvarna	09424010979	npbaheti55@gmail.com
47	Smt. Kamla Mundra	Jodhpur	Sanyojika	Samvarna	09983194195	rkmindustrier@sancharnet.in
48	Smt. Sumitra Kabra	Kolkatta	Sanyojika	Samvarna	09804079059	sumitrakabra2014@gmail.com
49	Smt. Jyoti Baheti	Akola	Sanyojika	Samvarna	09423088950	jdbaheti60@gmail.com
50	Smt. Sushila Gandhi	Amravati	Sanyojika	Samvarna	09890449706	sggandhi54@gmail.com
51	Smt. Rajni Harkut	Aligadh	Sanyojika	Samvarna	09837031679	rajniharkut@gmail.com
52	Smt. Priti Toshniwal	Kanpur	Sanyojika	Samvarna	09336111394	toshniwal850@gmail.com
53	Smt. Shobha Bhadada	Bhilwara	Prabhari	Saushtha	09352406073	lotuswear@gmail.com
54	Smt. Tara Maheshwari	Akola	Sanrakshika	Saushtha	09674036360	dr.taranm@gmail.com
55	Smt. Sudha Rathi	Yewatmal	Sanyojika	Saushtha	09370065052	kedarsudha@yahoo.com
56	Smt. Indira Mundra	Nanded	Sanyojika	Saushtha	09325355066	dr.inmundra@gmail.com
57	Smt. Rajni Lakhotia	Jodhpur	Sanyojika	Saushtha	09413955577	drrajnilakhotia@gmail.com
58	Smt. Alpana Laddha	Thane	Sanyojika	Saushtha	09892517179	alpanaladdha@rediffmail.com
59	Smt. Suryamala Malani	Aurangabad	Sanyojika	Saushtha	02402332087	s.d.malani@gmail.com
60	Smt. Manju Mandhana	Delhi	Prabhari	Sulekha	09910429011	manjumandhana@gmail.com
61	Smt. Anuradha Jaju	Hyderabad	Sanyojika	Sulekha	09014223999	ajaju99@gmail.com
62	Smt. Savita Kabra	Mumbai	Sanyojika	Sulekha	09619064455	savitadilipkabra@gmail.com
63	Smt. Seema Jhavar	Kanpur	Sanyojika	Sulekha	08756118559	seemamaheshwari67@yahoo.com
64	Smt. Madhu Baheti	Kota	Sanyojika	Sulekha	09314037509	madhubaheti14@gmail.com
65	Smt. Archana Lahoti	Raghavgadh	Sanyojika	Sulekha	09993567483	archanalahoti95@gmail.com
66	Smt. Prabha Jaju	Delhi	Sanyojika	Sulekha	09910975400	prabhajaju66@gmail.com
67	Smt. Pushpa Toshniwal	Pune	Prabhari	Sugandha	09326437475	pushpatoshniwal@gmail.com
68	Smt. Neena Bhandari	Pusad	Sanyojika	Sugandha	09422923487	neenasbhandari12@gmail.com
69	Smt. Manorama Kalya	Gulabpura	Sanyojika	Sugandha	09929967331	manoramakalya@yahoo.com
70	Smt. Ratna Jaju	Nanded	Sanyojika	Sugandha	09422185002	ratnajaju@gmail.com
71	Smt. Neelam Sarda	Chennai	Sanyojika	Sugandha	09952978816	tejaswiniwomen@gmail.com
72	Smt. Prema Baldua	Rajsamand	Sanyojika	Sugandha	09414201688	prembaldwa@hotmail.com

रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद

के बीच एक दुर्लभ संवाद

स्वामी विवेकानंद
मैं समय नहीं निकाल
पता, जीवन आपा–धापी से भर गया है।

रामकृष्ण परमहंस
गतिविधियां तुम्हें घेरे
रखती हैं, लेकिन उत्पादकता आजाद करती है।

स्वामी विवेकानंद
आज जीवन इतना
जटिल क्यों हो गया है?

रामकृष्ण परमहंस
परेशान होना तुम्हारी
आदत बन गयी है, इसी वजह से तुम खुश नहीं
रह पाते।

स्वामी विवेकानंद
अच्छे लोग हमेशा दु:ख
क्यों पाते हैं?

रामकृष्ण परमहंस
हीरा रगड़े जाने पर ही
चमकता है, सोने को शुद्ध होने के लिए आग में
तपना पड़ता है, अच्छे लोग दु:ख नहीं पाते
बल्कि परीक्षाओं से गुजरते हैं, इस अनुभव से
उनका जीवन बेहतर होता है, बेकार नहीं होता।

स्वामी विवेकानंद
समस्याओं से घिरे रहने
के कारण हम जान ही नहीं पाते कि किधर जा
रहे हैं .....

रामकृष्ण परमहंस
अगर तुम अपने बाहर
झांकोगे तो जान नहीं पाओगे कि कहां जा रहे हो,
अपने भीतर झांको, आंखें दृष्टि देती हैं, स्रदय राह
दिखाता है।

स्वामी विवेकानंद
क्या असफलता सही
राह पर चलने से ज्यादा कष्टकारी है?

रामकृष्ण परमहंस
सफलता वह पैमाना है
जो दूसरे लोग तय करते हैं, संतुष्टि का पैमाना
तुम खुद तय करते हो।

स्वामी विवेकानंद
कठिन समय में कोई
अपना उत्साह कैसे बनाये रख सकता है?

रामकृष्ण परमहंस
हमेशा इस बात पर ध्यान
दो कि तुम अब तक कितना चल पाये, बजाय
इसके कि अभी और कितना चलना बाकी है, जो
कुछ पाया है, हमेशा उसे गिनो, जो हासिल न हो
सका उसे नहीं।

स्वामी विवेकानंद
लोगों की कौन सी बात
टापको हैरान करती है?

रामकृष्ण परमहंस
जब भी वे कष्ट में होते हैं
तो पूछते हैं, ''मैं ही क्यों?'' जब वे खुशियों में डूबे
रहते हैं, तो कभी नहीं सोचते, ''मैं ही क्यों?''

स्वामी विवेकानंद
एक आखिरी सवाल
कभी–कभी मुझे लगता है कि मेरी प्रार्थनाएं
बेकार जा रही हैं।

रामकृष्ण परमहंस
कोई भी प्रार्थना बेकार
नहीं जाती, अपनी आस्था बनाये रखो और डर
को परे रखो, जीवनर एक रहस्य है जिसे तुम्हें
खोजना है, यह कोई समस्या नहीं जिसे तुम्हें
सुलझाना है, मेरा विश्वास करो – अगर तुम यह
जान जाओ कि जीना कैसे है तो जीवन सचमुच
बेहद आश्चर्यजनक है।